शर्मा हार्डওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 131 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 2 दिसंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

रैगिंग से घायल छात्र आनंद का हुआ सफल ऑपरेशन पेज 3
श्रद्धा हत्याकांड मामला : आफताब का दो घंटे तक चला नार्को टेस्ट पेज 4
बीएसएफ की स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री योगी ने दी शुभकामनाएं पेज 5
पुलिस और गैंगस्टरों के बीच मुठभेड़, दो गिरफ्तार पेज 8

2026 तक परियोजनाओं को पूरा करने का लक्ष्य : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को गुवाहाटी के फटासिल आमबाड़ी स्थित सड़क अनुसंधान संस्थान में लोक निर्माण (सड़क) विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में गुवाहाटी-उत्तर गुवाहाटी फ्लाईओवर, पलासबाड़ी-सुवालकुची पुल के निर्माण और असोम माला योजना से संबंधित विभिन्न मुद्दों जैसी विभिन्न परियोजनाओं को प्रमुखता से उठाया गया। बैठक के अंत में मीडियाकर्मियों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि असम सरकार के लोक निर्माण (सड़क) विभाग विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक के सहयोग से राज्य में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को लागू कर रहा है। इनमें से 2,608-करोड़ रुपए का गुवाहाटी-उत्तर गुवाहाटी ब्रिज, 3,197 करोड़ रुपए का पलासबाड़ी-सुवालकुची ब्रिज आदि कुछ प्रमुख परियोजनाएं हैं। असम माला परियोजना के तहत कई करोड़ रुपए की ये परियोजनाएं कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में, राज्य सरकार केंद्र से अत्यधिक महत्व की दो परियोजनाओं के लिए स्वीकृति प्राप्त करने में सक्षम रही है। पहला डिमा हसाउ क्षेत्र के सड़क नेटवर्क की 3,800 करोड़ रुपए की पुनर्निर्माण है जो इस साल की शुरुआत में विनाशकारी बाढ़ से क्षतिग्रस्त हो गया था। -शेष पृष्ठ दो पर

भारतीयों को अपनी आदिवासी संस्कृति पर गर्व : उपराष्ट्रपति

कोहिमा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा गुरुवार को नगालैंड की राजधीन दिमापुर के निकट नगा हेरिटेज विलेज किसामा में कहा, भारत संस्कृति की भूमि है और भारतीयों को अपनी आदिवासी संस्कृति पर गर्व है। नगाओं की अनूठी संस्कृति और गौरवशाली इतिहास की प्रशंसा करते हुए धनखड़ ने कहा कि मैं आदिवासी संस्कृति को सलाम करता हूं। मैं आदिवासी ऊर्जा को सलाम करता हूं। उपराष्ट्रपति किसामा में प्रसिद्ध हॉर्नबिल महोत्सव के 23वें संस्करण का उद्घाटन करने के एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति ने नगालैंड के राज्यपाल और मुख्यमंत्री के साथ महोत्सव की शुरुआत की घोषणा करने के लिए उद्घाटन घंटा बजाया। उन्होंने राज्य के प्राकृतिक सौन्दर्य को मनमोहक बताते हुए रेखांकित किया कि राज्य में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, जिनका पूरा दोहन करने की जरूरत है। उपराष्ट्रपति के रूप में नगालैंड के अपने पहले दौरे पर आए धनखड़ को उद्घाटन समारोह में सिफी (पारंपरिक नगा टोपी) और अमुला कक्सा (नगा शॉल) से सम्मानित किया गया। सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश में महिलाओं के खिलाफ सबसे कम अपराध दर होने पर नगालैंड की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि राज्य महिला सशक्तीकरण में रास्ता दिखा रहा है। धनखड़ ने कहा कि भारत ने आज से जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण कर ली है और अगले वर्ष अप्रैल में राज्य में जी-20 की बैठक होने पर दुनिया नगा आतिथ्य का अनुभव कर सकेगी। इस मौके पर उपराष्ट्रपति ने त्योहार के उपलक्ष्य में एक डाक टिकट भी जारी किया। हॉर्नबिल फेस्टिवल के उद्घाटन के बाद, उपराष्ट्रपति ने नगा हेरिटेज विलेज, किसामा में आर्ट गैलरी और मोरंग्स का दौरा किया। इससे पहले दिन में, उपराष्ट्रपति ने राजभवन, कोहिमा में नगालैंड के राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी, मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, उपमुख्यमंत्री वाई पैटन और मंत्रिपरिषद से मुलाकात की।

गुजरात : पहले चरण में 57.75 फीसदी मतदान

अहमदाबाद (हि.स.)। गुजरात विधानसभा चुनाव के पहले चरण की 89 सीटों पर गुरुवार को मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। सौराष्ट्र-कच्छ समेत दक्षिण गुजरात के 19 जिलों में औसत 57.75 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। सौराष्ट्र-कच्छ में जहां मतदाताओं के उत्साह की कमी दिखी, वहीं दक्षिण गुजरात में मतदान करने में लोग बढ़-चढ़ कर आगे रहे। जामनगर और भरूच जिले के एक-एक गांव में किसी ने वोट नहीं डाले। -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी ने उठाया गुजराती अस्मिता का मुद्दा

अहमदाबाद। गुजरात में पहले चरण के लिए 1 दिसंबर को पहले चरण का चुनाव खत्म हो गया। पहले चरण में 89 सीटों पर 59.02 प्रतिशत वोटिंग हुई। एक ओर गुजरात में वोटिंग जारी थी, दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के दूसरे हिस्से में दूसरे चरण के लिए प्रचार कर रहे थे। पीएम मोदी मल्लिकार्जुन खरगे के *रावण के 100 सिर* वाले बयान को लेकर कांग्रेस को जमकर खरी-खोटी सुनाई। उन्होंने मल्लिकार्जुन खरगे के बयान को पीएम ने गुजरात की अस्मिता के साथ जोड़ दिया है। गुजरात चुनाव के बीच कांग्रेस ने एक बार फिर भाजपा को वॉकओवर दे दिया है। इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने पीएम मोदी को औकात दिखाने की बात कही थी। अहमदाबाद के बेहरामपुरा में सोमवार को एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा था कि प्रधानमंत्री सभी चुनावों में -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

भारतीय जवान गलती से पाकिस्तान गया और लौटा

अमृतसर। पंजाब में भारत-पाकिस्तान इंटरनेशनल बॉर्डर पर तैनात बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) का एक जवान गुरुवार सुबह 6:30 बजे गलती से जीरो लाइन पार कर पाकिस्तानी इलाके में पहुंच गया। घने कोहरे के कारण जवान से यह गलती हो गई। पाकिस्तानी एरिया में पहुंचते ही इस जवान को पाक रेंजर्स ने गिरफ्तार कर लिया। लापता हुआ जवान बीएसएफ की 66 बटालियन से है। जैसे ही उसके बॉर्डर पार करने की सूचना मिली आला अधिकारी हरकत में आ गए। आनन-फानन में पाकिस्तानी रेंजर्स के सीनियर अधिकारियों से संपर्क किया गया तो उन्होंने इस बात की पुष्टि कर दी कि बीएसएफ जवान उनके कब्जे में है। इसके बाद बीएसएफ अधिकारियों ने पाक रेंजर्स के साथ फ्लैग मीटिंग कॉल करके जवान को रिलीज करने के लिए कहा। शुरुआती ना-नुकर के बाद पाक रेंजर्स बीएसएफ जवान को छोड़ने के लिए तैयार हो गए। यह पूरी घटना पंजाब में बीएसएफ के फिरोजपुर सेक्टर के -शेष पृष्ठ दो पर

नार्को टेस्ट में आफताब के जवाबों से उड़े होश

नई दिल्ली। रोहिणी के अंबेडकर अस्पताल में गुरुवार को नार्को टेस्ट के दौरान आफताब ने बेहोशी की हालत में कई ऐसे सवालों के जवाब दिए हैं, जिन्हें सुनकर मनोविज्ञानियों के होश उड़ गए। सूत्रों की माने तो, आरोपित ने श्रद्धा की हत्या करने की बात तो स्वीकार की ही, साथ ही उसने यह भी बताया कि हत्या के बाद उसने किन हथियारों से उसके टुकड़े किए। उसने श्रद्धा के कपड़े कहां डिस्पोज किए, जब उसने श्रद्धा की हत्या की तो उस समय वह क्या कर रही थी। इसके अलावा आफताब ने बताया कि नार्को टेस्ट में हत्या करने के बाद उसने इसकी जानकारी भी किसी से साझा की थी। श्रद्धा के टुकड़े करने का ख्याल उसे कैसे आया। हत्या करने के बाद सबसे पहले उसने क्या किया। शव के टुकड़े उसने कहां-कहां फेंके। पहला टुकड़ा कौन-सा फेंका ? आखिरी टुकड़ा कौन-सा फेंका व कहां फेंका ? श्रद्धा का सिर कहां फेंका ? श्रद्धा का मोबाइल कहां फेंका ? क्या शव के टुकड़े फेंकने में उसकी किसी दोस्त ने भी मदद की थी। आफताब से यह भी पूछा गया कि उसने हत्या करने के बाद या पहले कौन-कौन सी फिल्म या वेब सीरीज देखी। पुलिस गुरुवार सुबह करीब पौने नौ बजे आफताब को लेकर अंबेडकर अस्पताल पहुंची। इसके बाद अंबेडकर अस्पताल के इमरजेंसी ओटी में जाने से पहले उसके कपड़े बदले गए। ओटी में मनोविज्ञानी, फोरेंसिक विशेषज्ञ की मौजूदगी में अंबेडकर अस्पताल के डाक्टर ने आफताब को एनेस्थीसिया का इंजेक्शन दिया। कुछ मिनटों बाद अर्ध चेतना की अवस्था में चला गया। इस दौरान चार मनोविज्ञानियों ने करीब आठ-आठ सवाल पूछे। यह वो सवाल थे जो पालीग्राफ टेस्ट के बाद मनोविज्ञानियों की टीम ने तैयार किए थे। इनमें से आठ सवाल प्रमुख थे। -शेष पृष्ठ दो पर

door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

केंद्र की एफएम रेडियो चैनलों को हिदायत

नई दिल्ली। देश के एफएम रेडियो चैनलों को अब नशे को बढ़ावा देने वाले गाने या अन्य सामग्री चलाने से पहले सौ बार सोचना होगा। केंद्र सरकार ने रेडियो चैनलों को ऐसे गाने चलाने से आगाह किया है जो शराब, ड्रग्स, गन कल्चर समेत आसामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देते हैं। एफएम रेडियो चैनलों के लिए सूचना एंव प्रसारण मंत्रालय के ओर से जारी एक एडवाइजरी में सख्त निर्देश दिए हैं कि, वे ग्रांट ऑफ परमिशन एग्रीमेंट (जीओपीए) और माइग्रेशन ग्रांट ऑफ परमिशन एग्रीमेंट (एमजीओपीए) में निर्धारित नियमों और शर्तों का सख्ती से पालन करें। साथ ही निर्देश हैं कि, ऐसी किसी भी सामग्री का प्रसारण -शेष पृष्ठ दो पर

एयरपोर्ट के आसपास नहीं मिल सकेगी 5-जी सेवा

नई दिल्ली। रिलायंस जियो और एयरटेल ने देश के कई शहरों में 5-जी सेवाएं शुरू कर दी हैं। हालांकि ऐसा डर है कि दूरसंचार कंपनियों द्वारा उपयोग किए जा रहे 5-जी बैंड से हवाई जहाजों में नेविगेशन उपकरण प्रभावित हो सकते हैं। यही वजह है कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) और नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयरपोर्ट के पास के इलाके में 5-जी सेवाओं के लिए बेस स्टेशन स्थापित नहीं करने को कहा है। डीजीसीए ने दूरसंचार कंपनियों से रनवे के दोनों छोर से 2.1 किलोमीटर के दायरे में कोई 5-जी बेस स्टेशन नहीं लगाने को कहा है। इसके अलावा, डीजीसीए ने कंपनियों को बफर जोन से 540 मीटर के दायरे में आने वाले सभी बेस स्टेशनों की पावर कम करने को कहा है। डीजीसीए और मंत्रालय के निर्देश के पीछे मुख्य वजह रेडियो अल्टीमीटर और -शेष पृष्ठ दो पर

कोलकाता में महिला से दुष्कर्म तीन बांग्लादेशी दबोचे गए

कोलकाता। कोलकाता पुलिस ने गुरुवार को मध्य कोलकाता के एक होटल में एक स्थानीय महिला से कथित तौर पर दुष्कर्म करने के आरोप में तीन बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान मोहम्मद रसेल, मोहम्मद कैसर चौधरी और अब्दुल्ला अल मिजान के रूप में हुई है, जो बांग्लादेश के रहने वाले हैं। वे इलाज के लिए कोलकाता आए थे। पुलिस उपायुक्त (मध्य प्रमंडल) रूपेश कुमार के मुताबिक पीड़ित महिला नदिया जिले की रहने वाली है। पीड़िता ने बुधवार रात तीनों आरोपितों के खिलाफ न्यू मार्केट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। न्यू मार्केट पुलिस ने गुरुवार को होटल पर छापा मारकर तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बांग्लादेश के विदेश कार्यालय को इसकी सूचना दे दी है। जानकारी के मुताबिक पीड़िता एस्कार्ट सेवाओं से जुड़ी थी। वह तीनों आरोपितों के बुलाने पर बाद होटल गई थी। बाद में, उन्होंने वादा की गई राशि का भुगतान करने से इन्कार कर दिया और इसके बजाय उसे होटल से बाहर निकाल दिया।

सुप्रभात

सिंह भूखा होने पर भी तिनका नहीं खाता।

— **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

दक्षिण 24 परगना में घर से बम बरामद

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के काशीपुर इलाके में एक घर से आज बड़ी मात्रा में बारूद, सॉकेट बम और आग्नेयास्त्र बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने इस घटना की जानकारी देते हुए कहा कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बुधवार रात छापेमारी की। इस दौरान घर के मालिक और उसके बेटे दो लोगों को गिरफ्तार किया। काशीपुर पुलिस स्टेशन के नातापुकुर इलाके में नबीरुल मोल्ला के घर से हमने 15 किलो गन पाउडर, पांच सॉकेट बम, एक कारतूस, एक सिंगल बैरल गन, सॉकेट बम बनाने के लिए धातु के 17 खाली कंटेनर, एक सेमी-फिनिश्ड गन जब्त की है। अधिकारी ने कहा।

जी-20 की अध्यक्षता संभाल लिया भारत

नई दिल्ली। भारत गुरुवार से औपचारिक रूप से एक वर्ष के लिए दुनिया के आर्थिक रूप से संपन्न देशों के समूह जी-20 की अध्यक्षता संभाल लेगा। इस दौरान भारत के पास अंतर्राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर वैश्विक एजेंडे में योगदान करने का अनूठा अवसर होगा। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए जी-20 एक प्रमुख मंच है जो वैश्विक जीडीपी का 85 प्रतिशत, दुनियाभर के कारोबार का 75 प्रतिशत से अधिक और विश्व की दो-तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत देश के 55 स्थानों पर 32 विभिन्न सेक्टरों में लगभग 200 बैठकों का आयोजन करेगा। जी-20 की शिखर बैठक का आयोजन अगले साल होगा जो भारत की मेजबानी में सर्वोच्च स्तर की बैठकों में से एक होगी। जी-20 की पहली बैठक दिसंबर के पहले हफ्ते में उदयपुर में होगी। मालूम हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवंबर माह की शुरुआत में भारत की अध्यक्षता में जी-20 का लोगो, थीम और वेबसाइट लांच की थी। इसके लोगो में कमल का फूल भारत की प्राचीन विरासत, आस्था और विचारधारा का प्रतीक है। भारत के जी-20 की अध्यक्षता संभालने के साथ ही एक हफ्ते के लिए यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइटों समेत केंद्र सरकार द्वारा संरक्षित सौ स्मारकों को रोशन किया जाएगा। इन स्मारकों -शेष पृष्ठ दो पर

लैंसेट रिपोर्ट का दावा : लड़कों में अधिक कैंसर

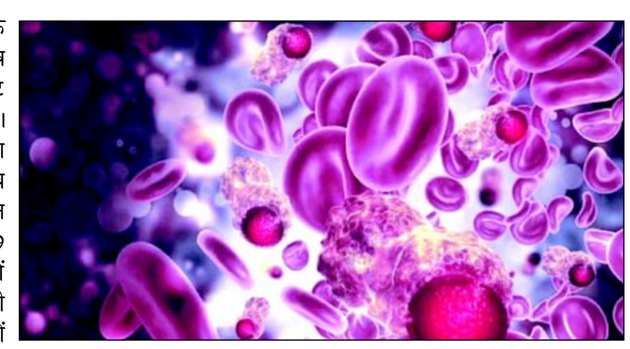

नई दिल्ली। भारत में कैंसर जैसी घातक बीमारी की जांच में भी लैंगिक भेदभाव हो रहा है, यह दावा नई लैंसेट ऑन्कोलॉजी रिपोर्ट में किया गया है। इसके अनुसार लड़कों में कैंसर के ज्यादा मामले मिल रहे हैं क्योंकि उनकी जांच लड़कियों से ज्यादा हो रही है। अध्ययन में साल 2005 से 2019 तक 0 से 19 वर्ष उम्र के बच्चों में प्रमुख अस्पतालों व जनगणना आधारित कैंसर रजिस्ट्री (पीबीसीआर) में मिले कैंसर के मामलों का विश्लेषण किया गया। रिपोर्ट में दिल्ली एम्स व चेन्नई के कैंसर इंस्टीट्यूट के अध्ययनकर्ताओं ने कैंसर रोगियों के लैंगिक अनुपात व अन्य तथ्यों की गणना की। एम्स दिल्ली के मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रो. समीर बख्शी ने बताया कि पीबीसीआर में दर्ज कैंसर के 11,000 मरीजों में लड़कों की संख्या -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

एंबुलेंस को रास्ता देने के लिए पीएम ने रोका काफिला

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के अहमदाबाद में अपने रोड शो के दौरान एक एम्बुलेंस को रास्ता देने के लिए अपने काफिले को रोक दिया। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने अहमदाबाद में अपने रोड शो के दौरान सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी का अहमदाबाद शहर में 30 किलोमीटर से अधिक लंबा रोड शो नरोदा गांव से शुरू हुआ। शाम लगभग पांच बजकर 20 मिनट पर शुरू हुए *रोड शो* के दौरान मार्ग के दोनों ओर बड़ी संख्या में लोगों ने फूल बरसाकर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। जानकारी के मुताबिक, रोड शो अहमदाबाद के पूर्वी हिस्से से होकर गुजरा और शहर के पश्चिमी हिस्से में चांदखेड़ा क्षेत्र में आईओसी सर्कल पर समाप्त हुआ। रोड शो ने हीरावाडी, हाटकेश्वर, मणिनगर, दनिलिम्दा, जीवराज पार्क, घाटलोदिया, नारनपुरा और साबरमती सहित शहर के विभिन्न हिस्सों को कवर किया। अहमदाबाद शहर के साथ-साथ गांधीनगर-दक्षिण की 13 विधानसभा सीट पर भी पीएम मोदी ने जनता का आशीर्वाद लिया। गुजरात विधानसभा चुनाव के पहले चरण में गुरुवार को 89 सीट के लिए मतदान हुआ। दूसरे चरण में शेष 93 सीट के लिए मतदान पांच दिसंबर होगा।

मोरीगांव मेडिकल कालेज की आधारशिला 8 को रखेंगे सीएम

मोरीगांव (हि.स.)। असम सरकार के मंत्री पीयूष हजारिका ने गुरुवार को बताया है कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा आगामी 8 दिसंबर को बहुप्रतीक्षित मोरीगांव मेडिकल कॉलेज की औपचारिक रूप से आधारशिला रखेंगे। इसी दिन मोरीगांव गुवाहाटी रोड पर भकतगांव में 75 करोड़ रुपये की लागत से कपिली नदी पर बने पुल के पुनर्निर्माण की भी आधारशिला रखी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा जिला में सिंचाई, लोक निर्माण विभाग, पॉलिटेक्निक और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के विकास के लिए कई आधारशिलाएं भी रखेंगे। दूसरी ओर, उन्होंने जिला उपायुक्त से यह देखने के लिए कहा है कि मोरीगांव सिविल अस्पताल में दवाओं और आवश्यक वस्तुओं की लंबे समय से कमी क्यों है।

फसलों के नुकसान पर समग्र बीमा कवच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है केंद्र

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार ने कहा है कि फसलों के नुकसान पर समग्र बीमा कवच प्रदान किया जा रहा है। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने गुरुवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के अंतर्गत अबाध प्राकृतिक जोखिमों के मामले में फसलों के नुकसान पर समग्र बीमा कवच प्रदान करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। देश के किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ मिल रहा है। मंत्रालय का कहना है कि पीएमएफबीवाई विश्व की सबसे बड़ी फसल बीमा योजना बनने की राह पर है। हर वर्ष योजना के तहत लगभग पांच करोड़ किसानों के आवेदन मिलते हैं। पिछले छह वर्षों में 25,186 करोड़ रुपए का प्रीमियम चुकाया गया और किसानों को 1,25,662 करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं। कृषि मंत्रालय का कहना है कि जिन राज्यों ने योजना को लागू किया है, वे आगे बढ़ रहे हैं और उन राज्यों में रबी 22-23 के तहत किसानों का पंजीकरण भी बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र से आई उन मीडिया रिपोर्ट को मंत्रालय ने खारिज किया है जिसमें दावा किया गया था कि किसानों को उचित फसल बीमा राशि नहीं मिली। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने कहा कि महाराष्ट्र के कुछ जिलों में किसानों को बीमा दावों पर मामूली रकम मिलने की खबरें तथ्यात्मक रूप से गलत हैं। क्योंकि ज्यादातर दावे आंशिक थे और वह वास्तविक रकम नहीं थी। जिसके बाद महाराष्ट्र सरकार ने प्रावधान किया है कि हर विशिष्ट किसान पहचान-पत्र के आधार पर न्यूनतम 1000 रुपए के दावे का भुगतान किया जाएगा।

शिवसागर में भारी मात्रा में लाली गुड़ जब्त

शिवसागर (हि.स.)। शिवसागर जिले के गौरीसागर थाना अंतर्गत टेपर गांव में वाहन समेत अवैध लाली गुड़ (गीला गुड़) जब्त किया गया है। यह गुड़ नगांव जिले के लंका से डीआई वाहन के जरिए आमगुरी को भेजा गया था। आमगुड़ी पुलिस ने गुरुवार को बताया है कि 100 टिन लाली गुड़ को जब्त करने के साथ ही वाहन चालक फारूक उद्दीन को भी गौरीसागर पुलिस ने हिरासत में लिया है। दरअसल, राज्य में लाली गुड़ का उपयोग खासकर चाय बागानों में देसी शराब बनाने के लिए किया जाता है। देसी शराब पीकर जोरहाट और गोलागाट के कई चाय बागानों में पीकर वर्ष 2019 में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। जिसके बाद राज्य सरकार ने लाली गुड़ की बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। उल्लेखनीय है कि पहले भी गौरीसागर पुलिस ने अवैध लाली गुड़ की तस्करी करने वाले वाहनों के साथ सैकड़ों टिन लाली गुड़ को जब्त किया था।

डॉग ट्रेनर अभिषेक ने अपने पालतू कुत्तों के साथ भेड़िया में किया अभिनय

गुवाहाटी। कुत्ते इंसान के सबसे वफादार दोस्त हैं। अन्य जानवरों की तुलना में कुत्तों को वश में करना विशेष रूप से आसान होता है। कुत्तों में लोगों के क्रोध, गर्व और पीड़ा को समझने की क्षमता होती है। यह बात डॉग ट्रेनर अभिषेक ने कही। गुवाहाटी के पांडू निवासी अभिषेक पाल चौधरी बचपन से ही डॉग लवर एवं डॉग ट्रेनर हैं। उन्होंने कुत्तों के प्रशिक्षण के साथ-साथ पांडू इलाके के कॉलेजगेट में के9 अकादमी नामक अपना प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया है। के9 नॉर्थ ईस्ट रीजन का एक ऐसा प्रशिक्षण केंद्र है, जहां डॉग्स को स्पेशल ट्रेनिंग देने के अलावा उन लोगों को भी ट्रेनिंग दिया जाता हैं जिनके घर में डॉग्स हैं। अभिषेक ने बताया कि कुत्तों को ट्रेनिंग देने का विचार हमारे समाज में ज्यादा लोकप्रिय नहीं है, लेकिन धीरे-धीरे लोगों में जानवरों और पक्षियों को लेकर जागरुकता बढ़ रही है। बॉलीवुड हीरो वरुण धवन और कृति सेनन अभिनीत निर्देशक अमर कौशिक द्वारा निर्देशित हिंदी कॉमेडी हॉरर फिल्म भेड़िया भारत के विभिन्न सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इस फिल्म के कुछ सीन में अभिषेक ने अपने चार स्निफर डॉग के साथ काम किया है। जिसकी शूटिंग अरुणाचल में हुई थी। अभिषेक कुत्तों के साथ फिलहाल कुछ असमिया फिल्में करने वाले हैं। साथ ही उन्होंने कुछ तमिल, तेलुगु, पंजाबी फिल्मों में कुत्तों के साथ भी शूटिंग की है। स्वाभाविक रूप से अभिषेक के परिवार सहित पांडू इलाके के लोग उत्साहित हैं। अभिषेक बचपन से ही जानवर के लिए कुछ करने की सोची। उन्होंने बताया कि कुत्तों को प्रशिक्षित करने का रास्ता आसान नहीं था। उन्हें कई विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। वास्तव में कोई सोच भी नहीं सकता कि मनुष्य मानवता से कुछ भी कर सकता है। कुत्तों के प्रति समाज की नकारात्मक सोच को बदलने के लिए कई संस्थाएं सामने आई हैं। सालभर अभिषेक कुत्तों को ट्रेनिंग देने के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों में जाते हैं। बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के अलावा वह मशहूर लोगों, एथलीटों के कुत्तों को ट्रेनिंग देते हैं। कुत्तों के प्रति अभिषेक के प्यार ने तय किया कि वह भविष्य में इस विषय पर अध्ययन और काम करेंगे। उन्होंने हॉलैंड, नीदरलैंड्स में पुलिस डॉग ट्रेनिंग सेंटर से प्रशिक्षण प्राप्त किया और देश के कई संगठनों से भी प्रशिक्षण प्राप्त किया। ट्रेनिंग के बाद उन्होंने कुछ दिन घर पर ही प्रैक्टिस की। 2019 में उन्होंने कुत्तों के प्रशक्षण केंद्र के9 आकादमी की स्थापना की। यहां आज्ञाकारिता प्रशिक्षण, व्यवहार प्रशिक्षण, पालतू मनोविज्ञान, चिकित्सा प्रशिक्षण, थेरेपी प्रशिक्षण और ग्रूमिंग के अलावा विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए जाते हैं। करीब दस सालों से वे यह काम कर रहे हैं। पूरे पूर्वोत्तर में पांच सौ कुत्तों को प्रशिक्षण दिया है। अभिषेक का कहना है कि उनके परिवार ने उन्हें काम करने की पूरी आजादी देने के साथ-साथ हमेशा आर्थिक और मानसिक रूप से उनका समर्थन किया है। वह अपने परिवार की मदद से यहां तक पहुंच पाए हैं। उन्होंने विभिन्न कुत्तों जैसे गोल्डन रिट्रीवर्स, बीगल, जर्मन शेफर्ड, लैब्राडोर रिट्रीवर्स आदि को प्रशिक्षित किया है। इसके साथ ही वह कुत्तों के इलाज का भी इंतजाम करते हैं, जरूरत पड़ने पर कुत्तों को खाना देते हैं, टीके देने तथा शेल्टर होम भेजने की व्यवस्था करते हैं। अभिषेक अपने अनुभव से कहते हैं कि कुत्ते खुद से लोगों पर हमला नहीं करते हैं। खाना न मिलने पर या बीमार होने पर, भूखा होने पर या डर के मारे कुत्ते अक्सर हमला करते हैं। उन्होंने कहा कि हमें आने वाली पीढ़ियों को यह विश्वास दिलाना होगा कि किसी भी जानवर को कष्ट नहीं देना चाहिए।

जंगली हाथी ने एक ग्रामीण घर को किया क्षतिग्रस्त

शोणितपुर (हि.स.)। शोणितपुर जिला के तेजपुर के पाखीयाझार इलाके में जंगली हाथी द्वारा उपद्रव मचाये जाने से ग्रामीण बेहद परेशान हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि गुरुवार तड़के दो जंगली हाथी पाखीयाझार इलाके में खाद्य की तलाश में घुस आये। जंगली हाथियों द्वारा सलीम अंसारी नामक व्यक्ति के घर को नुकसान पहुंचा गया है। एक महीने पहले भी जंगली हाथियों द्वारा सलीम अंसारी के घर को नुकसान पहुंचाया गया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात के समय खाद्य की तलाश में जंगली हाथी रिहायशी इलाकों में घुस आते हैं। वन विभाग द्वारा ठोस कदम नहीं उठाए जाने की वजह से आए दिन जंगली हाथी का उपद्रव बढ़ता ही जा रहा है। स्थानीय लोगों ने वन विभाग से जंगली हाथियों के उपद्रव पर लगाम लगाने की गुहार लगाई है।

आग लगने से घर जलकर राख

लखीमपुर (हि.स.)। लखीमपुर जिले के हारमती इलाके में लगी आग के दौरान एक व्यक्ति का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि बीती रात को हारमती पुलिस चौकी अंतर्गत मोरबिल बरदलनी गांव में आग लगने की खबर मिली। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने अग्निशमन की मदद से आग पर पाया काबू पाया। हालांकि तब तक कृष्णा सुतिया नामक व्यक्ति का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। आग के दौरान 2 बच्चे बाल-बाल बच गए। बताया जा रहा है कि पूजा करने के दौरान घर में आग लगी। घटना के समय कृष्णा सुतिया उनकी दो बहू और दो छोटे बच्चे मौजूद थे। जो इस घटना में बाल-बाल बच गए।

No. MHRB/40/Faculty/2022/1641

NOTICE

In terms of advertisement No. MHRB/40/Faculty/2022/1523 Dated 23rd September, 2022, the Medical and Health Recruitment Board, Assam hereby announces today, the 1st December, 2022, the result of the interview for selection to the posts of **Registrar/ Demonstrator/Resident Physician etc. in Government Medical College Hospitals** under Medical Education & Research Department, Government of Assam held on 21st, 22nd, 23rd, 24th and 25th November, 2022. The names of the selected candidates may be seen in the website at https://nhm.assam.gov.in.

-- Janasanyog /D/17384 / 22

Sd/-
Chairman
Medical and Health Recruitment Board, Assam

पृष्ठ एक का शेष

2026 तक परियोजनाओं ...

दूसरा 4,000 करोड़ के 11 लकड़ी के पुलों को कंक्रीट के पुलों में बदलना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुवाहाटी में पुलों का निर्माण कार्य जोरों पर चल रहा है और निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा होने की संभावना है। उन्होंने साइकिल फैक्ट्री, फटासिल और डाउन टाउन अस्पताल के पास तीन अतिरिक्त फ्लाईओवर के निर्माण के लिए की जा रही पहल के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि 2026 तक अधिकांश बड़ी परियोजनाओं को पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आज की बैठक में विशेष आयुक्त और सचिव (पीडब्ल्यूडी) राजेश केमप्राई और विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

गुजरात : पहले चरण...

चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार सौराष्ट्र-कच्छ के 12 जिलों में औसत 42 फीसदी मतदान हुआ, वहीं दक्षिण गुजरात के 7 जिलों में औसत 56 फीसदी मतदान किया गया। इस तरह दोनों क्षेत्र में अंतर करीब 14 फीसदी देखा गया। सौराष्ट्र-कच्छ के मतदाताओं को वोटिंग के लिए दोपहर के 3 बजे के बाद राजनीतिक दलों ने मोर्चा संभाला और लोगों को फोन पर मतदान के लिए घर से निकालने का अभियान चलाया। पहले चरण में कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़कर सभी क्षेत्रों में मतदान शांतिपूर्ण होने की खबर है। हालांकि दो गांवों के लोगों ने मतदान का बहिष्कार किया, जिससे वहां एक भी वोट नहीं डाले जा सके। जामनगर जिले के जामजोधपुर विधानसभा सीट के धाफ्रा गांव में महिला मतदाताओं के लिए अब तक अलग बूथ बनाए जाते थे, इस बार ऐसा नहीं होने पर ग्रामीणों ने चुनाव बहिष्कार किया। मतदान प्रक्रिया पूर्ण होने तक गांव के एक भी व्यक्ति ने मतदान नहीं किए। लालपुर के प्रांत अधिकारी एन डी गोवाणी ने बताया कि सहायक चुनाव अधिकारी को गांव भेजा गया था, जिससे लोगों को समझाया जा सके। इसी तरह भरुच जिले की झगड़िया विधानसभा सीट अंतर्गत वालिया तहसील के केसर गांव में लोगों ने मतदान का बहिष्कर किया। सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक एक भी ग्रामीण ने वोट नहीं डाले। मतदाताओं ने प्राथमिक सुविधा के अभाव के कारण मतदान का बहिष्कार किया। प्रशासन के समझाने-बुझाने का भी ग्रामीणों पर कोई असर नहीं हुआ। राज्य के 19 जिलों में पहले चरण के तहत 89 सीटों पर लगभग 57.75 फीसदी मतदान हुआ। इसमें कच्छ में 54.52 फीसदी, सुरेन्द्रनगर में 58.14, मोरबी 56.20, राजकोट 51.66, जामनगर 53.98, द्वारका 59.11, पोरबंदर 53.84, जूनागढ 52, गिर सोमनाथ 60.46, अमरेली 52.73, भावनगर 51.34, बोटाद 51.64, नर्मदा 68, भरुच 59.36, सूरत 57.16, तापी 72.32, डांग 64.84, नवसारी 65.91 और वलसाड में 62.46 फीसदी दर्ज किया गया।

पीएम मोदी ने ...

लोगों से *उनका चेहरा देखकर वोट करने* के लिए कहते हैं। खरगे ने पूछा था कि क्या आप रावण की तरह 100 सिर वाले हैं। खरगे की टिप्पणी को भाजपा और उसके वरिष्ठ नेताओं ने भी गुजरात के लोगों का अपमान करार दिया है। मोदी ने कलोल की जनसभा में कहा कि मैं खरगे जी का सम्मान करता हूं, लेकिन उन्हें पार्टी हाई कमान के आदेशों का पालन करना होता है। उन्हें यह कहने के लिए मजबूत किया गया कि मोदी के रावण जैसे 100 सिर हैं। 12 नवंबर को कांग्रेस ने अपना घोषणा पत्र जारी किया। राजीव भवन में पार्टी का घोषणापत्र लॉन्च करने के बाद एक टीवी चैनल से बातचीत में मधुसूदन मिस्त्री ने कहा कि वो गुजरात चुनाव में पीएम मोदी को उनकी औकात दिखाएंगे। पीएम नरेंद्र मोदी कितनी कोशिश कर लें, वे सरदार पटेल नहीं बन सकते। साथ ही कांग्रेस ने अपने संकल्प पत्र में वादा किया कि अगर गुजरात में उनकी सरकार आती है तो नरेंद्र मोदी स्टेडियम का नाम बदल देंगे। मोदी ने कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे की *रावण* वाली टिप्पणी का उल्लेख करते हुए गुरुवार को कहा कि प्रमुख विपक्षी दल के नेताओं के बीच होड़ मची है कि कौन उन्हें सबसे ज्यादा भद्दी गाली दे सकता है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि आप जितना कीचड़ उछालोगे, कमल उतना ही ज्यादा खिलेगा। पंचमहल जिले के कलोल में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि उनके लिए इस्तेमाल ऐसे भद्दे शब्द गुजरात और उसकी जनता का अपमान है क्योंकि उनका पालन पोषण इसी भूमि पर हुआ है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे विधानसभा के चुनाव में कमल (भाजपा का चुनाव चिह्न) का बटन दबाकर कांग्रेस के नेताओं को सबक सिखाएं।

भारतीय जवान गलती ...

अबोहर एरिया की है। गुरुवार सुबह बीएसएफ के जवान अबोहर एरिया में भारत-पाक बॉर्डर पर फेंसिंग के पार पढ़ने वाले भारतीय इलाके में रूटीन सर्च कर रहे थे। यहां धुंध इतनी ज्यादा थी कि एक जवान जीरो लाइन क्रॉस कर गया। धुंध के कारण बाकी जवानों को भी 3 घंटे तक पता नहीं चला कि उनका एक साथी गायब है। सुबह 9.30 बजे बॉर्डर पर गश्त करने गए जवान जब लौटे तो उनकी हाजिरी ली गई। इस दौरान एक जवान कम निकला। जब इधर-उधर पता करने के बाद भी जवान का कुछ पता नहीं चला तो बटालियन में हलचल मच गई। आनन-फानन में पूरे एरिया में सर्च शुरू की गई, लेकिन जवान का कुछ पता नहीं चला। इसके बाद जब पाकिस्तानी रेंजर्स से संपर्क किया गया तो उन्होंने जवान के उनकी कस्टडी में होने की पुष्टि की। पाकिस्तानी रेंजर्स की ओर से बताया गया कि इस जवान को इसलिए गिरफ्तार किया गया क्योंकि वह इंटरनेशनल बॉर्डर लांघकर उनके एरिया में पहुंच गया था। बीएसएफ की 66 बटालियन के अफसरों ने जवान के दुश्मन मुल्क की सरहद में पहुंच जाने और उसकी गिरफ्तारी की सूचना तुरंत अपने आला अधिकारियों को दी। इसके बाद पाकिस्तानी रेंजर्स के साथ इमरजेंसी फ्लैग मीटिंग कॉल की गई। बीएसएफ अफसरों ने कई दौर की मीटिंग की, तब पाकिस्तानी रेंजर्स बीएसएफ जवान को रिलीज करने के लिए तैयार हुए। बीएसएफ की ओर से दी गई आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, दोपहर डेढ़ बजे पाक रेंजर्स ने भारत को उसका जवान लौटा दिया। भारत ने पाकिस्तान की तरफ से घुसपैठ और आर्म्स व ड्रग की स्मगलिंग रोकने के लिए तारबंदी (फेंसिंग) कर रखी है। लगभग 12 फीट ऊंची ये फेंसिंग भारतीय सीमा के अंदर की गई है और इससे 300 से 500 मीटर आगे भी भारत का ही इलाका है। उसके बाद इंटरनेशनल बॉर्डर (जीरो लाइन) है जहां सफेद लाइन खींची रहती है। फेंसिंग के पार पढ़ने वाले भारतीय क्षेत्र में किसान खेती भी करते हैं। फेंसिंग के पार जाने वाले इन किसानों को बीएसएफ की ओर से बाकायदा कार्ड जारी किए जाते हैं। जब भी कोई किसान फेंसिंग के पार पढ़ते खेतों में जाता है तो बीएसएफ के जवान निगरानी के लिए उनके साथ जाते हैं। पाकिस्तान में बैठे स्मगलर सर्दी के मौसम में घने कोहरे का फायदा उठाकर भारतीय सीमा में हथियार और ड्रग रख जाते हैं। भारत में एक्टिव उनके साथी चोरी-छिपे ये हथियार-ड्रग उठा लाते हैं। इसे रोकने के लिए बीएसएफ के जवान पूरे एरिया में लगातार सर्च करते हैं। सर्च के लिए बीएसएफ जवान फेंसिंग के पार पढ़ते भारतीय क्षेत्र में भी जाते हैं। गुरुवार को इसी एरिया में सर्च कर रहा बीएसएफ का जवान घनी धुंध की वजह से जीरो लाइन नहीं देख पाया और गलती से पाकिस्तानी इलाके में पहुंच गया। पंजाब में भारत-पाकिस्तान इंटरनेशनल सरहद के दोनों तरफ खेती होती है। इस समय दोनों तरफ के किसानों ने गेहूं की बिजाई कर रखी है। सर्दी में इस एरिया में दोनों ही देशों में घना कोहरा पढ़ता है और इसकी वजह से यहां विजिबिलिटी जीरो तक पहुंच जाती है। कड़ाके की ठंड में भी बीएसएफ जवान यहां अलग-अलग शिफ्ट में 24 घंटे पेट्रोलिंग करते हैं।

नार्को टेस्ट में आफताब...

जिनमें हत्या को लेकर ही सवाल पूछे गए। सूत्रों की माने तो आफताब ने माना कि उसने हत्या की थी। वह श्रद्धा को पहले दिल्ली लेकर आया और फिर डेटिंग एप पर दूसरी लड़कियों से मिलने लगा। उन्हें घर बुलाने लगा। इसको लेकर श्रद्धा परेशान हो गई थी। वह बार-बार झगड़ती थी। 18 मई को भी उनका इसी बात पर झगड़ा हुआ व गुस्से में उसने श्रद्धा की हत्या कर दी। दो घंटे से ज्यादा देर तक चले आफताब के नार्को टेस्ट के दौरान आफताब ने सभी सवालों के जवाब सही दिए। मनोविज्ञानी व पुलिस भी संतुष्ट हुए। संभावना जताई जा रही है कि नार्को टेस्ट के बाद पुलिस की जांच का दायरा बढ़ सकता है। अंबेडकर अस्पताल में नार्को टेस्ट के दौरान आफताब से न सिर्फ सवाल पूछे गए। उसको श्रद्धा के फोटो, घर के फोटो, डेटिंग एप के जरिये मिली लड़कियों के फोटो भी दिखाए गए। इस दौरान उसके शरीर में होने वाली गतिविधियों को भी नोट किया गया। सुरक्षा को लेकर सिविल ड्रेस में भी पुलिस कर्मी तैनात थे। अंबेडकर अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ी की गई थी। इमरजेंसी ओटी वाले गलियारे में करीब दो दर्जन पुलिस कर्मी तैनात थे।ओटी की ओर जाने वाले दोनों रास्तों को पुलिस ने अपने कब्जे में लिया हुआ था। टेस्ट के दौरान किसी भी बाहरी व्यक्ति को नहीं आने दिया गया। बाहर गेट पर भी पुलिस कर्मी तैनात थे। सिविल ड्रेस में भी पुलिस कर्मी हर गतिविधि पर नजर रखे हुए थे। सोमवार को आफताब को ले जा रही वैन पर हुए हमले के बाद से पुलिस काफी सतर्कता बरत रही है। नार्को टेस्ट के लिए अंबेडकर अस्पताल में पहुंचे आफताब के चेहरे पर कोई शिकन नहीं थी। न ही टेस्ट से पहले कोई डर था और न ही बाद में। पुलिस वैन पर हुए हमले के बाद उसे समझ में आ गया था कि बाहर लोगों में उसके खिलाफ काफी गुस्सा है। बावजूद इसके वह डरा हुआ नहीं लग रहा था।

केंद्र की एफएम...

न करें जिससे नियमों का उल्लंघन हो। एडवाइजरी में कहा गया है कि, किसी भी तरह का उल्लंघन करने पर जीओपीए/एमजीओपीए में निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। बता दें, मंत्रालय के सामने कुछ ऐसे मामले सामने आए, जिसमें कुछ एफएम रेडियो चैनलों द्वारा शराब, ड्रग्स, हथियार, गैंगस्टर और गन कल्चर का महिमामंडन करने वाले गाने या प्रसारण सामग्री चलाई गई। जिसके केंद्र सरकार की ओर से यह एडवाइजरी जारी की गई है। वहीं, एक अन्य मामले में पंजाब एंव हरियाणा हाई कोर्ट ने न्यायिक नोट लिया था कि शराब, ड्रग्स और गन कल्चर को बढ़ावा देने वाली सामग्री बच्चों को बुरी तरह से प्रभावित करती है। जिससे उनकी मानसिक स्थिति भी प्रभावित होती है। साथ ही बताया जा रहा है कि, ऐसी सामग्री आकाशवाणी कार्यक्रम संहिता का उल्लंघन करती है और केंद्र को अनुमति के निलंबन और प्रसारण पर रोक लगाने के लिए प्रतिबंध लगाने का अधिकार है।

एयरपोर्ट के आसपास ...

जीपीएस है। रेडियो अल्टीमीटर ऊंचाई निर्धारित करने के लिए विमान के महत्वपूर्ण उपकरणों में से एक होता है। ये दोनों डिवाइस पायलट को कम दृश्यता की स्थितियों में नेविगेट करने में मदद करते हैं। भारत में 5-जी बैंड का संचालन करने वाली दूरसंचार कंपनियों द्वारा उपयोग की जाने वाली रेडियो फ्रीक्वेंसी से ये दोनों उपकरण प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि कंपनियों का तर्क है कि जिस बैंडविड्थ में भारत की दूरसंचार कंपनियां काम करती हैं, वह उस बैंड की तुलना में कम हैं, जो भारत और दुनियाभर के देशों में चलने वाले हवाई जहाजों में उपरोक्त उपकरणों द्वारा उपयोग की जा रही है। रेडियो फ्रीक्वेंसी के प्रति सबसे संवेदनशील अल्टीमीटर आमतौर पर 4.2 गीगाहर्ट्ज के आसपास संचालित होता है, जो कि 3.3-3.6 गीगाहर्ट्ज रेंज से अधिक है, जो भारतीय टेलीकाम द्वारा 5-जी के लिए उपयोग किया जा रहा है।

जी-20 की अध्यक्षता...

में दिल्ली में हुंमायू का मकबरा व पुराना किला, गुजरात में मोढेरा सूर्य मंदिर, ओडिशा का सूर्य मंदिर, बिहार में शेरशाह का मकबरा व राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के खंडहर व प्राचीन संरचनाएं एवं अन्य स्मारक, बंगाल की राजधानी कोलकाता में मेटकाफ हाल व मुद्रा भवन, गोवा में बेसिलिका आफ बाम जीसस व चर्च आफ लेडी आफ रोजरी, कर्नाटक में टीपू सुल्तान का महल व गोल गुंबज और मध्य प्रदेश में सांची बौद्ध स्मारक व ग्वालियर का किला शामिल हैं। इस दौरान इन स्मारकों पर जी-20 का लोगो भी हाईलाइट किया जाएगा। एक अधिकारी ने बताया कि स्मारक पर प्रोजेक्ट किए जाने वाले लोगो का आकार उस स्थल की प्रकृति और डिजाइन पर निर्भर होगा। भारत में 40 यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइटें हैं और अधिकतर सांस्कृतिक साइटें आर्कियोलाजिकल सर्वे आफ इंडिया (एएसआई) के तहत आती हैं। भारत गुरुवार से एक महीने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की अध्यक्षता भी संभाल रहा है। 15 सदस्यीय परिषद के निर्वाचित सदस्य के रूप में दो वर्ष के कार्यकाल के दौरान पिछले वर्ष अगस्त के बाद भारत दूसरी बार यह अध्यक्षता संभालेगा। अध्यक्षता संभालने से पहले यूएन में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने सोमवार और मंगलवार को क्रमशः संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष साबा कोरोसी व संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस से मुलाकात की और प्राथमिकताओं व कार्यक्रमों पर चर्चा की। यूएनएससी में भारत का कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो जाएगा।

लैंसेट रिपोर्ट का ...

अधिक मिली। अस्पतालों में इलाज ले रहे 22 हजार कैंसर रोगियों में भी लड़के ज्यादा थे। यह दिखाता है कि कैंसर के लक्षण मिलने पर जांच के लिए लड़कियों को कम लाया जा रहा है। खासतौर से उत्तर भारत में, जहां समाज ज्यादा पितृसत्तात्मक है। रिपोर्ट के अनुसार हमें कैंसर की जांच व इलाज में लैंगिक भेदभाव हो रहा है, यह मानना होगा। इसे दूर करने के लिए लोगों को बताना होगा कि समय रहते कैंसर का पता चलने पर रोग का बेहतर इलाज होता है। इलाज का खर्च भी घटाना होगा। लड़कियों के इलाज के लिए विशेष योजनाएं लाई जा सकती हैं। उन्हें निशुल्क इलाज मिले, तो भेदभाव घटाने में मदद मिल सकती है। प्रो. बख्शी के अनुसार कैंसर का पता चलने के बाद यह लैंगिक भेदभाव मिट जाता है। यह बताता है कि भेदभाव केवल सामाजिक वजहों से है, चिकित्सा संस्थानों या नीतिगत वजहों से नहीं।

रंगिया के हेमदोल कराटे के रंगीन बेल्ट की परीक्षा संपन्न

रंगिया (निसं)। रंगिया के निकट हेमदोल में स्वेच्छासेवी संस्था आकाश ग्रुप ऑफ सोसायटी द्वारा तथा रंगिया जिला कराटे संस्था के सहयोग से कराटे प्रशिक्षणार्थियों की रंगिन बेल्ट की परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न की गई। असम कराटे संथा के सहायक सचिव और रंगिया जिला कराटे संस्था के सचिव माजहारुल इस्लाम, आकाश ग्रुप ऑफ सोसाइटी के अध्यक्ष तथा सचिव क्रमशः विपुल काकोती और हेमंत कलिता, प्रशिक्षक अजंता दास, भूपेन नामशूद्र सहित अभिभावकगण और स्थानीय लोग इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस मौके पर प्रशिक्षक के रूप में वरिष्ठ प्रशिक्षक सेनसाई देवब्रत शर्मा और बासेद अली उपस्थित थे। इस दौरान बीस छात्रों को रंगीन बेल्ट प्रदान किया गया।

स्वर्वेद भाष्य

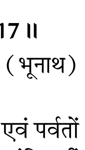

चतुर्थ मंडल **पंचम अध्याय**

(आनन्द)

छत्रपती भूनाथ थे, गिरि वन भटका खाय।
खोजत सुख वे कवन हैं, जेहि विन शान्ति न पाय॥ 17॥

शब्दार्थ : (छत्रपती) सम्राट (गिरि) पहाड़ (वन) जंगल, (भूनाथ) राजा।

भाष्य : बड़े सुखशाली महाराजगण राज्य-सुख को छोड़कर वन एवं पर्वतों में भटक कर किस सुख की खोज करते हैं, जिसके बिना उन्हें शांति नहीं प्राप्त होती ?

वन वन छानत छार है, गिरिन कन्दरा खोह।
कवन चाह सुख लग्न है, सहत कठिन दुख वोह॥ 18॥

शब्दार्थ : (छानत) गारत, खोजत (छार) धूलि (कंदरा) गुफा (खोह) नीचे की अंधेरी गुहा।

भाष्य : किस सुख के प्रेम में अत्यंत कष्ट सहते हुए पहाड़ों को अंधेरी गुहाओं में एवं वन-वन में धूल जानते फिरते हो ? अनुरागी पुरुष अत्यंत कष्ट सहकर भी उस ब्रह्म की खोज में लगे रहते हैं।

रैंगिंग से घायल छात्र आनंद का हुआ सफल ऑपरेशन, वह बोला

ठीक महसूस कर रहा हूं

डिब्रूगढ़ (विभास)। डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय रैगिंग से परेशान होकर हॉस्टल के दूसरी मंजिल से कूदने वाले छात्र का गुरुवार को ऑपरेशन किया गिया। पांच डॉक्टरों की टीम ने करीब तीन घंटे तक छात्र का ऑपरेशन किया। ऑपरेशन के बाद छात्र ने कहा कि अब वह काफी ठीक महसूस कर रहा है। कूदने से छात्र की रीढ़ की हड्डी कई जगह से फ्रेक्चर हो गई थीं। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक ऑपरेशन पांच डॉक्टरों की टीम ने करीब तीन घंटे में किया। इस टीम का नेतृत्व न्यूरोसर्जन डॉ. अनिल पन्नालाल ने किया। मेडिकल परिस्थितियों को देखते हुए सर्जरी से पहले दिल की धड़कन को स्थिर करने के लिए रोगी पर एक अस्थायी पेसमेकर लगाया गया था। गुरुवार को उनके ऑपरेशन से पहले अस्पताल परिसर में आनंद के माता-पिता और परिजनों के साथ बड़ी संख्या में लोग उनकी सफल सर्जरी और पूरी तरह से ठीक होने की प्रार्थना कर रहे थे। जानकारी के मुताबिक ऑपरेशन सफल रहा। रीढ़ की हड्डी के टूटे हिस्से, जो नसों को दबा रहे थे, सफलतापूर्वक निकाल दिए गए। टूटी हुई रीढ़ को ठीक करने के लिए टाइटेनियम प्लेट और स्क्रू का इस्तेमाल किया गया। कल एक एक्स-रे किया जाएगा और परसों उसे खुद बैठने के लिए कहा जाएगा। डॉक्टरों को उम्मीद है कि वह एक सप्ताह के भीतर चलने में सक्षम हो जाएगा। ऑपरेशन के बाद आनंद ने कहा कि अब वह काफी ठीक महसूस कर रहे हैं। इस बीच, गुरुवार को रैंगिंग मामले में डिब्रूगढ़ पुलिस ने एक अन्य छात्र दिव्यज्योति गोगोई को गिरफ्तार किया। गुरुवार को एक अन्य छात्र चित्रपन बरुआ ने विश्वविद्यालय की एंटी रैगिंग कमेटी के सामने पेश होकर खुद को निर्दोष बताया। उसने कहा कि मुझे फंसाया गया है। वह इस तरह के किसी भी कांड में शामिल नहीं था। वह रैगिंग विरोधी है। दूसरी ओर, गुरुवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने कहा कि असम सरकार रैगिंग को खत्म करने के लिए कड़े कदम उठाने जा रही है। उन्होंने कहा, पूर्व छात्रों को छात्रवास में अब रहने नहीं दिया जाएगा। कई छात्र कमेटियों के नाम पर पूर्व छात्रवास में रहते हैं, जिससे इस तरह की घटनाएं बढ़ती हैं।

पुआल ले जा रहे ट्रक में लगी आग

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के वशिष्ठ थाना क्षेत्र के जोराबाट पुलिस चौकी इलाके में गुरुवार की तड़के पुआल ले जा रहे एक ट्रक में अचानक आग लगने की वजह से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मिली जानकारी के अनुसार सोनापुर के कमारकुची से जोराबाट के निकट ग्यारह माइल की ओर पुआलले जा रहे ट्रक (एएस-01डीसी-8158) में जोराबाट फ्लाईओवर के ऊपर अचानक आग लग गई। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची जोराबाट पुलिस चौकी और जोराबाट यातायात पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंची दिसपुर अग्निशमन की मदद से आग पर काबू पाया। आग बुझाए जाने तक ट्रक में लदा पूरा पुआल जल चुका था। हालांकि, आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। ट्रक चालक ने आरोप लगाया है कि मामूली टक्कर के बाद नाइट सुपर के कर्मचारियों द्वारा ट्रक में आग लगाई गई है।

भाजपा के मुखपत्र असमिया बीजेपी बार्ता का विमोचन

गुवाहाटी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दक्षिण कामरूप जिला मुख्यालय में गुरुवार को पार्टी के मुखपत्र असमिया बीजेपी बार्ता का विमोचन किया गया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता, गुवाहाटी लोकसभा सांसद क्वीन ओझा, पलाशबाड़ी निर्वाचन क्षेत्र के विधायक हेमांग ठाकुरिया, जिला अध्यक्ष धनेश्वर कालिता की उपस्थिति में दिसंबर माह का असमिया बीजेपी बार्ता के अंक का विमोचन किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

सीआरपीएफ की 175वीं वाहिनी की ओर से स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। सीआरपीएफ देश में असमाजिक तत्वों से निपटने तथा कानून व्यवस्था बनाये रखने के साथ-साथ जन सेवा कार्यों में भी अपना कर्तव्य बखूबी से निभाती रही है। इसी क्रम में महानिदेशालय, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, नई दिल्ली के आदेशानुसार 175वीं वाहिनी द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन वाहिनी मुख्यालय, रानी औद्योगिक क्षेत्र, कामरूप के कैंप परिसर में किया जाएगा। इस कार्यक्रम का शुभारंभ दिनांक 01/12/2022 को श्री राजीव कुमार झा, कमांडेंट 175 वीं वाहिनी के नेतृत्व में 175 वीं वाहिनी मुख्यालय, रानी औद्योगिक क्षेत्र में किया गया तथा इस अवसर पर सभी अधिकारियों एवं जवानों द्वारा शपथ भी लिया गया। इस संदर्भ में 175 वीं वाहिनी के कमांडेंट श्री राजीव कुमार झा ने अधिकारियों एवं जवानों को संबोधित करते हुए बताया कि सभी को स्वच्छता को लेकर अपने शरीर को स्वच्छ रखने के लिए व्यक्तिगत बदलाव करने की जरूरत है और अपने परिवार, गांव, मुहल्ला, समाज में बदलाव करने हेतु हमेशा पहल कर परिवार एवं समाज के लोगों को जागरूक करें। यह कार्यक्रम समाज व पर्यावरण को साफ-सुथरा तथा स्वच्छ रखने में फलदायक होगा। प्रत्येक नागरिक का अहम कर्तव्य है कि समाज एवं पर्यावरण को साफ सुथरा तथा स्वच्छ बनाने के लिए उसे आगे आना चाहिए जिससे आने वाली पीढ़ि भी लाभान्वित हो। इस अवसर पर वाहिनीं के श्री अब्दुल रहीम, उप कमांडेंट, डॉक्टर दिप्ती बुर्ले, चिकित्सा अधिकारी तथा 175 वीं वाहिनीं केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के अधिनस्थ अधिकारी व जवान उपस्थित रहे।

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

रंगिया (निसं)। राष्ट्रीय युवा कल्याण एवं खेल मंत्रालय के अधीनस्थ संस्था नेहरू युवा केंद्र, कामरूप के सौजन्य से तथा अग्रणी स्वेच्छासेवी संस्था समृद्धि के सहयोग से आज विश्व एड्स दिवस का पालन किया गया। रंगिया के बनगांव स्थित पदुम कुंवरी कॉलेजिएट हाई स्कूल में आयोजित इस कार्यक्रम में समाज की व्याधि बने एड्स की भयावहता और इसकी जागरूकता पर आमंत्रित अतिथियों द्वारा भाषण प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त प्रशिक्षक हितेंद्र शर्मा, पदुम कुंवरी कॉलेजिएट हाई स्कूल की प्रधान शिक्षिका हबीबा खातून, सहायक शिक्षक वाहेदुर रहमान, संस्था समृद्धि के सचिव दिकेन डेका सहित बहुत से आमंत्रित अतिथियों ने एड्स की भयावहता और रोग से बचाव को लेकर अपने विचार प्रकट किए। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-कर्मचारियों सहित बहुत से छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

रनदिया शतदल साहित्य सभा का दूसरा स्थापना दिवस आयोजित

रंगिया (निसं)। समाज से सभी बुराइयों को दूर करने में सिर्फ पत्रकारों को पहरा देना पड़ रहा है। यह जिम्मेदारी सिर्फ पत्रकारों की नहीं है। इन सामाजिक समस्याओं के प्रति समाज के प्रत्येक नागरिक को जागरूक होने की आवश्यकता है। यह टिप्पणी जानेमाने पत्रकार तथा लेखक डॉ. कुमुद दास द्वारा की गई है। मंगलवार को रंगिया के रनदिया शतदल साहित्य सभा के द्वितीय स्थापना दिवस पर आयोजित मित्रों के साथ अंतरंग वार्तालाप कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहते हुए पत्रकार दास ने कहा कि वर्तमान समय में सम्बाद सेवा करना इतनी सहज बात नहीं है। वर्तमान समय में कुछ एक पत्रकारों को छोड़कर अधिकांश पत्रकारों की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। वहीं इस कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित पत्रकार रितुस्मिन शर्मा ने कहा कि प्रौद्योगिकी में बदलाव के कारण पत्रकारिता की दुनिया में भी भारी बदलाव होने जा रहा है। इस मौके पर शर्मा ने बताया कि अगर कोई इस बदलाव के साथ मिलकर आगे बढ़ सकता है तो उसके लिए कई अवसर आएंगे। रंगिया मुरारा स्थित पुव रंगिया प्रगति संघ प्रांगण में आयोजित गीत मात कविता पाठ और अभिनय आदि से भरपुर इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी साहित्य प्रेमीयों ने वार्तालाप किया। कार्यक्रम की शुरुआत शाखा के अध्यक्ष प्रतुल भुइयां ने असम साहित्य सभा का ध्वजारोहण कर की। इसके पश्चात महान साहित्यकार पंडित मामोनी रॉयसम गोस्वामी की स्मृति को स्मरण किया गया। कार्यक्रम में रंगिया के स्थानीय पत्रकारों द्वारा डॉ0 कुमुद दास और रितुस्मिन शर्मा के साथ प्रश्नोत्तर सत्र कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। अंतरंग समारोह के प्रारंभ में अतिथियों डॉ0 कुमुद दास, रितुस्मिन शर्मा एवं समस्त उपस्थित पत्रकारों को क्रमश: फुलाम गामोछा, स्थापना दिवस का प्रतीकात्मक स्मारक, मानपत्र और मुखपत्र रनदिया से सम्मानित किया गया। साथ ही आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित रंगिया थाना प्रभारी भास्कर मल्ल पटवारी को रनदिया साहित्य सभा के सदस्यों द्वारा सम्मानित किया गया। आयोजन में कामरूप जिला साहित्य सभा के स्वर्ण जयंती हालोगांव अधिवेशन में नव मान्यता प्राप्त जिले के श्रेष्ठ संगठक तथा रनदिया शतदल साहित्य सभा के सचिव हेमंत कलिता को शाखा की ओर से अध्यक्ष प्रतुल भुइयां ने फुलाम गामोछा से सम्मानित किया और उनकी प्रशंसा की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमियों ने भाग लिया, इस दौरान सभा के कुछ आजीवन सदस्यों को साहित्य सभा का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

लायंस केयर का नि:शुल्क मधुमेह जांच शिविर संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। तेजी से बढ़ते मधुमेह के प्रति लोगों को जगरूक करने के उद्देश्य से लायंस क्लब गुवाहाटी केयर की ओर से महानगर के विभिन्न स्थानों नि:शुल्क मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में क्लब की ओर से द्वितीय चरण के अंतर्गत भांगागढ़ स्थित रुद्राक्ष मॉल में मधुमेह जांच शिविर का आयोजन अपोलो डाइग्नोस्टिक के सहयोग से किया गया। क्लब की ओर से मधुमेह जांच शिविर लायंस जिला 322जी के वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी के तहत लगाया गया। शिविर में 87 लोगों के मधुमेह की जांच कर उन्हें इस रोग से बचने की जानकारी दी गई। शिविर को सफल बनाने में क्लब अध्यक्ष अमित अग्रवाल, सचिव सोनम हरलालका, अमित-रश्मि डागा, संदीप-शुभांगी भगत, नरेंद्र-मधु लोढ़ा, शंभु-अनिता भारती, ऋषभ-अंतिमा लोढ़ा, सुमन सूद, पिंकी गोयल, रश्मि बंसल, पूनम अग्रवाल, बीएल सराफ, बिनिता बे?या, अभिषेक सोनी, सविता गा?ोदिया, गौरव हरलालका आदि का भरपूर सहयोग रहा। शिविर को सुचारू रूप से चलाने में रुद्राक्ष मॉल के कर्मचारियों और प्रबंधन समूह का भरपूर सहयोग रहा।

राज्य में 25 हजार से ज्यादा लोग एचआईवी संक्रमित, 45 फीसदी महिलाएं हैं पीड़ित

गुवाहाटी (विभास)। असम राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी (एएसएसीएस) के अनुसार असम में लगभग 25,073 लोग एचआईवी से पीड़ित हैं। एएसएसीएस ने कहा कि इन 25,073 लोगों में 45 प्रतिशत महिलाएं जबकि तीन फीसदी बच्चे हैं। सोसाइटी ने बृहस्पतिवार को विश्व एड्स दिवस के मौके पर नाको एचआईवी अनुमान रिपोर्ट 2021 का हवाला देते हुए कहा कि असम में एचआईवी फैलने की दर 0.09 प्रतिशत है, जो राष्ट्रीय दर 0.21 फीसदी से कम है। राज्य में एंटीरेट्रोवाइरल उपचार कराकर जीवित रहने वाले लोगों की संख्या 10,765 है। कामरूप (महानगर) जिले में सबसे अधिक 7,610 लोग एचआईवी से पीड़ित हैं। इसके बाद कछार में 5,200, नगांव में 1,602 और डिब्रूगढ़ में 1,402 लोग इसकी चपेट में हैं। एएसएसीएस ने कहा कि असम में एचआईवी के जितने मामले सामने आए हैं, उनमें से 81.63 प्रतिशत विषमलैंगिकों (हेटेरोसेक्शुअल) के बीच यौन संबंध के माध्यम से सामने आए हैं। 5.54 प्रतिशत मामले सीरिंज और सुइयों के इस्तेमाल के माध्यम से, 4.76 प्रतिशत माता-पिता से बच्चों में संक्रमण फैलने के कारण, 4.61 प्रतिशत समलैंगिकों के जरिए, 0.85 प्रतिशत मामले रक्त संक्रमण के कारण सामने आए हैं। 2.61 प्रतिशत मामलों की कोई वजह नहीं बताई गई है. विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 2030 तक एड्स महामारी को समाप्त करने के लिए एचआईवी की रोकथाम, उपचार और देखभाल के मामले में सभी को समान अवसर प्रदान करने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। डब्ल्यूएचओ की दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय निदेशक डॉ पूनम खेत्रपाल सिंह ने बताया कि विश्व स्तर पर अनुमानित 3.84 करोड़ लोग एचआईवी की समस्या का सामना कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि 2021 में अनुमानित 15 लाख लोग एचआईवी संक्रमित थे और लगभग 6,50,000 लोगों की मृत्यु एड्स संबंधी कारणों से हुई। उन्होंने विश्व एड्स दिवस पर कहा कि दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में अनुमानित 38 लाख लोग एचआईवी के साथ जी रहे हैं, जो वैश्विक स्तर पर ऐसे लोगों की संख्या का लगभग 10 प्रतिशत है।

बहारुल इस्लाम की दी सेवेंथ स्ट्रिंग का प्रदर्शन आज

गुवाहाटी (विभास)। प्रख्यात नाट्य अभिनेता और निर्देशक बहारुल इस्लाम निर्देशित दी सेवेंथ स्ट्रिंग का प्रदर्शन आज से असम के शहरों में होने जा रहा है, जिनमें गुवाहाटी, नगांव, तेजपुर, बंगाईगांव और जोरहाट के सिनेमा हॉल इत्यादि उल्लेखनीय है। ज्ञातव्य हो कि सेवेंथ स्ट्रिंग देश-विदेश के कई फिल्म महोत्सव में चयनित हुई, प्रदर्शित और हो चुकी है और सम्मान प्राप्त चुकी है। इस फिल्म को श्रेष्ठ फिल्म, श्रेष्ठ अभिनेत्री और श्रेष्ठ संपादन इत्यादि के पुरस्कार अर्जित कर चुकी है। फिल्म की कहानी वर्षा बाहार की है। पटकथा संवाद बाहारुल इस्लाम और वर्षा बाहार के है, इसमें पूर्णिमा पाठक सैकिया, भागीरथी, झिलमिल हजारिका, डॉ. जयंत दास, राजीव क्रो, वर्षा बाहार, जिया बहार, दिनेश काकती, बिनोद लाल दास, आसफाक खान, नेइन इवरिजाम, कल्लोल नाथ, देवजीत बरठाकुर, राजकुमार शाह, मूल राजीव, प्रशांत कलिता इत्यादि। फिल्म के छांयाकार पापू डेका, संगीतकार बाहारूल इस्लाम का है।

राज्य में पहला सिलहट-सिलचर महोत्सव

गुवाहाटी (विभास)। भारत और बांग्लादेश के पड़ोसी क्षेत्रों के बीच घनिष्ठ सांस्कृतिक संबंधों का जश्न मनाने के लिए पहला सिलहट-सिलचर महोत्सव शुक्रवार को असम की बराक घाटी में शुरू होगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बांग्लादेश के सहायक उच्चायुक्त रुहुल अमीन ने असम में पीटीआई-भाषा को बताया कि बांग्लादेश के विदेश मामलों के मंत्री एके अब्दुल मोमेन दो दिवसीय कार्यक्रम में भाग लेने के लिए लगभग 75 सदस्यों के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रतिनिधिमंडल में मंत्री, व्यवसायी और सांस्कृतिक जगत से जुड़ी हस्तियां शामिल होंगी। इस महोत्सव का आयोजन इंडिया फाउंडेशन द्वारा केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में बांग्लादेश फाउंडेशन फॉर रीजनल स्टडीज के सहयोग से किया जा रहा है। महोत्सव का उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष और पाकिस्तान से बांग्लादेश की मुक्ति की 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में किया जायेगा। आयोजन समिति के एक प्रमुख सदस्य एवं सिलचर के सांसद राजदीप रॉय ने कहा कि शहर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में दोनों क्षेत्रों के व्यंजन, कला, शिल्प, संस्कृति और स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के प्रतिष्ठित लोग आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। अमीन ने बताया कि बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को करीमगंज जिले के सुतरकंडी भूमि बंदरगाह पहुंचेगा और इसके बाद कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सिलचर जाएगा। उन्होंने कहा कि सिलहट और सिलचर के बीच लंबे समय से घनिष्ठ सांस्कृतिक संबंध हैं और यह उत्सव दोनों देशों के इन दो पड़ोसी क्षेत्रों की जनता के स्तर पर संपर्क को और मजबूत करेगा। इस कार्यक्रम में भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त मुस्तफिजुर रहमान, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन जी. किशन रेड्डी, विदेश राज्य मंत्री आरके रंजन सिंह और मिजोरम के राज्यपाल कंभमपति हरि बाबू सहित कई लोग शामिल होंगे।

कई ट्रेनों को किया गया रद्द, मार्ग परिवर्तन और समय परिवर्तन

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्व मध्य रेलवे के सोनपुर मंडल अंतर्गत बरौनी स्टेशन पर 02 से 05 दिसंबर तक प्री-नॉन इंटरलॉकिंग और 06 से 08 दिसंबर तक नॉन इंटरलॉकिंग कार्य को देखते हुए कई ट्रेनों को रद्द, मार्ग परिवर्तन और समय परिवर्तन किया जाएगा। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने गुरुवार को जारी एक बयान में बताया है कि 06 से 08 दिसंबर, 2022 तक ट्रेन संख्या 15713/15714 (कटिहार-पटना जं-कटिहार) इंटरसिटी एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 03316 (समस्तीपुर जं.-कटिहार) पैसेंजर और ट्रेन संख्या 05249 (कटिहार-बरौनी जं.) पैसेंजर रद्द रहेगी। 06 से 09 दिसंबर, 2022 तक चलने वाली ट्रेन संख्या 03315 (कटिहार-समस्तीपुर जंक्शन) पैसेंजर और ट्रेन संख्या 05250 (बरौनी जंक्शन-कटिहार) पैसेंजर रद्द रहेगी। ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन: 05 दिसंबर को रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 13281 (डिब्रूगढ़-राजेन्द्र नगर) एक्सप्रेस, 07 दिसंबर को रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 15668 (कामाख्या-गांधीधाम) एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 15646 (डिब्रूगढ़-लोकमान्य तिलक) एक्सप्रेस वाया खगड़िया जंक्शन-मुंगेर-किऊल जंक्शन होकर चलायी जाएगी। 06 और 07 दिसंबर को रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 13247 (कामाख्या-राजेन्द्र नगर) एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 28182 (कटिहार-टाटानगर) एक्सप्रेस वाया खगड़िया जंक्शन-सबदलपुर जं.-मुंगेर-जमालपुर-किऊल जं. होकर चलायी जाएगी। 05 दिसंबर को रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 14037 (सिलचर-नई दिल्ली) एक्सप्रेस वाया मालदा टाउन- किऊल जंक्शन- मोकामा जं.-पटना जं.-दानापुर; 05 से 07 दिसंबर तक रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 12487 (जोगबनी-आनन्द विहार टर्मिनल) एक्सप्रेस वाया खगड़िया जं.-सिंघिया घाट-समस्तीपुर जं.-मुजफ्फरपुर जं.-हाजीपुर जं.-पाटलिपुत्र; 05 से 07 दिसंबर तक रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 15707 (कटिहार- अमृतसर जं.) एक्सप्रेस वाया खगड़िया जंक्शन-सिंघिया घाट-समस्तीपुर जंक्शन; 05 से 07 दिसंबर तक रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 15483 (अलीपुरद्वार जंक्शन-दिल्ली) एक्सप्रेस वाया किशनगंज-कुमेदपुर-मालदा टाउन-किऊल जं.-मोकामा जं.-पटना जं.; 05 से 07 दिसंबर तक रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 15909 (डिब्रूगढ़-लालगढ़) एक्सप्रेस वाया खगड़िया जं.-सिंघिया घाट-समस्तीपुर जं.-मुजफ्फरपुर जंक्शन होकर चलायी जाएगी। 06 दिसंबर को चलने वाली ट्रेन संख्या 22411 (नाहरलगुन-आनन्द विहार टर्मिनल) एक्सप्रेस वाया खगड़िया जंक्शन-सिंघिया घाट-समस्तीपुर जंक्शन-मुजफ्फरपुर जंक्शन-हाजीपुर जंक्शन; 07 दिसंबर को चलने वाली ट्रेन संख्या 22449 (गुवाहाटी-नई दिल्ली) एक्सप्रेस वाया किशनगंज-कुमेदपुर-मालदा टाउन-किऊल जं.-मोकामा जं.-पटना जं.-दानापुर होकर चलाई जाएगी। 06 और 07 दिसंबर को चलने वाली ट्रेन संख्या 13248 (राजेन्द्र नगर-कामाख्या) एक्सप्रेस वाया किऊल जं.-जमालपुर जं.-मुंगेर-सबदलपुर जं.-खगड़िया जं.; 04 और 05 दिसंबर को रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 15910 (लालगढ़-डिब्रूगढ़) एक्सप्रेस वाया मुजफ्फरपुर जंक्शन-समस्तीपुर जं.-सिंघिया घाट-खगड़िया जंक्शन होकर चलाई जाएगी। 05 से 07 दिसंबर तक चलने वाली ट्रेन संख्या 12488 (आनन्द विहार टर्मिनल-जोगबनी) एक्सप्रेस वाया पाटलिपुत्र-हाजीपुर जं.-मुजफ्फरपुर जं.-समस्तीपुर जं.-सिंघिया घाट-खगड़िया जं.; 05 से 07 दिसंबर तक रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 15708 (अमृतसर जंक्शन-कटिहार) एक्सप्रेस वाया समस्तीपुर जं.-सिंघिया घाट-खगड़िया जं.; 05 से 07 दिसंबर तक चलने वाली ट्रेन संख्या 15484 (दिल्ली- अलीपुरद्वार जंक्शन) एक्सप्रेस वाया पटना जंक्शन-मोकामा जंक्शन- किऊल जं.- मालदा टाउन-कुमेदपुर-किशनगंज होकर चलाई जाएगी। 05 दिसंबर को रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 14620 (फिरोजपुर कैंट- अगरतला) एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 15631 (बाड़मेर-गुवाहाटी) एक्सप्रेस वाया पटना जंक्शन-किऊल जंक्शन-मालदा टाउन होकर चलाई जाएगी। 06 दिसंबर को ट्रेन संख्या 15623 (भगत की कोठी-कामाख्या) एक्सप्रेस वाया किऊल जं.-जमालपुर जं.-मुंगेर-सबदलपुर जं.-खगड़िया जं. होकर चलाई जाएगी। 07 दिसंबर को रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 15633 (बीकानेर-गुवाहाटी) एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 28181 (टाटानगर-कटिहार) एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 15645 (लोकमान्य तिलक-डिब्रूगढ़) एक्सप्रेस किऊल जंक्शन-जमालपुर जंक्शन-खगड़िया जंक्शन होकर चलाई जाएगी। ट्रेनों का समय परिवर्तन- 03 एवं 05 दिसम्बर को ट्रेन संख्या 03367 (कटिहार-सोनपुर जं.) पैसेंजर का समय परिवर्तन 04.45 बजे के बजाय 08.45 बजे; दिनांक 03 एवं 05 दिसम्बर को ट्रेन संख्या 05263 (कटिहार-समस्तीपुर जंक्शन) पैसेंजर का समय परिवर्तन 08.35 बजे के बजाय 10.35 बजे; 02 और 04 दिसंबर को रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 15909 (डिब्रूगढ़-लालगढ़) एक्सप्रेस का समय परिवर्तन 10.20 बजे के बजाय 11.35 बजे; 03 दिसंबर को ट्रेन संख्या 15667 (गांधीधाम-कामाख्या) एक्सप्रेस का समय परिवर्तन 13.15 बजे के बजाय 15.15 बजे निर्धारित की गई है।

श्रद्धा हत्याकांड मामला: आफताब का दो घंटे तक चला नार्को टेस्ट

अजय त्यागी

नई दिल्ली। श्रद्धा हत्याकांड मामले के आरोपित आफताब को दिल्ली के तिहाड़ जेल से गुरुवार को नार्को टेस्ट के लिए रोहिणी के अंबेडकर अस्पताल में लाया गया, जहां दो घंटे तक डाक्टरों की निगरानी में नार्को टेस्ट हुआ। इससे पहले, पांच बार रोहिणी के एफएसएल ऑफिस में आफताब का पॉलीग्राफ टेस्ट किया जा चुका है। इस दौरान आफताब पर हमले की आशंका के चलते भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। दिल्ली पुलिस के स्पेशल कमिश्नर (लॉ एंड ऑर्डर) सागरप्रीत हुड्डा ने बताया कि आफताब का नार्को टेस्ट पूरा हो गया है। पुलिस के अनुसार नार्को टेस्ट श्रद्धा हत्याकांड में खुलासे के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

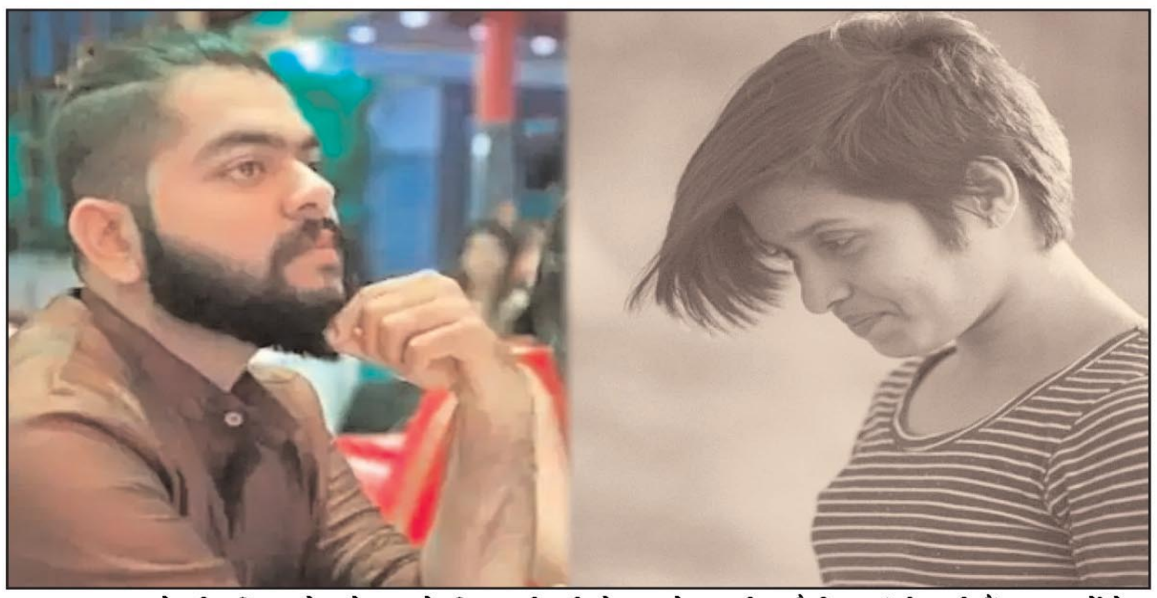

मामले से जुड़े कई अहम सवाल नार्को टेस्ट में पूछे गए। इससे कड़ी दर कड़ी पूरे वारदात का खुलासा किया जा सकेगा। नार्को टेस्ट पूरा होने के बाद तकरीबन दो घंटे तक के लिए और आफताब को ऑब्जर्वेशन में रखा गया है। हमले की आशंकाओं के बीच सुरक्षित तरीके से नार्को टेस्ट कराया गया। नार्को टेस्ट के लिए कई तरीके की दवाई और इंजेक्शन दिए जाते हैं, जिसमें आरोपित को किसी तरीके की दिक्कत न हो। इसलिए हॉस्पिटल के अंदर ही उसको दो घंटे ऑब्जर्वेशन में रखने के बाद वापस सुरक्षा के बीच तिहाड़ जेल ले जाया जाएगा। कुछ समय बाद यह साफ हो पाएगा कि नार्को टेस्ट में जो सवाल पूछे गए थे, वह क्या थे और उसने किस तरीके से जवाब दिए हैं।

क्या होता है नार्को टेस्ट – नार्को टेस्ट एक तरह का एनेस्थीसिया देने के बाद होता है, जिसमें आरोपित न पूरी तरह होश में होता है और न ही बेहोश होता है। इस टेस्ट का प्रयोग तभी किया जा सकता है जब उस आरोपित को इस बारे में पता हो और उसने इसके लिए हामी भरी हो। यह टेस्ट तभी करवाया जाता है जब आरोपित सच्चाई नहीं बता रहा हो या बताने में असमर्थ हो। इसकी मदद से आरोपित के मन से सच्चाई निकलवाने का काम किया जाता है। यह भी हो सकता है कि व्यक्ति नार्को टेस्ट के दौरान भी सच न बोले।

इस टेस्ट में व्यक्ति को ट्रुथ सीरम इंजेक्शन दिया जाता है। वैज्ञानिक तौर पर इस टेस्ट के लिए सोडियम पेंटोथल, स्कोपोलामाइन और सोडियम अमाइटल जैसी दवाएं दी जाती हैं। यह नार्को टेस्ट जांच अधिकारी, मनोवैज्ञानिक, डॉक्टर और फोरेंसिक एक्सपर्ट की उपस्थिति में किया जाता है। इस दौरान जांच अधिकारी आरोपित से सवाल पूछता है और इसकी वीडियो रिकॉर्डिंग की जाती है। नार्को टेस्ट एक परीक्षण प्रक्रिया होती है, जिसमें शख्स को ट्रुथ ड्रग नाम से आने वाली एक साइकोएक्टिव दवा दी जाती है। खून में दवा पहुंचते ही आरोपित अर्धबेहोशी की अवस्था में पहुंच जाता है।

भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुईं अभिनेत्री स्वरा भास्कर

–साथ चलता जनसैलाब भारत जोड़ो यात्रा की सफलता का साक्ष्य: राहुल गांधी

उज्जैन, (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा एक दिन के विश्राम के बाद गुरुवार सुबह उज्जैन से शुरू होकर अपने अगले पड़ाव ग्राम घटिया की ओर रवाना हुई। यहां फिल्म अभिनेत्री स्वरा भास्कर भी भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुईं। यात्रा में वह राहुल गांधी, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, कांग्रेस नेता हरीश रावत, विधायक रामलाल मालवीय और हजारों की भीड़ के साथ कदमताल करती चलीं। इसी बीच उन्होंने अपने फेसबुक पेज पर लिखा, लोकतंत्र की रक्षा का जो संकल्प हम लेकर निकले हैं, यह साथ चलता जनसैलाब उसकी जरूरत और सफलता, दोनों का साक्ष्य है। भारत जोड़ो यात्रा को मिल रहा हर वर्ग और पीढ़ी का समर्थन, इसे संविधान की रक्षा और देश की एकता की बुनियाद बना रहा है। भारत जोड़ो यात्रा का मध्य प्रदेश में आज नौवां दिन है। यात्रा के आठवें दिन उज्जैन में विश्राम था और राहुल गांधी इन दौरान दिनभर गायब रहे, लेकिन गुरुवार की सुबह वह निर्धारित समय पर पहुंचे और यात्रा में शामिल हो गए। सुबह 6 बजे यात्रा उज्जैन के आरडी गार्डी मेडिकल कालेज से शुरू हुई, जो नजरपुर गांव में एचपी पेट्रोल पंप के पास 10 बजे विश्राम के लिए रुकी। यात्रा के दौरान आमजन के साथ नेताओं में भी उनके साथ फोटो खिंचवाने की होड़ रही। स्वरा भास्कर के यात्रा में शामिल होने के बाद यात्रा में आम लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। उनके स्वागत में बड़ी संख्या में लोग सड़क किनारे घंटों खड़े रहे। इस बीच वे सभी लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन करते चले। यात्रा फिलहाल घटिया बस स्टैंड पर लंच ब्रेक के लिए रुकी है और यहां दोपहर में पुनः शुरू होगी, जो झालार गांव पहुंचकर रात्रि विश्राम करेगी।

मुस्लिम कट्टरपंथी अपनी जुबान और जवान को काबू में रखें : डॉ सुरेन्द्र जैन

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। लव जिहाद जिहाद के विभिन्न स्वरुपों में सबसे वीभत्स, क्रूर और अमानवीय है। लव जिहाद की 400 से अधिक घटनाओं की सूची जारी करते समय विहिप के संयुक्त महामंत्री डॉ सुरेंद्र जैन ने गुरुवार को कहा कि सामाजिक असंतोष और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति खतरे निर्माण करने वाले लव जिहाद और अवैध मतांतरण को रोकने के लिए एक सशक्त केंद्रीय कानून की प्रबल आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि केरल उच्च न्यायालय ने 2010 में लव जिहाद को मतांतरण का सबसे वीभत्स स्वरुप बताया था। इसको मात्र कुछ विकृत मानसिकता वाले जिहादी युवकों की क्रूरता कहकर टाला नहीं जा सकता। इसके पीछे मुल्ला-मौलवी व कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं की प्रेरणा और टुकडे टुकडे गैंग का संरक्षण काम करते हैं। केरल की हादिया के मामले में यह स्पष्ट हो गया था कि पीएफआई जैसे आतंकवादी संगठन नामी गिरामी वकीलों को करोड़ों रूपए की फीस देकर जिहादियों के पक्ष में खड़ा कर देते हैं। इसके लिए उन्हें विदेशों से अकूत धन-राशि प्राप्त होती है। डॉ जैन ने कहा कि अवैध मतांतरण और लव जिहाद के आतंकी गठजोड़ और इसके अंतरराष्ट्रीय स्वरूप के कारण उसे केवल कुछ राज्यों में कानून बनाने से नहीं रोका जा सकता। इसके लिए एक राष्ट्रव्यापी संकल्प जरूरी है जो एक सशक्त राष्ट्रीय कानून से ही व्यक्त होगा। श्रद्धा मामले में इसका वीभत्सतम स्वरूप सामने आया है। केरल व कर्नाटक का चर्च 10,000 ईसाई लड़कियों को लव जेहाद की शिकार बताता है तो हैदराबाद में 2000 लड़कियां गायब हो गई जिनके बारे में वहां का उच्च न्यायालय राज्य सरकार से स्पष्टीकरण मांग रहा है। हिमाचल, लद्दाख जैसे शांतिप्रिय राज्य भी लव जिहाद से त्रस्त होकर आक्रोश की ओर बढ़ रहे हैं। केरल में तो चर्च ने यह भी आरोप लगाया है कि उनकी लड़कियों को फंसाकर सीरिया और अफगानिस्तान भेजा जा रहा है। ऐसी परिस्थिति में सरकारों के साथ सामाजिक संगठनों की भी भूमिका इस मानसिकता का शमन करने में बहुत महत्वपूर्ण है। पिछले दिनों सर तन से जुदा गैंग काफी तेजी से सक्रिय हुआ था। तब बजरंग दल द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबरों पर 13000 से अधिक कॉल आईं। इनमें से 6285 केवल जानकारी के लिए थी, लगभग 5605 का समाधान किया गया व 9783 कॉल्स के माध्यम से युवा वर्ग बजरंग दल से जुड़ा। उन्होंने धर्मांतरण के विरुद्ध बिगुल फूंकते हुए राष्ट्रव्यापी जन जागरण अभियान की घोषणा की। उन्होंने बताया कि एक ओर जहां बजरंग दल 1 से 10 दिसंबर तक हर प्रखंड में शौर्य यात्राएं निकालेगा वहीं, विश्व हिंदू परिषद 21 से 31 दिसंबर तक धर्म रक्षा अभियान चलाएगी। दुर्गा वाहिनी के माध्यम से भी युवतियों में जागरण कर एक प्रतिरोधक शक्ति का निर्माण किया जाएगा। डॉ सुरेंद्र जैन ने मुल्ला मौलवी और कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं को चेतावनी दी कि वे "अपनी जुबान और अपने जवान" दोनों को नियंत्रण में रखें। भारत में मुस्लिम समाज को विकास के लिए हिंदुओं से भी ज्यादा अधिकार हैं परंतु हर मुद्दे पर भड़काने का प्रयास मुस्लिम समाज को विकास नहीं, विनाश के आत्मघाती मार्ग पर धकेलेगा। लव जिहाद, घृणा, पाशविक वासना व हिंसा जिस प्रकार की प्रतिक्रिया निर्माण करते हैं उसके अनुभव संपूर्ण विश्व में आ रहे हैं। प्रेस वार्ता में धर्म प्रसार विभाग के प्रमुख सुधांशु पटनायक, बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दोनेरिया व प्रचार प्रमुख विजय शंकर तिवारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र में शीघ्र लागू होगा समान नागरिक कानून: देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, (हि.स.)। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र में समान नागरिक कानून शीघ्र लागू किया जाएगा। लेकिन इसकी घोषणा मुख्यमंत्री ही करेंगे। देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को पत्रकारों को बताया कि देश के सभी राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू किया जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री ने सभी राज्यों को खुद समान नागरिक संहिता कानून लागू करने के लिए कहा है। इसलिए सभी राज्यों को इस बाबत कभी न कभी निर्णय लेना ही है। सभी राज्य अपनी सुविधा के अनुसार इसे लागू कर रहे हैं। महाराष्ट्र में भी इसे लागू करने का विचार किया जा रहा है। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि गोवा में समान नागरिक संहिता लागू हो चुका है और इसे उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और गुजरात में लागू किया जाएगा। महाराष्ट्र में भी इसे लागू करने की तैयारी की जा रही, लेकिन इसकी घोषणा करने का अधिकार मुख्यमंत्री का है।

हनुमान चालीसा विवाद मामले में सांसद नवनीत राणा और उनके पति के विरुद्ध वारंट जारी

मुंबई, (हि.स.)। मुंबई की सेशन कोर्ट ने हनुमान चालीसा विवाद मामले की सुनवाई के दौरान गैरहाजिर रहने पर निर्दलीय सांसद नवनीत राणा और उनके पति विधायक रवि राणा के विरुद्ध वारंट जारी किया है। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बांद्रा स्थित मातोश्री आवास के सामने हनुमान चालीसा का पाठ करने की घोषणा के बाद खार पुलिस स्टेशन में राणा दंपति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में नवनीत राणा और रवि राणा को पुलिस ने गिरफ्तार किया और बाद में कोर्ट ने दोनों को जमानत दी है। जमानत देते समय कोर्ट ने राणा दंपत्ति को पांच शर्तें लगाई थीं। इन शर्तों में रवि राणा और नवनीत राणा को मीडिया से बात न करने, पुलिस की जांच में किसी भी तरह की बाधा पैदा न करने, मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट में पेश होने की शर्त भी लगाई गई थी। इसके बावजूद नवनीत राणा और रवि राणा 11 नवंबर को मामले की सुनवाई के दौरान उपस्थित नहीं थे, इसी वजह से गुरुवार को सेशन कोर्ट ने इन दोनों के विरुद्ध वारंट जारी किया है।

सुनंदा पुष्कर की मौत के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट का शशि थरूर को नोटिस

अजय कुमार

– ट्रायल कोर्ट से थरूर को आरोप मुक्त किये जाने पर दिल्ली पुलिस ने हाईकोर्ट में दी थी अर्जी

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनंदा पुष्कर की संदिग्ध हालात में मौत के मामले में दिल्ली पुलिस की अर्जी पर शशि थरूर को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 7 फरवरी को होगी। दिल्ली पुलिस ने ट्रायल कोर्ट से थरूर को आरोप मुक्त किये जाने के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया था। सुनवाई के दौरान शशि थरूर के वकील ने पुलिस की अपील दायर होने में 15 महीने की देरी का मसला उठाया। पुलिस ने अपील दायर करने में देरी को माफ करने का आग्रह किया। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 18 अगस्त 2021 को शशि थरूर को सभी आरोपों से बरी कर दिया था। राऊज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई के दौरान थरूर ने कहा था कि जब खुदकुशी का आरोप स्थापित ही नहीं होता है तो उकसाने का आरोप लगाने का कोई मतलब नहीं है। शशि थरूर की ओर से वकील विकास पाहवा ने कहा था कि शशि थरूर ने सुनंदा पुष्कर को मानसिक या शारीरिक रूप से प्रताड़ित नहीं किया था। उन्होंने कहा था कि सुनंदा पुष्कर के रिश्तेदारों के बयान से ये साफ है कि वो खुदकुशी नहीं कर सकती है। रिश्तेदारों ने शशि थरूर पर कोई आरोप नहीं लगाया है। अभियोजन पक्ष केवल ये कह रही है कि शशि थरूर के विवाहेत्तर संबंध थे। इस मामले में 14 मई 2018 को दिल्ली पुलिस ने आरोप पत्र दाखिल करके शशि थरूर को भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए और 306 के तहत आरोपित किया गया था। आरोप पत्र में कहा गया था कि सुनंदा पुष्कर की मौत शशि थरूर से शादी के 3 साल, 3 महीने और 15 दिनों में हो गई थी। दोनों की शादी 22 अगस्त 2010 को हुई थी। 1 जनवरी 2015 को दिल्ली पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत एफआईआर दर्ज की थी।

भाजपा अध्यक्ष ने 5-6 दिसंबर को बुलाई प्रदेश अध्यक्ष और महासचिवों की बैठक

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर तैयारियों में जुट गई है। राज्यवार तैयारियों की समीक्षा करने और संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी लेने के लिए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अगले सप्ताह 5 व 6 दिसंबर को प्रदेश अध्यक्षों की बैठक बुलाई है। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, नड्डा के नेतृत्व में होने वाली इस बैठक में राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष समेत कई अन्य वरिष्ठ नेता भी उपस्थित रहेंगे। इस दो दिवसीय बैठक में प्रदेश अध्यक्षों के साथ ही सभी महासचिव उपस्थित रहेंगे। सूत्र बताते हैं कि बैठक के पहले दिन राज्यवार सांगठनिक कार्यक्रमों की समीक्षा की जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष राज्य में संगठन के कार्यों और कार्यक्रमों पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। दूसरे दिन, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की जाएगी। आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों की प्रगति के बारे में बैठक में महासचिव अपने-अपने प्रभार वाले राज्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। इससे पहले, गत 13 नवंबर को भी भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने भाजपा के मोर्चा अध्यक्षों और राष्ट्रीय महासचिवों के साथ बैठक की थी। इस बैठक में लोकसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा के साथ ही केंद्रीय योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया गया था।

दिव्यांग उद्यमियों व कारीगरों के कौशल को प्रदर्शित करने इंडिया गेट पर 'दिव्य कला मेला'

अजय कुमार

नई दिल्ली, (हि.स.)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय देश भर के दिव्यांग उद्यमियों व कारीगरों के उत्पादों और शिल्प कौशल का प्रदर्शन करने के लिए 2 से 7 दिसंबर तक स्वामी विवेकानंद रोड, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति (कर्तव्य पथ) के पास, इंडिया गेट, नई दिल्ली में ह्यदिव्य कला मेलाह्ल का आयोजन कर रहा है। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार शुक्रवार शाम कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले और प्रतिमा भौमिक भी उपस्थित रहेंगे। यह कार्यक्रम आगंतुकों को जम्मू और कश्मीर एवं पूर्वोत्तर राज्यों सहित देश के विभिन्न भागों के जीवंत उत्पादों, हस्तशिल्प, हथकरघा, एम्ब्रोएडरी के काम और डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ आदि को एक साथ देखने का रोमांचक अनुभव प्रदान करेगा। सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार लगभग 22 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 200 दिव्यांग कारीगर, कलाकार और उद्यमी अपने उत्पादों और कौशल का प्रदर्शन करेंगे। इस मेले में घर की सजावट और जीवन शैली, कपड़े, स्टेशनरी और पर्यावरण के अनुकूल उत्पाद, पैकेज्ड फूड, जैविक उत्पाद, खिलौने और उपहार, व्यक्तिगत सामान-आभूषण, क्लच बैग श्रेणी के उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। यह मेला सभी के लिए वोकल फॉर लोकल और दिव्यांग शिल्पकारों द्वारा अपने अतिरिक्त संकल्प के द्वारा बनाए गए उत्पादों को देखने और खरीदने का अवसर प्रदान करेगा। छह दिवसीय दिव्य कला मेला सुबह 11 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक खुलेगा। जिसमें दिव्यांग कलाकारों और जाने-माने पेशेवरों के प्रदर्शनों सहित सांस्कृतिक गतिविधियों की एक श्रृंखला का आयोजन होगा। इस आयोजन में आगंतुक देश के विभिन्न क्षेत्रों के अपने पसंदीदा भोजन का भी लुत्फ उठा सकते हैं। इस विभाग के पास दिव्यांगजनों की कला को बढ़ावा देने की भव्य योजनाएँ हैं, जिनके तहत दिव्य कला मेला हर साल आयोजित किया जाएगा और यह दिल्ली तक ही सीमित नहीं होगा, बल्कि पूरे देश में इसका आयोजन किया जाएगा।

चेतक हेलीकॉप्टर में आई तकनीकी खराबी, मैदान में करानी पड़ी एहतियाती लैंडिंग

– स्मूद लैंडिंग से किसी को चोट नहीं आई, हेलीकॉप्टर का क्रू पूरी तरह सुरक्षित

– एयरफोर्स के योग्य तकनीशियनों की टीम दूसरे हेलीकॉप्टर से मौके पर भेजी गई0

नई दिल्ली, (हि.स.)। वायु सेना के चेतक हेलीकॉप्टर में अचानक आई तकनीकी खामी के चलते पुणे जिले में बारामती हवाई क्षेत्र के खुले क्षेत्र में एहतियाती लैंडिंग करानी पड़ी। चालक दल और विमान सुरक्षित हैं। इस गड़बड़ी की पहचान करके उसे दूर करने के लिए एयरफोर्स के योग्य तकनीशियनों की टीम एक और हेलीकॉप्टर से मौके पर पहुंच गई है। मरम्मत के बाद हेलीकॉप्टर को वायु सेना स्टेशन पर लाया जाएगा। वायु सेना के विंग कमांडर आशीष मोघे ने बताया कि तकनीकी खराबी के चलते बारामती से पलटन कस्बे की ओर लगभग 6 किमी दूर एक मैदान में चेतक हेलीकॉप्टर की एहतियाती आपात लैंडिंग करानी पड़ी है। उन्होंने बताया कि ये लैंडिंग स्मूद थी और किसी को चोट नहीं आई, इसलिए फिलहाल हेलीकॉप्टर का क्रू पूरी तरह सुरक्षित है। मोघे ने बताया कि इस गड़बड़ी की पहचान करके उसे दूर करने के लिए एयरफोर्स के योग्य तकनीशियनों की टीम को मौके पर दूसरे हेलीकॉप्टर से ले जाया गया है। तकनीकी समस्या का समाधान हो जाने के बाद हेलीकॉप्टर टेक ऑफ करेगा।

पंजाब पुलिस ने फिरोजपुर में 666 हथियारों के लाइसेंस रद्द करने की सिफारिश की

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पंजाब में हथियारों के लाइसेंस के दुरुपयोग को लेकर पुलिस द्वारा शुरू की गई मुहिम के तहत फिरोजपुर में 666 हथियारों के लाइसेंस रद्द करने की सिफारिश की है। इसमें वे लोग शामिल हैं जिनके खिलाफ या तब एफआईआर दर्ज की जा चुकी है या फिर जिनके हथियार मालखाने में जमा करवा दिए गए हैं। आला पुलिस अधिकारी ने कहा कि जिले में कुल 21430 शस्त्र लाइसेंस धारक हैं और पुलिस द्वारा अब तक 7258 के लाइसेंस स्कैन हुए हैं। वहीं विभिन्न कारणों से 666 लाइसेंस रद्द करने की सिफारिश की है। सोशल मीडिया पर हथियारों के प्रदर्शन को लेकर अब तक पांच प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसके अलावा एक अन्य हेट स्पीच के लिए दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि हमने इन सभी मामलों में शस्त्र लाइसेंस रद्द करने की सिफारिश की है। जीरा अनुमंडल के मंसूरवाला गांव में एथेनॉल प्लांट के सामने बैठे 21 लोगों के शस्त्र लाइसेंस निलंबित किए गए हैं जिसमें तीन मामलों में लाइसेंस रद्द किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इसतरह के 326 मामलों की पहचान की है जहां हथियार मालखाना में जमा किए गए हैं या लंबे समय से एक हथियारों के डीलर के पास पड़े थे और इन मामलों में लोगों को नोटिस दिए गए थे। गौरतलब है कि आईजी सुखचैन सिंह गिल ने स्पष्ट किया है कि आत्मरक्षा के लिए हथियार ले जाने की अनुमति है लेकिन महिमामंडन के लिए नहीं। गिल ने कहा कि पूरे पंजाब में लगभग 3.45 लाख शस्त्र लाइसेंस जारी किए गए हैं लेकिन नए केवल जरूरत के आधार पर ही जारी किए जाएंगे। गिल ने कहा कि पुलिस तीन महीने के भीतर आर्म्स एक्ट के तहत हथियारों का पूरा सत्यापन करेगी।

बीएसएफ की स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री योगी ने दी शुभकामनाएं

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सीमा सुरक्षा बल की स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ ने भारत की सीमाओं के सजग पहरेदार, कर्मठता, निर्भीकता व कर्तव्यपरायणता के पर्याय, हमारे सीमा सुरक्षा बल के सभी वीर कार्मिकों एवं उनके परिजनों को सीमा सुरक्षा बल की स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आप हमारे सुरक्षा कवच हैं। आपकी अटूट कर्तव्यनिष्ठा पर हम सभी को गर्व है। योगी आदित्यनाथ ने महान स्वाधीनता संग्राम सेनानी, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, प्रख्यात शिक्षाविद एवं मूर्धन्य पत्रकार रहे राजा महेन्द्र प्रताप सिंह को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि आपको एक क्रांतिकारी, लोकनिष्ठ राजा एवं महान समाज सुधारक के रूप में सदैव याद किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मार्य ने सीमा सुरक्षा बल की स्थापना दिवस पर देश की सीमा की सुरक्षा करने वाले माँ भारती के वीर जवानों को अनंत शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहाकि आप सभी जवानों की वीरता एवं अदम्य साहस के कारण ही आज हर भारतीय चैन की सांस ले रहा है। आप जवानों के पराक्रम को मेरा नमन है। श्री मौर्य ने विश्व एड्स दिवस पर कहा कि जानकारी ही बचाव है" आइए, विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जन जागरूकता अभियान चलाकर इसके नियंत्रण के उपायों से लोगों को अवगत कराएं। स्वस्थ एवं समृद्ध भारत बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान दें। "सुरक्षित रहे, सतर्क रहें"। मौर्य ने विश्व के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (फ्रर) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले को जन्मदिन की अनंत शुभकामनाएं दी है। इसके साथ ही उन्होंने 1962 के भारत-चीन युद्ध में अद्वितीय साहस एवं बलिदान हेतु परमवीर चक्र से सम्मानित कुमाऊं बटालियन के अमर शहीद मेजर शैतान सिंह जी की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन किया। इसके अलावा केशव ने हिंदी भाषा के विकास और प्रचार में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सुप्रसिद्ध पत्रकार, शिक्षाविद्, लेखक एवं प्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी दत्तात्रेय बालकृष्ण कालेलकर (काका साहब कालेलकर) की जयंती पर उन्हें याद किया। उपमुख्यमंत्री नेनागालैंड राज्य के स्थापना दिवस पर समस्त नागालैंड वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मेरी कामना है कि नागालैंड आने वाले वर्षों में निरंतर समृद्धि और विकास की नई ऊंचाईयों को छूता रहे। उन्होंने प्रसिद्ध भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कुशल राजनीतिज्ञ, भारत की प्रथम महिला मुख्यमंत्री एवं उत्तर प्रदेश की चतुर्थ मुख्यमंत्री सुचेता कृपलानी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी।

आजाद भारत की पहली महिला मुख्यमंत्री थी सुचेता कृपलानी

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश की चौथी और आजाद भारत की पहली महिला मुख्यमंत्री 1963 में सुचेता कृपलानी बनीं थी। उन्होंने 1963 से लेकर 1967 तक प्रदेश के मुख्यमंत्री का कार्यभार संभाला। मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद राजनीति में वह ज्यादा लंबे समय तक नहीं रहीं। 1971 में उन्होंने सियासत से संन्यास ले लिया। उन्होंने अपनी वसीयत में अपना सारा धन लोक कल्याण समिति को दे दी थी। एक दिसंबर, 1974 को 66 साल की उम्र में हार्ट अटैक से उनका निधन हो गया।

सुचेता कृपलानी का मुख्यमंत्री बनने की घटना – यह घटना तब की है जब कांग्रेस के भीतर भी बगावत और विद्रोह के सुर उभर रहे थे। कांग्रेस के लोग ही कांग्रेस को चुनौती देने लगे थे। यूपी में नेहरू के खिलाफ बगावत कर रहे लोगों में सबसे बड़ा नाम था चंद्रभानु गुप्ता का। राजनीतिक स्थितियां तब कुछ ऐसी बनीं कि नेहरू ने जबर्दस्ती चंद्रभानु गुप्ता का इस्तीफा ले लिया। इस इस्तीफे के बाद कांग्रेस में साफतौर पर दो धड़े बन गए थे। एक धड़ा नेहरू के साथ था, जिसका नेतृत्व कमलापति त्रिपाठी कर रहे थे और दूसरा नेहरू के खिलाफ था जिसकी कमान चंद्रभानु गुप्ता के हाथों में थी। गुप्ता का जलवा और उत्तर प्रदेश के अवाम में उनकी पैठ बहुत गहरी थी। चंद्रभानु गुप्ता के इस्तीफे के बाद तलाश थी प्रदेश के नए मुख्यमंत्री की, जो किसी भी हाल में कमलापति त्रिपाठी यानी नेहरू के गुट से नहीं हो सकता था। गुप्ता बहुत तत्परता से किसी नए चेहरे की तलाश में थे। उसी समय जेबी कृपलानी बीमार पड़े और उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया। चंद्रभानु उन्हें देखने अस्पताल पहुंचे और अपनी परेशानी उनसे साझा की। कृपलानी ने अपने बगल में बैठी पत्नी सुचेता की ओर इशारा करके कहा कि इसे बनाइए प्रदेश का नया मुख्यमंत्री। चंद्रभानु गुप्ता को जवाब मिल गया था। हालांकि केंद्र की कांग्रेस सरकार और नेहरू दोनों ही इस फैसले से खुश नहीं थे। लेकिन प्रदेश को मुख्यमंत्री पद के लिए नया चेहरा मिल गया। इस तरह 1963 में सुचेता कृपलानी आजाद भारत की पहली महिला मुख्यमंत्री व उत्तर प्रदेश की चौथी मुख्यमंत्री बनीं। उन्होंने 1963 से लेकर 1967 तक प्रदेश के मुख्यमंत्री का कार्यभार संभाला।

धर्म यात्रा पर निकले शंकराचार्य अधोक्षजानंद की श्रीलंका यात्रा सम्पन्न

मथुरा, (हि.स.)। 52 शक्तिपीठ और 12 ज्योतिर्लिंग दर्शन हेतु भारत समेत अन्य देशों के भ्रमण पर निकले गोर्वधन पुरी पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अधोक्षजानंद देव तीर्थ जी महाराज की चार दिवसीय श्रीलंका यात्रा सकुशल सम्पन्न हो गई। श्रीलंका में उन्होंने इंद्राक्षी शक्ति पीठ और अशोक वाटिका समेत कई मंदिरों में दर्शन-पूजन किया। यात्रा के दौरान लंकावासियों ने शंकराचार्य का जगह-जगह भव्य स्वागत किया। श्रीलंका यात्रा से वापस आते ही शंकराचार्य स्वामी श्री अधोक्षजानंद देव तीर्थ तुरंत नेपाल की यात्रा के लिए प्रस्थान कर गये। उन्होंने बताया कि लंकावासियों के अभूतपूर्व स्वागत से वह अभिभूत हैं। श्रीलंका यात्रा में शंकराचार्य के साथ शामिल प्रतिनिधिमंडल के लोगों ने बताया कि जगद्गुरु ने वहां सर्वप्रथम इंद्राक्षी शक्तिपीठ में दर्शन पूजन किया, फिर महाराजा रावण द्वारा सागर तट पर स्थापित त्रिकोणेश्वर महादेव मंदिर में भव्य पूजा और आरती की। दोनों मंदिरों के मुख्य पुजारियों ने जगद्गुरु का जोरदार स्वागत किया। भारी संख्या में वहां उपस्थित श्रीलंका के श्रद्धालुओं ने शंकरचार्य जी का आशीर्वाद ग्रहण किया। इसके बाद स्वामी श्री अधोक्षजानंद देव तीर्थ जी महाराज श्रीलंका स्थित अशोक वाटिका पहुंचे और वहां माता सीता के मंदिर में पूजा अर्चना और विधिवत रुद्राभिषेक, शिवार्चन और यज्ञ किये। वहां हनुमानजी की भी उन्होंने अर्चना की। अशोक वाटिका के प्रबंधक राजा जियो और मुख्य पुजारी राजीवन गुरुकुलन समेत श्रीलंका सरकार के वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने शंकराचार्य जी का भव्य स्वागत किया और उनसे आशीर्वाद ग्रहण किया। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने बताया कि स्वामी श्री अधोक्षजानंद देव तीर्थ कोलंबों स्थित श्री पोन्नमबलम वनेसर शिव मंदिर भी गये। वहां मंदिर के न्यासी डीएम स्वामीनाथन, मंदिर के आचार्यों और स्थानीय लोगों ने शंकराचार्य का भव्य स्वागत किया। इस मौके पर वहां विश्व हिन्दू परिषद के कोलंबो प्रभारी राधा कृष्ण भी उपस्थित थे। शंकराचार्य की धर्म यात्रा से लंकावासियों में भारी उत्साह देखने को मिला। श्रीलंका सरकार द्वारा पूरी यात्रा के दौरान सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किये गये थे। गोवर्धन पुरी पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अधोक्षजानंद देव तीर्थ जी महाराज 19 नवम्बर 2021 से 12 ज्योतिलिंगों एवं 52 शक्ति पीठों की यात्रा पर हैं। सम्पूर्ण भारत का भ्रमण कर यहां के ज्योतिलिंगों और शक्ति पीठों का दर्शन-पूजन सम्पन्न कर लेने के बाद शंकराचार्य जी ने पड़ोसी देशों में स्थित शक्ति पीठों के दर्शन की यात्रा दूसरे चरण में प्रारम्भ की है। श्रीलंका के तत्काल बाद वह नेपाल की धर्म यात्रा पर निकल गये हैं। इसके बाद वह बांग्लादेश, तिब्बत और पाकिस्तान स्थित शक्ति पीठों की भी यात्रा करेंगे।

जेल चला जाऊंगा लेकिन जमानत नहीं कराऊंगा : बृजभूषण सिंह

गोंडा (हि.स.)। भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह द्वारा महर्षि पतंजलि के नाम का दुरुपयोग और पतंजलि के उत्पादों पर बयान देने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। बाबा रामदेव ने सांसद बृजभूषण सिंह को कानूनी नोटिस देकर तीन दिन में जवाब मांगा है। जवाब नहीं देने पर मानहानि का मुकदमा दर्ज कराने की बात नोटिस में कही गई है। सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने नोटिस मिलने की बात स्वीकार करते हुए प्रेस वार्ता कर स्पष्ट शब्दों में कह दिया कि संविधान व कानून पर मुझे पूरा भरोसा है। बाबा रामदेव के प्रकरण में हम जेल चले जाएंगे लेकिन जमानत नहीं कराएंगे। नंदिनी नगर की धरती से मैं यह ऐलान करता हूं। सांसद बृजभूषण सिंह ने कहा कि महर्षि पतंजलि के नाम के दुरुपयोग और बाबा रामदेव के नकली घी का एक प्रकरण जो कि स्वतः निकल कर आया है। उन्होंने कहा कि लगता है कि यह बात थोड़ा आगे बढ़ गई है। इसीलिए बाबा जी की तरफ से मुझे एक नोटिस आया है। सांसद ने कहा कि इस पर मैं यह कहना चाहता हूं कि बृजभूषण सिंह और बाबा रामदेव के बीच कोई लड़ाई नहीं है। बृजभूषण सिंह देश, किसान, संत महात्माओं के हित में खड़े हैं। महर्षि पतंजलि के नाम का दुरुपयोग हो रहा है, उसके लिए भी खड़े हैं। हमारी कोई व्यक्तिगत स्पर्धा उनसे नहीं है। किसान, देश, धर्म, संत महात्माओं के हित में अगर मुझे जेल भी जाना पड़े तो मैं जिंदगी भर जेल में रहने को तैयार हूं। मैं जमानत नहीं कराऊंगा। देश की अदालत पर भरोसा और संविधान पर भरोसा है। इसलिए बाबा रामदेव या उनके चेले दुनिया को धमकावें हमको न धमकावें, हम देश हित में, समाज हित में, कुछ भी कर सकते हैं। हम एक सामान्य परिवार में पैदा हुए और आज सात बार से गोंडा, बलरामपुर, कैसरगंज की जनता जो मुझे सांसद बना रही है। रामदेव की कृपा पर नही बन रहा हूँ। सांसद ने कहा कि जल्द ही मैं महर्षि पतंजलि के जन्म भूमि पर पूरे देश के संतों का एक आह्वान करूँगा और सात दिन तक कार्यक्रम चलेगा। उत्तराखंड सरकार और भारतीय सेना ने भी पतंजलि के कई उत्पाद पर बैन लगा रखा है। इस प्रश्न का जवाब देते हुए सांसद बृज भूषण ने कहा कि सेना, कतर में पतंजलि के आयात को रोका गया। थाईलैंड और सिंगापुर में पतंजलि के उत्पादों को प्रतिबंधित किया गया है। सांसद ने कहा कि बाबा रामदेव महर्षि पतंजलि के नाम का सदुपयोग कर रहे हैं या दुरुपयोग, इसका जिम्मा मैं अब देश के संतों को दे रहा हूं। बाबा रामदेव के करीबी राजीव दीक्षित की मौत पर सांसद ने कहा कि देश को संदेह है। क्योंकि पोस्टमार्टम नहीं होने दिया था और उससे पहले गुरुजी शंकरदेव तो लापता ही हैं।

नहीं बदला बांकेबिहारी दर्शन का समय, रातभर चलती रही मंदिर सेवायतों की बैठक

मथुरा, (हि.स.)। वृंदावन में ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर के दर्शन गुरुवार को पुराने समय पर ही हुए। एक दिसंबर से दर्शन का समय तीन घंटे बढ़ाकर 11 घंटे करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन इसका असर दिखाई नहीं दिया। गुरुवार को भी भीड़ बनी रही। गौरतलब हो कि ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए तीन घंटे अतिरिक्त दर्शन की व्यवस्था की गई थी। मंदिर प्रशासक सिविल जज जूनियर डिवीजन के आदेश पर इसे एक दिसंबर से लागू करने का निर्णय मंगलवार को मंदिर प्रबंधन ने लिया था। सेवायतों का कहना है कि एक प्रार्थना पत्र पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इस पर स्टे दे दिया है। ऐसे में नए आदेश पर मंथन शुरू हो गया। बुधवार देर रात सेवायतों की बैठक हुई। सेवाधिकारी रजत गोस्वामी ने कहा कि अब तक स्टे आर्डर की कापी नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि मंदिर प्रशासन ने भी दर्शन को लेकर स्पष्ट आदेश नहीं किए हैं। दर्शन के इन 11 घंटों में सुबह 15 मिनट की श्रृंगार आरती के बारे में भी कोई जानकारी आदेश में नहीं है। राजभोग सेवाधिकारी प्रणब गोस्वामी ने कहा कि मंदिर प्रबंधन ने समय विस्तार के लिए मंगलवार की रात नोटिस चस्पा किया है। इसमें आदेश 27 नवंबर को दिए गए हैं। हाई कोर्ट ने 28 नवंबर को समय विस्तार पर स्टे आर्डर दिया है। ऐसे में सेवायत एक पत्र लिखकर मंदिर प्रबंधक को दे रहे हैं। ताकि बुधवार को पुराने समय ही मंदिर के पट खोले जाएं और व्यवस्था में किसी तरह का विघ्न पैदा न हो। देर रात तक बैठक चलती रही। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन का समय बढ़ाने के विरोध में बुधवार को सिविल जज जूनियर डिवीजन के न्यायालय में दो प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए गए। एक प्रार्थना पत्र अधिवक्ता दीपक शर्मा ने प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट ने मंदिर का समय बढ़ाने पर स्टे दिया है, हालांकि अभी स्टे का आर्डर नहीं मिला है। ऐसे में मंदिर प्रबंधन एक दिसंबर से दर्शन का समय बढ़ाने पर निर्णय कैसे ले सकता है। इस पर सुनवाई के बाद न्यायालय ने निर्णय सुरक्षित कर लिया। उधर, मंदिर सेवायत हिमांशू गोस्वामी की ओर से अधिवक्ता तरुण वर्मा ने प्रार्थना पत्र देकर दर्शन का समय बढ़ाने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि दर्शन का समय नहीं बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि न्यायालय ने निर्णय सुरक्षित रख लिया है।

झारखंड के कद्दावर नेता व पूर्व मंत्री समरेश सिंह का निधन

रांची, (हि.स.)। झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री सह बोकारो के पूर्व विधायक समरेश सिंह (81 वर्ष) का बोकारो स्थित आवास पर निधन हो गया। गुरुवार सुबह करीब सात बजे उन्होंने सेक्टर चार स्थित अपने आवास में अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। 12 नवंबर को तबीयत अधिक बिगड़ने पर उन्हें पहले बोकारो बीजीएच और फिर रांची स्थित मेदांता अस्पताल ले जाया गया था। एक दिन पूर्व ही उन्हें रांची के मेदांता से बोकारो लाया गया था। गत मंगलवार को डॉक्टरों ने उनकी हालत में सुधार होता देख डिस्चार्ज कर दिया था, जिसके बाद वह घर पर ही थे। बोकारो के पूर्व विधायक समरेश सिंह भाजपा के संस्थापक सदस्यों में शामिल थे। लोग उन्हें दादा भी कहते हैं। मुंबई में 1980 में आयोजित भाजपा के प्रथम अधिवेशन में कमल निशान का चिह्न रखने का सुझाव उन्हीं का था, जिसे केंद्रीय नेताओं ने मंजूरी दी थी। दरअसल, समरेश सिंह को 1977 के चुनाव में कमल निशान पर ही जीत मिली थी। बाद में समरेश भाजपा से 1985 और 1990 में बोकारो से विधायक निर्वाचित हुए।

इससे पहले 1985 में समरेश सिंह ने में इंदर सिंह नामधारी के साथ मिलकर भाजपा में विद्रोह कर 13 विधायकों के साथ संपूर्ण क्रांति दल का गठन किया था, लेकिन कुछ ही दिनों के बाद संपूर्ण क्रांति दल का विलय भाजपा में कर दिया गया। वर्ष 1995 में समरेश सिंह ने भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय चुनाव लड़ा, जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद वर्ष 2000 का चुनाव उन्होंने झारखंड वनांचल कांग्रेस के टिकट पर लड़ा। फिर 2009 में झाविमो के टिकट पर विधायक बने। बाद में भाजपा में शामिल हो गये, लेकिन 2014 में भाजपा का टिकट नहीं मिलने पर वह निर्दलीय लड़े थे, जिसमें उन्हें हार मिली थी। उल्लेखनीय है कि बोकारो जिला के ही चंदनकियारी प्रखंड के लालपुर पंचायत स्थित देवलटांड़ गांव में समरेश सिंह का पैतृक आवास है। समरेश सिंह का अंतिम संस्कार शुक्रवार सुबह नौ बजे उनके पैतृक गांव में किया जाएगा। वहीं, उनके आवास पर लोगों का पहुंचना जारी हो गया है। पूर्व मंत्री समरेश सिंह की पत्नी भारती सिंह का देहांत 28 अगस्त 2017 को हो चुका था। परिजनों में समरेश सिंह के दोनों बेटे सिद्धार्थ सिंह और संग्राम सिंह तथा पुत्रवधु श्वेता सिंह और परिंदा सिंह हैं। उनके बड़े पुत्र राणा प्रताप भी अमेरिका से पहुंच चुके हैं।

भाप्रसे के दो अधिकारियों को अपर मुख्य सचिव रैंक में प्रमोशन पर सहमति

रांची, (हि.स.)। झारखंड सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के दो अधिकारियों को प्रधान सचिव रैंक से अपर मुख्य सचिव रैंक में प्रोन्नति प्रदान करने की सहमति दी है। इनमें 1993 बैच के आईएएस अधिकारी अविनाश कुमार और एसआर मीणा है। डीपीसी की बैठक में प्रोन्नत करने की अनुशंसा की गयी है। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय भारत सरकार के सहमति के बाद इस संबंध में अधिसूचना जारी की जायेगी। इनका प्रमोशन एक जनवरी, 2023 से प्रभावी होगा। झारखंड में अभी पांच सीएस रैंक के अधिकारी हैं। इनमें मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, अरूण कुमार सिंह, एल खियांग्ते आदि शामिल हैं।

हाई कोर्ट ने नगर आयुक्त और आरआरडीए उपाध्यक्ष को लगाई फटकार

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति एस चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में गुरुवार को राज्य के नगर निकायों में नक्शे स्वीकृति में पैसों के खेल मामले में कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए सुनवाई की। नक्शा पास करने में अवैध वसूली पर हाई कोर्ट ने नगर आयुक्त और आरआरडीए उपाध्यक्ष को कड़ी फटकार लगाई। साथ ही कोर्ट ने नक्शा स्वीकृति पर अगले आदेश तक के लिए रोक लगा दी है। कोर्ट ने मौखिक कहा कि नक्शा स्वीकृति जैसे मामलों में पारदर्शिता बरतनी चाहिए। कोर्ट ने आरआरडीए और नगर निगम में कितने जूनियर इंजीनियर और टाउन प्लानर हैं, इसका ब्योरा कोर्ट में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने मौखिक कहा के आरआरडीए में 1982 के बाद से कोई स्थाई नियुक्ति नहीं हुई है। नगर निगम में भी पिछले 20 वर्षों से कांट्रैक्ट बेसिस पर कर्मियों से काम कराया जा रहा है। सुनवाई के दौरान नगर आयुक्त और आरआरडीए के उपाध्यक्ष कोर्ट में सशरीर उपस्थित हुए। अपने मामले में जेपीएससी को भी प्रतिवादी बनाया है। उल्लेखनीय है कि इससे संबंधित खबर रांची के स्थानीय समाचार पत्र में छपी थी, जिस पर कोर्ट ने संज्ञान लिया है। कोर्ट ने इस मामले को एलपीए 132 / 2012 के साथ टैग करने का निर्देश दिया था।

चुनाव तिथि एलान के साथ ही उम्मीदवारों की बढ़ी सक्रियता

अररिया, (हि.स.)। बिहार नगर निकाय चुनाव को लेकर स्थगित चुनाव को लेकर नई तिथि का चुनाव आयोग ने घोषणा कर दी है और इसके साथ ही चुनावी अखाड़े में ताल ठोके उम्मीदवारों की सक्रियता भी अचानक बढ़ गयी है। बुधवार की रात से ही उम्मीदवारों ने सबसे पहले अपनी दस्तक सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर दी। फेसबुक, व्हाट्सएप्प, इंस्टाग्राम पर धड़ाधड़ उम्मीदवार पोस्ट करना शुरू कर दिए। सोशल मीडिया का प्लेटफार्म उम्मीदवारों और उनके समर्थकों के पोस्ट से भरना शुरू हो गया है। वही तिथि के एलान के साथ ही उम्मीदवारों ने अपना सम्पर्क भी बढ़ाना शुरू कर दिया है। वैवाहिक और श्राद्धकर्म में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर सच्चा हितैषी साबित करने में उम्मीदवारों में होड़ लग गयी। अचानक मॉर्निंग वॉक में मिलने और मिलाने का दौर भी शुरू हो गया। सुबह-सुबह मॉर्निंग वॉक के दौरान पार्षद, उप मुख्य पार्षद और मुख्य पार्षद पद के उम्मीदवारों ने टहलने के निकलने वाले लोगों के साथ मुलाकात करने के साथ ही घर घर जाकर दस्तक देना शुरू कर दिया। हालांकि अभी ऑटो रिक्शा पर भोंपू बजने का दौर शुरू नहीं हुआ है। उल्लेखनीय है कि प्रथम चरण के तहत 18 दिसम्बर को मतदान और 20 दिसम्बर को मतगणना और द्वितीय चरण के तहत 28 दिसम्बर को मतदान और मतगणना 30 दिसम्बर को होने का एलान चुनाव आयोग ने किया है।

पीएम मोदी को दी गालियों का जवाब गुजरात में जनता वोट के रुप में देगी, जिन्ना का बीज बो रहे हैं ओवैसी : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केन्द्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने बेगूसराय में गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कुछ लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जो गालियां दी है, उसका जवाब गुजरात की जनता वोट के रूप में देगी। अपने संसदीय क्षेत्र बेगूसराय के चार दिवसीय दौरा पर आए गिरिराज सिंह ने कहा कि आज गुजरात में प्रथम चरण का चुनाव हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कुछ लोगों ने गालियां दी, रावण कहा, मौत का सौदागर कहा, कंस कहा। लेकिन अब गुजरात की जनता इन गालियों का जवाब मोदी के पक्ष में वोट डालकर करेगी। गुजरात में दो तिहाई बहुमत से फिर भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि जब-जब लोगों ने मोदी को गाली दिया है, तब-तब मोदी को दिए गए गाली का जवाब जनता ने दे दिया है। ओवैसी को भाजपा का बी टीम बताए जाने पर गिरिराज सिंह ने कहा कि ओवैसी किसी का भी बी टीम नहीं है, वह जिन्ना का कार्बन कॉपी है। ओवैसी का सभी बयान समाज में जहर बोने, समाज को तोड़ने, हिंदू-मुसलमान में खाई पैदा करने के सिवा कुछ नहीं है। जिस जिन्ना ने भारत का बंटवारा किया था, ओवैसी उसी जिन्ना का बीज पूरे देश में बो रहे हैं। इस्लामिक स्टेट बनाने, भारत को बांटने, विभेद पैदा करने की साजिश रच रहे हैं। बिहार सहित सभी राज्य में यह बीज बोया जा रहा है। गिरिराज सिंह ने कहा कि ओवैसी और टुकड़े-टुकड़े गैंग की राजनीति देश के लिए खतरनाक है। अल्पसंख्यकों का वोट के लिए ओवैसी और टुकड़े-टुकड़े गैंग के सदस्य कोई भी कुकर्म करने को तैयार हैं, आपस में सीएनएफ लेने की होड़ है। वह बहुसंख्यक को जाति और गोत्र में बांटकर, अल्पसंख्यकों का पूरा वोट लेकर राज करना चाह रहे हैं। इसके लिए राजनीति के किसी भी हद तक गिर कर समझौता करने के लिए तैयार हैं, यह देश की राजनीति के लिए खतरनाक है। जिस दिन भारत के अंदर बहुसंख्यकों की आबादी गिर जाएगी, सामाजिक समरसता और लोकतंत्र दोनों खतरे में पड़ जाएगा। आज नहीं तो कल लोगों को यह सोचना पड़ेगा, बहुसंख्यकों को एक होकर सनातन के साथ खड़ा होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बिहार में महागठबंधन की सरकार वोट के लिए अल्पसंख्यकों के आगे नतमस्तक हैं। कई राज्य में न्यायालय ने लव जिहाद को लेकर सख्त निर्देश जारी किया है।

शिक्षक के सेवानिवृत्त पर विदाई-सह-सम्मान समारोह का आयोजन

अररिया, (हि.स.)। जिले में जोकीहाट के उत्क्रमित मध्य विद्यालय दौलतपुर के सहायक शिक्षक तनवीर आलम के सेवानिवृत्त होने पर जिला प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अबदुल कुद्दूस की अध्यक्षता में विदाई-सह-सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जहां मौजूद वक्ताओं ने उनके कार्यकाल और शिक्षादान को लेकर चर्चा करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। मौके पर वरीय उपाध्यक्ष अमर कुमार यादव, प्रखंड सचिव मुजाहिद आलम, अध्यक्ष शमीम, प्रधानाध्यापक मो. रईस आलम, मुखिया मोइनुद्दीन, राशिद गौहर, अयाज आलम, प्रेम कुमार, राम जतारा, रवीना, सलीम, इमरान आलम, जाहिदा, जाबिर हुसैन, नौशाद आलम आदि मौजूद रहे। इस मौके पर अमर कुमार यादव ने कहा शिक्षक तनवीर आलम पटना यूनिवर्सिटी में हमारे साथ पढ़े थे। वे एक योग एवं कर्मठ शिक्षक थे। सेवानिवृत्त के बाद यह समाज सेवा करेंगे। अध्यक्ष ने सभा को संबोधित कर सभा की समाप्ति की। उपस्थित सभी अतिथियों ने रिटायर्ड शिक्षक तनवीर आलम को आशु पूर्वक विदाई दी और कहा वह स्कूल से रिटायर हुए हैं, शिक्षा जगत से नहीं।

संपादकीय

हिन्दुओं के घावों पर नमक

गोवा में आयोजित भारत के अंतरराष्ट्रीय फिल्म उत्सव (आईएफएफआई) के समापन समारोह में इजराइल मूल के फिल्म निर्माता नदव लैपिड ने फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणी करके इस्लामिक आतंकवाद की क्रूरता का शिकार हुए हिन्दुओं के घावों पर नमक छिड़कने का काम किया। नदव इस आयोजन के निर्णायक मंडल का सदस्य था। फिल्म को लेकर उसकी शब्दावली का चयन बता रहा है कि वह किसी खास विचार से प्रेरित है और उसने 'द कश्मीर फाइल्स' पर जानबूझकर टिप्पणी की है। अपनी टिप्पणी में उन्होंने कहा कि फिल्म उत्सव में इस फिल्म की स्क्रीनिंग को देखकर वे परेशान हुए और उन्हें झटका लगा। यह फिल्म वल्गर और प्रोपेगंडा है। यकीनन फिल्म देखकर नदव को झटका लगा होगा, वह क्रूरता के दृश्य देखकर परेशान भी हो गया होगा, क्योंकि वे दृश्य परेशान करनेवाले और दिल-दिमाग को हिला देनेवाले ही हैं। भारत में पहली बार किसी फिल्म निर्माता ने साहस दिखाकर जम्मू-कश्मीर में हुए हिन्दुओं के नरसंहार को सामने लाने का काम किया है। जब से फिल्म प्रदर्शित हुई है, उसी दिन से झूठों के समूह, टुकड़े-टुकड़े गिरोह, तथाकथित सेकुलरों के विरोध का सामना कर रही है। दरअसल, उन्होंने ने अपने इको-सिस्टम के जिस अकल्पनीय नरसंहार को छिपाने का प्रयास वर्षों से किया था, उसको यह फिल्म एक झटके में सामने ले आती है। साथ में, उस इको-सिस्टम की धूर्तता को भी फिल्म में दिखाया गया है। हिन्दुओं की हत्याएं करने के बाद जिस तरह आज उनके जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया जा रहा है, वैसा ही उस समय भी किया जा रहा था। रातों-रात हजारों की संख्या में कश्मीरी हिन्दू अपने घर छोड़ने के लिए क्यों मजबूर हुए? अपने घर-दुकान, बहन-बेटियों को छोड़कर कश्मीर से चले जाने के नारे लगानेवाले लोगों के अपराध को हमेशा छिपाने का काम किया गया। पीड़ति हिन्दुओं के प्रति संवेदनाएं रखने की जगह उन्हें ही कठघरे में खड़ा किया जाता रहा। याद रखें कि यह फिल्म वल्गर और प्रोपेगंडा नहीं है बल्कि हिन्दुओं के दर्द, उनकी पीड़ा और आंसूओं को झुठलानेवाले लोगों की मानसिकता ही अश्लील और दूषित है। इस एक प्रकरण से भारत में एक बार फिर उन लोगों की पहचान उजागर हो गई, जिनकी संवेदनाएं हिन्दुओं के प्रति नहीं हैं। कम्युनिस्ट विचारधारा से प्रेरित पत्रकार, लेखक, कलाकार एक ऐसे व्यक्ति की टिप्पणी पर लहालोट होने लगे, जिसे न तो जम्मू-कश्मीर की जानकारी है और न ही वहाँ हुए दर्दनाक नरसंहार से वह परिचित है। दुर्भाग्यजनक है कि इस सबमें कांग्रेस के नेता भी आनंदित होकर नवद लैपिड की टिप्पणी पर प्रसन्नता व्यक्त कर हिन्दुओं पर हुए अत्याचार की सच्ची तस्वीर दिखानेवाली फिल्म को वल्गर और प्रोपेगंडा सिद्ध करने लगे। अभी पिछले दिनों सेना पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में भी कांग्रेसी सिने अभिनेत्रा ऋचा चड्ढा के पाले में खड़े थे और सेना के साथ खड़े अक्षय कुमार को विदेशी नागरिक ठहराकर ऋचा चढ्ढा को नसीहत नहीं देने की सलाह दे रहे थे। अजीब विडंबना है कि कांग्रेस और उसके समर्थक बुद्धिजीवियों के लिए भारतीय मूल के अक्षय कुमार को उलाहना देते हैं, जबकि विदेशी फिल्मकार नवद लैपिड के आपत्तिजनक वक्तव्य को सत्य मानकर लहालोट होते हैं। भारत के नागरिक देख रहे हैं और यह मान रहे हैं कि नवद लैपिड की टिप्पणी के साथ प्रसन्नता व्यक्त कर रहे सभी लोग हिन्दुओं के घावों पर नमक छिड़क रहे हैं। इजराइल के राजदूत एवं वहाँ के अन्य प्रमुख राजनेताओं ने नवद लैपिड के दुर्व्यवहार के लिए खेद प्रकट करके भारत विरोधी सभी ताकतों को आईना दिखाया है। इजराइल के राजनेताओं की ओर से आई टिप्पणियां यह भी संदेश देती हैं कि भारत और इजराइल की मित्रता बहुत गहरी है। यह दोनों देश एक-दूसरे के सुख-दुःख की गहरी अनुभूति रखते हैं।

> भारत में पहली बार किसी फिल्म निर्माता ने साहस दिखाकर जम्मू-कश्मीर में हुए हिन्दुओं के नरसंहार को सामने लाने का काम किया है। जब से फिल्म प्रदर्शित हुई है, उसी दिन से झूठों के समूह, टुकड़े-टुकड़े गिरोह, तथाकथित सेकुलरों के विरोध का सामना कर रही है। दरअसल, उन्होंने अपने इको-सिस्टम के जिस अकल्पनीय नरसंहार को छिपाने का प्रयास वर्षों से किया था, उसको यह फिल्म एक झटके में सामने ले आती है। साथ में, उस इको-सिस्टम की धूर्तता को भी फिल्म में दिखाया गया है। हिन्दुओं की हत्याएं कनरे के बाद जिस तरह आज उनके जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया जा रहा है, वैसा ही उस समय भी किया जा रहा था।

अमृत कलश

स्वयं से लड़ना

इस संसार में हमारे जन्म लेते ही, लोगों से मिलने, टूटने का दौर शुरू हो जाता है। हमारी वरीयता निश्चित होने लगती है। कुछ से हम लड़ने के बाद जुड़ते हैं तो कुछ से जुड़ने के बाद हम लड़ते हैं। जुड़ने के नाम पर शुरू हुआ हमारा पूरा जीवन लड़ने में ही नष्ट हो जाता है। यह होता क्यों है कि कल तक जिसे आप पसंद करते थे आज उसे ही नापसंद करने लगते हैं? या कल तक जो आपको नापसंद था वही आज आपकी पसंद बन जाता है? क्या हम सत्य ही लोगों के गुणों को, उनके विचारों को, व्यक्तित्व को वरीयता देते हैं? या इस वरीयता क्रम का निर्धारण हमारी अपनी महत्वकांक्षा, वासना, इच्छा के आधार पर होती है? क्या हमारे रिश्तों में सत्य ही स्वयं के सिवा किसी दूसरे व्यक्ति का महत्व होता है? शायद नहीं होता क्योंकि कोई दूसरा व्यक्ति तब तक ही हमारे लिये महत्वपूर्ण होता है जब तक उसके होने से हमारे महत्व में वृद्धि हो रही हो, हमारे महत्व की रक्षा हो रही है, हम अपनी इच्छाओं को पूरा कर पा रहे हों। यह तथ्य इसलिए विचारणीय है क्योंकि यदि यह भाव नहीं होता तो हम दुनिया में किसी के अमित्र ना होते। मित्रता अमित्रता में न बदलती, एक दूसरे को सहयोग करने वाले एक दूसरे के असहयोगी ना होते और ये संसार जो भाव प्रधान है हर विषय में अभाव से ग्रस्त न होता। अर्थात समस्या भाव की नहीं, अभाव की है। हमारी सारी जीवन यात्रा के सभी सम्बंध शुभता की इच्छा से उठाये गये क़दम होते हैं। वे हमें अपने हितैषी, हमें पसंद आने वाले, हमारे काम के, हमें महत्वपूर्ण बनाने वाले लगते हैं। इसलिए हम उनकी तरफ़ जुड़ने के भाव से बढ़ते हैं, उनके कल्याण के लिये नहीं स्वयं के कल्याण के लिये और यदि रास्ते में चलते उनका भी कल्याण हो जाये तो अच्छा है। फिर जब पता चलता है कि वे हमारे अपेक्षित परिणामों को पूरा नहीं कर रहे, तब हमारी वही पसंद-नापसंद में बदल जाती है, प्रेम पीड़क जैसा दिखाई देता है, प्रेरणा प्रताड़ना जैसी लगने लगती है। और इस सबका कारण हमारी कुंठित महत्वाकांक्षा, हमारा अहम ही होता है, किंतु साहस न होने के कारण हम सदैव सकारात्मक माहौल को नकारात्मक दृश्य में बदलने के लिये, दूसरे व्यक्तियों को ही दोषी ठहराने लगते हैं। उस समय हम कभी भी अपने व्यवहार, विचार, भाव पर ईमानदारी से ध्यान नहीं देते, और बहुत चतुराई से सामने वाले दोस्तों को दोषयुक्त घोषित कर देते हैं।

बोध कथा

मनमर्जी खेती

एक अतिश्रेष्ठ व्यक्ति थे। एक दिन उनके पास एक निर्धन आदमी आया और बोला कि मुझे अपना खेत कुछ साल के लिये उधार दे दीजिये, मैं उसमे खेती करूँगा और खेती करके कमाई करूँगा। वह अतिश्रेष्ठ व्यक्ति बहुत दयालु थे। उन्होंने उस निर्धन व्यक्ति को अपना खेत दे दिया और साथ में पांच सहायक खेती में काम करने को दिये और कहा कि इन पांच सहायकों को साथ में लेकर अच्छी तरह से खेती करो, इससे अच्छी खेती करने में आसानी होगी। और अच्छी फसल की खेती करके अच्छी कमाई कर पाओगे। वो निर्धन आदमी ये देख के बहुत खुश हुआ कि उसको उधार में खेत भी मिल गया और साथ में पांच सहायक किसान भी मिल गये। लेकिन वह पांच सहायक किसान अपनी अपनी मर्जी से खेत में काम करने लगे और वह निर्धन आदमी अपनी खुशी में डूबा रहा, तथा उन पांचों सहायक किसानों के कामों पर कोई नियंत्रण नहीं रखा। और जब फसल काटने का समय आया तो देखा कि फसल बहुत ही चौपट थी। उन पांचों सहायक किसानों ने न तो खेत की ठीक से जुताई की, न खर पतवार निकाले, न ठीक से अच्छे बीज डाले, न समय पर सिंचाई की। फिर अच्छी फसल कहाँ से हो। जब वह अतिश्रेष्ठ दयालु व्यक्ति ने अपना खेत वापस माँगा तो वह निर्धन व्यक्ति रोता हुआ बोला कि मैं बर्बाद हो गया, मैं अपनी खुशी में डूबा रहा और इन पांच सहायक किसानों को नियंत्रण में न रख सका, न ही इनसे अच्छी खेती करवा सका।

साइबर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होंगे, इसको लेकर सख्त कानून भी बनाना होगा

बढ़ते साइबर अपराधों को रोकने में विफल साबित हो रहा है सरकारी तंत्र

ललित गर्ग

> आम आदमी से संबंधित व्यक्तिगत डेटा या आंकड़े को चोरी होने से बचाना सरकार की प्रथम प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रतिदिन व्हाट्सअप, फैसबुक, इंस्टाग्राम हैक होने की घटनाएं आम होती जा रही है, लेकिन इसी बीच अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान- एम्स के सर्वर में सेंधमारी ने तो सरकार की नींद उड़ा दी है। तकनीकी विशेषज्ञों की लगातार कोशिशों के बावजूद उसे पहले की तरह ठीक नहीं किया जा सका है। आशंका जताई जा रही है कि एम्स के सर्वर को हैक करने से करोड़ों व्यक्तियों से जुड़ी सूचनाओं पर सेंध लगने के साथ फिलहाल अस्पताल की इमरजेंसी, ओपीडी, लैब व अन्य सेवाओं में मैनुअली काम हो रहा है।

व्हाट्सअप फैसबुक, इंस्टाग्राम हैक होने की घटनाएं दिनोंदिन बढ़ती जा रही है, आम आदमी इन हमलों से भारी नुकसान झेल रहे हैं, लेकिन विडम्बना यह है कि सरकार के पास इसके समाधान का तंत्र कमजोर एवं बेअसर है। इन सोशल मीडिया के हमलों के साथ-साथ साइबर हमलों ने भी खतरों की झड़ी लगा दी है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सूचना क्रांति ने हमारा जीवन आसान बना दिया है। तकनीक के जरिए प्रत्येक क्षेत्र में नित नए कीर्तिमान एवं जीवन को आसान बनाने की स्थितियां भी कायम हुई हैं। लेकिन, जिस तरह से साइबर संसार एवं तकनीक का विस्तार हो रहा है, उससे तेज गति से साइबर अपराध बढ़ रहे हैं, उन्हें देखते हुए कई बार तो लगता है कि हम कहीं वैश्विक जंग का नया मैदान तैयार करने एवं आम आदमी से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाओं एवं संसाधनों को खतरे में तो नहीं डाल रहे हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि इस साइबर संसार के विस्तार के साथ ही राष्ट्रीय एवं व्यक्ति सुरक्षा को नया खतरा पैदा हो गया है, जो किसी युद्ध से भी ज्यादा खतरनाक एवं नुकसानदायी है। ऐसा युद्ध जिसमें न हमलावर का जल्द ही पता लग पाता और न ही हमले से हुए नुकसान का अंदाजा लगाया जा सकता। इन बढ़ते साइबर हमलों पर काबू पाने में सरकार की नाकामी ज्यादा चिन्ताजनक है। आम आदमी से संबंधित व्यक्तिगत डेटा या आंकड़े को चोरी होने से बचाना सरकार की प्रथम प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रतिदिन व्हाट्सअप, फैसबुक, इंस्टाग्राम हैक होने की घटनाएं आम होती जा रही है, लेकिन इसी बीच अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान-एम्स के सर्वर में सेंधमारी ने तो सरकार की नींद उड़ा दी है। तकनीकी विशेषज्ञों की लगातार कोशिशों के बावजूद उसे पहले की तरह ठीक नहीं किया जा सका है। आशंका जताई जा रही है कि एम्स के सर्वर को हैक करने से करोड़ों व्यक्तियों से जुड़ी सूचनाओं पर सेंध लगने के साथ फिलहाल अस्पताल की इमरजेंसी, ओपीडी, लैब व अन्य सेवाओं में मैनुअली काम हो रहा है। इसे चिकित्सा के क्षेत्र में सबसे बड़ा साइबर हमला माना जा सकता है। मोटे अनुमान के मुताबिक एम्स के पास 4 करोड़ मरीजों का डेटा है। कई अतिविशिष्ट लोग जिनमें पूर्व प्रधानमंत्रियों, मंत्रियों, नौकरशाहों जैसे खास एवं नामचीन हस्तियों और उनकी हेल्थ-उपचार से जुड़ी जानकारी भी इस अस्पताल के सर्वर में उपलब्ध रहती है। चिंता की बात यह भी है कि एम्स सर्वर को हैक करने के मामले में जांच एजेंसियां अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाई हैं। इस बीच हैकर्स की ओर से सर्वर बहाल करने की एवज में 200 करोड़ रुपए की क्रिप्टो करेंसी की मांग की बात भी सामने आई है। हालांकि दिल्ली पुलिस इस बात से इंकार कर रही है। लेकिन, इस आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता कि किसी दूसरे देश में बैठे हैकर्स ने इस करतूत को अंजाम दिया है। देश की साइबर सुरक्षा में घुसपैठ के मामले लगातार बढ़ते ही दिख रहे हैं। इन अति महत्वपूर्ण संस्थानों के साथ आम व्यक्ति के व्हाट्सअप, फैसबुक, इंस्टाग्राम हैक होने एवं करोड़ों रुपये हैंकरों के द्वारा हड़प लेने के बावजूद सरकार ने इन खतरों से निपटने के किसी सशक्त तंत्र को विकसित नहीं किया है। साइबर अपराधों पर नियंत्रण के लिये अलग से पुलिस केन्द्र तो खोले गये हैं, लेकिन इनमें काम करने वाले कर्मी-अधिकारियों को साइबर अपराधों के नियंत्रण की तकनीक का ज्ञान शून्य है, अन्य थानों की तरह यहां पर पीड़तिों से अपराधियों जैसे व्यवहार एवं सवालात किये जाते हैं। विडम्बना तो यह है कि इस तरह की शिकायत दर्ज करने में ही कोताही बरती जाती है। इन पुलिस केन्द्र में कोई भी ऐसे संसाधन एवं तकनीकी उपकरण नहीं हैं कि वे तत्काल उस पर नियंत्रण कर सके। मेरा व्हाट्सअप गत दिनों हैक हो गया, हैकर ने मेरे मिलने-जुलने वाले सभी व्हाट्सअप सदस्यों से पैसे मांगे। कुछ परिचितों ने हैकर के बताये अकाउन्ट में पैसे डाल भी दिये। मैं सभी सूचनाओं के साथ बदरपुर स्थित साइबर अपराध सैल, साउथ दिल्ली पहुंचा, पहले तो शिकायत लेने से ही मना कर दिया, जब मैंने अपना परिचय दिया तो उन्होंने मेरी बात सुनी, लेकिन मुझे आश्चर्य हुआ कि हैकर का अकाउन्ट नंबर, मोबाइल नम्बर, उसके पैसे मांगने के संवाद की स्क्रीन शूट आदि सूचनाएं देने के बावजूद वे कुछ नहीं कर पाये और कहने लगे कि आपकी शिकायत ही नहीं बनती, जिनके पैसे डूबे हैं, वे शिकायत करें। वहां मौजूद अधिकारी के कहने पर मेरी शिकायत ली गयी। लेकिन इस साइबर अपराध सैल का क्या फायदा यदि वो लगातार चल रहे हैकर के आक्रमण को रोक न पाये? क्या इनको अपराधी के बैंक अकाउन्ट को कुछ समय के लिये निष्क्रिय करने के लिये कार्रवाई नहीं करनी चाहिए? क्या दिये गये मोबाइल नम्बर की स्थिति का पता कर उस अपराधी तक पहुंच नहीं बनानी चाहिए? ये कदम यदि यह साइबर अपराध सैल नहीं उठाती तो देश में साइबर अपराध पर नियंत्रण की सोचना ही मिथ्या है। केन्द्र सरकार की ओर से इसी साल लोकसभा में दी गई जानकारी में यह स्वीकार किया गया था कि पिछले चार वर्ष के दौरान देश में साइबर सुरक्षा तंत्र में घुसपैठ के 36.29 लाख प्रयास हो चुके हैं। साइबर अटैक के ये प्रयास वर्ष 2021 में सबसे ज्यादा हुए। सरकार अपराधों की बात महिमामंडित करके विधायी संस्थानों में प्रस्तुत करती है, लेकिन उनके समाधान के लिये सरकार ने क्या किया, इस सवाल पर गहरा सन्नाटा पसरा होता है। बात मेरे व्हाट्सअप हैक होने या एम्स सर्वर को हैक करने की ही नहीं है, यह डिजिटलीकरण की ओर बढ़ते देश में लगातार हो रहे साइबर हमलों की है। एम्स का मामला केवल कामकाज में असुविधा का मसला नहीं है। एम्स के सभी तरह के कामकाज के लिए तो समांतर वैकल्पिक व्यवस्था खड़ी की जा सकती है। तात्कालिक तौर पर सामान्य या पुराने तरीके से भी काम चलाया जा सकता है। लेकिन मरीजों से जुड़े तमाम ब्योरों से लेकर सभी तरह की व्यवस्थाओं का जिस तरह डिजिटलीकरण हो गया है, उनका चोरी हो जाना शायद दूरगामी स्तर पर घातक एवं संकटपूर्ण स्थितियां पैदा कर सकता है। यही वजह है कि एम्स के सर्वर में सेंध लगाने के बाद सबसे गहरे सवाल साइबर सुरक्षा को लेकर उठ रहे हैं। यों इससे पहले भी अलग-अलग मौकों पर किसी संस्थान या कंपनी की वेबसाइट हैक होने की खबरें आती रही हैं और उसी के मद्देनजर इसके खतरों की भी पहचान की गई है। लेकिन हालत यह है कि देश के नागरिकों के बारे में सबसे संवेदनशील जानकारी जुटा कर उन्हें डिजिटल रूप में रखने की सुविधाएं तो बताई जाती हैं, मगर उनके पूरी तरह सुरक्षित होने को लेकर अब तक कोई आश्वासन नहीं है। साइबर स्पेस के तमाम खतरों को देखते हुए दुनिया के किसी भी कोने से रची जाने वाली साइबर अटैक की साजिश को लेकर हमें सतर्क रहना होगा। संवेदनशील संस्थानों की डेटा सुरक्षा पर विशेष निगाह रखनी होगी।

गैर आरक्षित वर्ग एकजुट नहीं है, इसलिए राजनीतिक दलों को कोई परवाह नहीं है

> आर्थिक आधार पर दिए गए आरक्षण के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने मोहर लगा कर राजनीतिक दलों का रास्ता और आसान कर दिया। सभी राजनीतिक दलों के लिए यह हॉट केक की तरह है। किसी को भी इससे परहेज नहीं है। आरक्षण के विरुद्ध बोलना तो दूर बल्कि आरक्षण के असली हकदारों के हिस्से पर कुंडली मारे बैठे क्रीमी लेयर के खिलाफ भी बोलने का साहस किसी नेता या राजनीतिक दल में नहीं है। आरक्षण ने देश को दो हिस्सों में विभाजित कर दिया है। आरक्षित और गैर आरिक्षत वर्ग। गैर आरक्षित वर्ग इसे अपने साथ अन्याय मानता है, किन्तु एकजुट नहीं हो सकने के कारण राजनीतिक दलों को इस बहुसंख्यक गैर आरक्षित आबादी की परवाह नहीं है। आरक्षण के मुद्दे से राजनीतिक दल कितना घबराते हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आरक्षण का फायदा सही मायने में आरिक्षत वर्ग को कितना हो रहा है, इसका आकलन कभी नहीं कराया गया। आरक्षण व्यवस्था लागू होने के बाद यह संवैधानिक लाभ चुनिंदा लोगों के हाथ में सिमट कर रह गया है।

आरक्षण बोतल का ऐसा जिन्न है, जिसे सभी राजनीतिक दल निकाल कर अपनी स्वार्थसिद्धी करना चाहते हैं। यह एक ऐसा मुद्दा है, जिसके नुकसान-फायदे के बारे में कभी विचार नहीं किया जाता। विशेषकर देश और समाज को होने वाले नुकसान की किसी को चिंता नहीं है। आर्थिक आधार पर दिए गए आरक्षण के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने मोहर लगा कर राजनीतिक दलों का रास्ता और आसान कर दिया। सभी राजनीतिक दलों के लिए यह हॉट केक की तरह है। किसी को भी इससे परहेज नहीं है। आरक्षण के विरुद्ध बोलना तो दूर बल्कि आरक्षण के असली हकदारों के हिस्से पर कुंडली मारे बैठे क्रीमी लेयर के खिलाफ भी बोलने का साहस किसी नेता या राजनीतिक दल में नहीं है।आरक्षण बोतल का ऐसा जिन्न है, जिसे सभी राजनीतिक दल निकाल कर अपनी स्वार्थसिद्धी करना चाहते हैं। यह एक ऐसा मुद्दा है, जिसके नुकसान-फायदे के बारे में कभी विचार नहीं किया जाता। विशेषकर देश और समाज को होने वाले नुकसान की किसी को चिंता नहीं है। आर्थिक आधार पर दिए गए आरक्षण के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने मोहर लगा कर राजनीतिक दलों का रास्ता और आसान कर दिया। सभी राजनीतिक दलों के लिए यह हॉट केक की तरह है। किसी को भी इससे परहेज नहीं है। आरक्षण के विरुद्ध बोलना तो दूर बल्कि आरक्षण के असली हकदारों के हिस्से पर कुंडली मारे बैठे क्रीमी लेयर के खिलाफ भी बोलने का साहस किसी नेता या राजनीतिक दल में नहीं है। आरक्षण ने देश को दो हिस्सों में विभाजित कर दिया है। आरक्षित और गैर आरिक्षत वर्ग। गैर आरक्षित वर्ग इसे अपने साथ अन्याय मानता है, किन्तु एकजुट नहीं हो सकने के कारण राजनीतिक दलों को इस बहुसंख्यक गैर आरक्षित आबादी की परवाह नहीं है। आरक्षण के मुद्दे से राजनीतिक दल कितना घबराते हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आरक्षण का फायदा सही मायने में आरिक्षत वर्ग को कितना हो रहा है, इसका आकलन कभी नहीं कराया गया। आरक्षण व्यवस्था लागू होने के बाद यह संवैधानिक लाभ चुनिंदा लोगों के हाथ में सिमट कर रह गया है। यही वजह है कि देश में आज भी सीवरेज में गैस निकलने से दलित वर्ग के मजदूरों की मौत की खबरें आती रहती हैं। दलित हों या जनजाति वर्ग, अभी तक अपने परंपरागत पेशों से जुड़े हुए हैं। आरक्षण के बावजूद बड़े वर्ग समूहों की सामाजिक-आर्थिक हालात में कोई विशेष बदलाव नहीं आया है। आरक्षण के बलबूते अपनी सामाजिक और आर्थिक हैसीयत मजबूत करने वाले लाभार्थियों को उन्हीं के वर्ग के वंचितों की चिंता नहीं है। आरक्षण का फायदा उठा कर आगे बढ़ चुका वर्ग उस पर कुंडली मारे बैठा है। क्रीमी लेयर ही आरक्षण का सही मायने में दोहन कर रही है। जबकि दूसरे आरक्षित सिर्फ उन्हें ताकते रहने को मजबूर हैं। इस क्रीमी लेयर के खिलाफ बोलने का किसी में साहस मौजूद नहीं है। देश में आज भी ऐसा बड़ा तबका मौजूद है, जिस तक आरक्षण का लाभ इसलिए नहीं पहुंच पा रहा है। कारण साफ है कि आरक्षण का लाभ लेकर अपनी स्थिति को मजूबत कर चुके लाभार्थियों से उनका मुकाबला कमजोर पड़ रहा है। आश्चर्य की बात यह है कि आरक्षण से सरकारी नौकरी में गिनती के लोगों को लाभ के अलावा आरक्षित वर्ग की स्थिति में खास बदलाव नहीं हुआ। देश में दलित और आदिवासी इलाके आज भी आधारभूत सुविधाओं से वंचित हैं। बिजली, पानी, सड़क, अस्पताल जैसी सुविधाएं इनके क्षेत्रों में आसानी से मयस्सर नहीं हैं। सरकारों ने आरक्षण देकर यह मान लिया है कि अब इन वर्गों का विकास अपने आप हो जाएगा। ये देश और समाज की मुख्यधारा में आ जाएंगे। इनके क्षेत्रों के लिए अलग से विकास के प्रयास नहीं किए गए। यही वजह है कि दलित और जनजाति समुदाय अभी तक कई कुरीतियों और सामाजिक बुराईयों से मुक्त नहीं हो सके। इतना ही नहीं आरक्षण का लाभ लेकर सत्ता का स्वाद चखने वाले नेताओं को भी इसकी चिंता नहीं है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि आरक्षण की एक नई कैटेगिरी (ईडब्ल्यूएस) से किसका भला होगा। आर्थिक आधार पर आरक्षण दिए जाने का साफ संदेश यही है कि सरकारें आर्थिक विषमता की खाई पाटने में नाकाम रहीं हैं। गरीबी हटाने की बात सिर्फ चुनावी वादा बन कर रह गई है। देश की आबादी का बड़ा हिस्सा आज भी बेरोजगार है। सरकारी नौकरी का आलम यह है कि सरकारी खर्चों में कमी करने के नाम पर सरकारें कम से कम भर्ती करने पर जोर दे रही हैं। सेना में स्थायी तौर पर भर्ती किए जाने की बजाए अग्निवीर योजना को लांच करना इसका प्रमाण है। जिसमें कुछ साल सेना में नौकरी के बाद परिलाभों का आकर्षण दिया गया है। आर्थिक आरक्षण के खिलाफ तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने विरोध जताया है। डीएमके के अपने राजनीतिक निहितार्थ हैं। डीएमके के लिए आरक्षण का यह मसला भी हिन्दी भाषा के विरोध की तरह है। जिससे सीधा वोट बैंक प्रभावित होता है। यह अलग बात है कि देश के दूसरे नेताओं की तरह मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की पार्टी ने कभी आरक्षण में क्रीमी लेयर का विरोध नहीं किया। हालांकि अदालत के इस फैसले के बाद कांग्रेस नेता उदित राज ने अदालत को जातिवादी तक करार देते हुए इसे आरक्षण व्यवस्था को खत्म करने की साजिश करार दिया। इसका भी कारण है दलितों में अपनी छवि हितैषी की बनाए रखना, अन्यथा कांग्रेस ने आर्थिक आधार पर मिले आरक्षण का अन्य दलों की तरह ही समर्थन किया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले में अलग अलग जजों ने अपनी अपनी राय रखी। जस्टिस जेबी पारदीवाला ने कहा कि डॉक्टर अंबेडकर का विचार था कि आरक्षण की व्यवस्था 10 साल रहे, लेकिन ये अब तक जारी है। समस्या का सही हल यही है कि उन चीजों को खत्म किया जाए जिससे सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक पिछड़ापन आता है।

नागरिक बोध

नेपाल में चुनावः आती-जाती सरकार, जनता बेजार

नेपाल में संघीय और प्रांतीय विधानसभा चुनाव के लिए मतदान रविवार शाम पांच बजे थम गया। नेपाल के चुनाव आयोग ने आखिरी परिणाम आठ दिन में आने का भरोसा जताया है। नेपाल में 1990 में लोकतंत्र का सूरज उगा था। इसके बाद साल 2008 में राजशाही का सफाया हो गया। यह विडंबना देखिए कि लोकतंत्र स्थापित होने के 32 साल में यहां 32 सरकारें रही हैं। 2008 के बाद से अब तक पिछले 14 साल में 10 सरकारें आई-गई हैं। यह लोकतंत्र की विफलता की कहानी है। साल-दर-साल बदलते गठबंधनों और सरकारों से नेपाल के लोगों की राजनीतिक व्यवस्था में आस्था कम हुई है। देश के आर्थिक हालात भी बहुत अच्छे नहीं हैं। इस बार चुनाव मैदान में प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के नेतृत्व में सत्ताधारी गठबंधन है। इस गठबंधन में उनकी पार्टी नेपाली कांग्रेस के अलावा पुष्प कमल दहाल प्रचंड की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल माओवादी सेंटर (सीपीएन-एमसी) और माधव कुमार नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल- यूनिफाइड सोशिलस्ट (सीपीएन-यूएस) हैं। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व में विपक्ष का गठबंधन है। इसमें कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनाइटेड मार्कसिस्ट (सीपीएन-यूएमएल) के साथ राजशाही समर्थक और हिंदूवादी पार्टी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) है। नेपाल में पुराने राजनेताओं पर लगे भ्रष्टाचार और अव्यवस्था के आरोपों की वजह से छोटी पार्टियां पनपी हैं। इस बार कई स्वतंत्र उम्मीदवार और छोटी पार्टियां भी मैदान में हैं। नेशनल इंडिपेंडेंट पार्टी भी कई सीटों पर पुरानी पार्टियों को चुनौती दे रही है। भारत की नेपाल के इस राजनीतिक घटनाक्रम पर नजर है। भारत के अपने पड़ोसी नेपाल से हमेशा मजबूत संबंध रहे हैं लेकिन हाल के वर्षों में तल्खी आई है। इसकी वजह पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का वादा भी काफी हद तक जिम्मेदार है। उन्होंने लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधारा को नेपाल में शामिल करने का वादा किया था। भारत इन्हें उत्तराखंड प्रांत का हिस्सा मानता है। 2015 में नेपाल ने संविधान में बदलाव किया था। इसके बाद भारत ने नेपाल से दूरी बना ली थी। 2018 से लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधारा की वजह से जारी तनाव अब तक पूरी तरह शांत नहीं हुआ है। नेपाल और चीन के बीच बढ़ती दोस्ती ने इस तनाव की लपटों को तेज किया है। बहरहाल नेपाल में राजनीतिक स्थिरता सबसे बड़ी समस्या है। पांच साल का कार्यकाल पूरा किए गिरती सरकारों से देश राजनीतिक संकट से जूझ रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इन चुनावों से नेपाली जनता को कोई फायदा नहीं मिलने वाला है। राजनीतिक संकट आगे भी बरकरार रहने वाला है। कुछ विश्लेषक तो त्रिशंकु नतीजे आने की भविष्यवाणी कर चुके हैं। चुनाव पर करीब नजर रखने वाले राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने त्रिशंकु संसद और एक ऐसी सरकार के गठन का अनुमान जताया है, जो नेपाल में आवश्यक राजनीतिक स्थिरता प्रदान नहीं कर पाएगी। नेपाल में लगभग एक दशक तक रहे माओवादी उग्रवाद के खात्मे के बाद से संसद में राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है और 2006 में गृह युद्ध के खत्म होने के बाद से कोई भी प्रधानमंत्री अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया है। नेतृत्व में बार-बार बदलाव और राजनीतिक दलों के विवाद को भी देश के धीमे आर्थिक विकास का कारण बताया जाता है।

देश दुनीया से

बुलंद भारत का सपनाबुलंद भारत का सपना

आदमी उम्र से नहीं, विचारों से बूढ़ा होता है। जब हम नए विचार ग्रहण करना बंद कर देते हैं तो हम बूढ़े हो जाते हैं। युवा शक्ति की प्रशंसा इसीलिए की जाती है कि उनमें ऊर्जा तो बहुत होती है, पर पूर्वाग्रह नहीं होता और वे दूसरों के दृष्टिकोण के प्रति खुले दिमाग से सोचते हैं। बुलंद भारत का सपना साकार करने के लिए खुला दिमाग, दूसरों के नजरिए के प्रति सहनशीलता, नई बातें सीखने का जज्बा, काम से जी न चुराना, तकनीक का लाभ उठाने की योग्यता, प्रगति और रोजगार के नए और ज्यादा अवसर, आपसी भाईचारा तथा देश और क्षेत्र का समग्र विकास हमारा लक्ष्य होना चाहिए। भारतीय संविधान की मूल भावना को 'जनता द्वारा, जनता के लिए, जनता की सरकार' के रूप में व्यक्त किया गया है। दूसरे शब्दों में इसे 'जनता की सहभागिता के द्वारा शासन' कहा जा सकता है, यानी हमारे संविधान निर्माता हर स्तर पर आम आदमी, सरकार और प्रशासन में उसकी भागीदारी को सर्वोच्च प्राथमिकता देते थे। भारतीय प्रशासनिक एवं राजनीतिक प्रणाली की संरचना इस प्रकार की गई थी कि यह एक लोक कल्याणकारी राज्य बने, जिसमें हर धर्म, वर्ग, जाति, लिंग और समाज के व्यक्ति को देश के विकास में भागीदारी के बराबर के अवसर मिलें। हमारे देश में संसदीय प्रणाली लागू है जिसमें संसद सर्वोच्च है क्योंकि वह कानून बनाती है, न्यायपालिका उनकी व्याख्या करती है और कार्यपालिका उन कानूनों के अनुसार शासन चलाती है। संसद की सर्वोच्चता का दूसरा अर्थ यह है कि मंत्रिगण अपने हर कार्य के लिए संसद के प्रति उत्तरदायी हैं और यदि प्रधानमंत्री या उनकी मंत्रिपरिषद का कोई सदस्य ऐसा करने में विफल रहे तो संसद उन्हें हटा दे। परिकल्पना के रूप में यह एक उत्तम विचार है, लेकिन व्यावहारिक स्थिति का विश्लेषण किए बिना किसी निर्णय पर पहुंचना तर्कसंगत नहीं है। भारतीय संसदीय व्यवस्था में दिखने में सरकार के तीनों अंग, यानी विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका स्वतंत्र हैं, लेकिन व्यवहार में बड़ा फर्क है क्योंकि कार्यपालिका में शामिल लोगों का संसद के किसी सदन, यानी विधायिका का सदस्य होना आवश्यक है। इसका परिणाम यह है कि कार्यपालिका कानून बनाती भी है, उन्हें लागू भी करती है और शासन भी चलाती है। कार्यपालिका, यानी सरकार के पास सिर्फ कानून बनाने और शासन करने की दोहरी शक्तियां ही नहीं हैं, बल्कि व्यवहार में ये शक्तियां लगभग असीमित हैं। बहुमत होने के कारण सरकार द्वारा संसद में पेश किया गया हर बिल कानून बन जाता है। संसद में विपक्ष का लाया कोई बिल पास नहीं होता। अतः संसद के आधे सदस्य तो विधायिका में होते हुए भी अप्रासंगिक हो जाते हैं। यही नहीं, दरअसल खुद संसद ही अप्रासंगिक है। एक मजबूत प्रधानमंत्री कैबिनेट की सहमति के बिना भी शासन चला सकता है, अध्यादेशों के सहारे शासन चला सकता है और संसद को बाईपास कर सकता है। इससे सरकार निरंकुश हो जाती है। स्पष्ट है कि संसद सर्वोच्च नहीं है, सरकार ही कार्यपालिका भी है और विधायिका भी। यही नहीं, न्यायपालिका की सर्वोच्च नियुक्तियां करने का अधिकार भी सरकार के पास है। शक्तियों के इस गड्डमड्ड से हमारी शासन व्यवस्था जड़ तक दूषित हो गई है। देश का आम नागरिक राज्य सरकारों के संपर्क में होता है, केंद्र के नहीं, और राज्य सरकारों की हालत इतनी खस्ता है कि धन के मामले में वे पूरी तरह से केंद्र पर निर्भर हैं। जब राज्य सरकारें इतनी विवश हैं, तो वे नागरिकों का भला क्या करेंगी? अमरीका में लागू राष्ट्रपति प्रणाली में संसद का चुनाव सीधे होता है और वह कानून बनाती है। उसका कोई सदस्य सरकार में शामिल नहीं होता और कानून लागू करने या शासन चलाने में उसकी कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं है। कार्यपालिका के लिए राष्ट्रपति का चुनाव होता है, वह अपने सहयोगी चुनता है जिनका राजनीति में होना या न होना आवश्यक नहीं है। अतः वे विशेषज्ञ भी हो सकते हैं।

> भारतीय प्रशासनकि एवं रानजीतिक प्रणाली की संरनचा इस प्रकार की गई थी कि यह एक लोक कल्याणकारी राज्य नबे, जिसमें हर धर्म, वर्ग, जाति, लिंग और समाज के व्यक्ति को देश के विकास में भागीदारी के बराबर के अवसर मिलें। हमारे देश में संसदीय प्रणाली लागू है जिसमें संसद सर्वोच्च है क्योंकि वह कानून नबाती है, न्यायपालिका उनकी व्याख्या करती है और कार्यपालिका उन कानूनों के अनुसार शानस चलाती है। संसद की सर्वोच्चता का दूसरा अर्थ यह है कि मंत्रिगण अपने हर कार्य के लिए संसद के प्रति उत्तरदायी हैं और यदि प्रधानमंत्री या उनकी मंत्रिपरिषद का कोई सदस्य ऐसा कनरे में विफल रहे तो संसद उन्हें हटा दे।

अफगानिस्तान में रुकी हुई 20 परियोजनाओं पर फिर से काम शुरू कर सकता है भारत, तालिबान ने दिए संकेत

काबुल।

अफगानिस्तान के तालिबान शासन की ओर से बुधवार को कहा गया है कि अफगानिस्तान में रुकी हुई 20 परियोजनाओं को भारत फिर से शुरू कर सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान के शहरी विकास और आवास मंत्रालय (एमयूडीएच) ने कहा कि भारतीय दूतावास के प्रभारी भारत कुमार ने दोनों देशों के बीच संबंधों को सुधारने और अफगानिस्तान में दिल्ली की परियोजनाओं को फिर से शुरू करने में भारत की रुचि व्यक्त की है। कुमार ने अफगानिस्तान के शहरी विकास और आवास मंत्री हमदुल्ला नोमानी के साथ काबुल में बैठक को दौरान यह टिप्पणी की। एमयूडीएच के प्रवक्ता मोहम्मद कमाल अफगान ने कहा कि जो परियोजनाएं पूर्व सरकार के दौरान शुरू की गई थीं, लेकिन राजनीतिक परिवर्तन या अन्य मुद्दों के कारण इसमें देरी हुई, भारत अब इन परियोजनाओं को फिर से शुरू करने में रुचि रखता है।

अर्थशास्त्रियों ने दी अपनी राय - इस मामले में अर्थशास्त्रियों ने कहा कि उनका मानना है कि परियोजनाओं के कार्यान्वयन से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और देश में विकास को बढ़ावा मिलेगा। अर्थशास्त्री दरिया खान बहीर ने कहा कि इन परियोजनाओं के फिर से शुरू होने से लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा हो सकते हैं और यह लोगों की आय को बढ़ावा दे सकती है। साथ ही अफगानिस्तान को राजनीतिक अलगाव से बाहर निकाल सकती है। एक अन्य अर्थशास्त्री नाजकमिर जिरमल ने कहा कि इन परियोजनाओं के फिर से शुरू होने से गरीबी और बेरोजगारी के स्तर में कमी आएगी।

भारतीय व्यापारियों से निवेश का आग्रह - इस बीच कहा कि शहरी विकास और भूमि मामलों के कार्यवाहक मंत्री मौलवी हमदुल्ला नुमानी ने भारतीय व्यापार समुदाय से अफगानिस्तान के शहरी विकास क्षेत्र में निवेश करने का आग्रह किया था। मंत्रालय ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा कि कार्यवाहक मंत्री नोमानी ने काबुल में भारतीय दूतावास के प्रभारी से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान कार्यवाहक मंत्री नोमानी ने कहा कि भारतीय व्यवसायी शहरी और आवास क्षेत्र में निवेश कर सकते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

यूरोपीय संघ ने कहा- रूस के युद्ध अपराधों की जांच करे विशेष कोर्ट

ब्रुसेल्स । यूरोपीय संघ (ईयू) ने यूक्रेन में रूस द्वारा किए गए संभावित युद्ध अपराधों की जांच करने के लिए संयुक्त राष्ट्र समर्थित एक विशेष अदालत स्थापित किए जाने और युद्धग्रस्त देश के पुनर्निर्माण के लिए रूस की फ्रीज की गई संपत्ति का इस्तेमाल करने का प्रस्ताव रखा है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन देर लेयेन ने कहा कि ईयू इसके लिए वैश्विक समर्थन जुटाने के वास्ते अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के साथ मिलकर काम करने को तैयार है। उन्होंने कहा, हम अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत के काम को समर्थन देना जारी रखेंगे। रूसी सेना पर आरोप है कि उसने 24 फरवरी को युद्ध शुरू करने के बाद से कीव के उपनगर बुका में कई लोगों की हत्या की और मैरियूपोल के एक थिएटर में 16 मार्च की गई बमबारी में आम लोगों पर हमले किए जिसमें 600 लोगों की मौत की आशंका है। यूरोप और हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत यूक्रेन में युद्ध के दौरान किए गए सैन्य अपराधों की जांच कर रही है। यूक्रेन की प्रथम महिला ओलेना जेलेंस्की ने भी अपील की कि यूक्रेन में आक्रमणकारियों को जवाबदेह बनाया जाए। लेयेन ने बुधवार को कहा कि ईयू चाहता है कि प्रतिबंधों के तहत फ्रीज की गई रूसी संपत्ति का इस्तेमाल पड़ोसी यूक्रेन में हुए विनाश के भुगतान के लिए किया जाए। उन्होंने अनुमान जताया कि यूक्रेन में 600 अरब यूरो का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि रूस भुगतान करे। कीव। रूस के साथ जारी जंग के बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अहम बयान दिया है। जेलेंस्की ने रूसी सैनिकों को होने वाले भारी नुकसान को लेकर आगाह किया है। उन्होंने कहा कि इस साल के अंत तक रूस अपने एक लाख सैनिकों को गंवा देगा। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने देश को वीडियो के जरिये संबोधित करते हुए यह भी कहा कि अग्रिम मोर्चे पर हालात बहुत ही कठिन हैं।

अमेरिका बोला- पाकिस्तान के साथ चाहते हैं दीर्घकालिक संबंध, मुनीर के आर्मी चीफ बनने पर कही यह बात

वॉशिंगटन । पाकिस्तान में नए सेना प्रमुख असीम मुनीर ने पदभार संभाल लिया है। इस मौके पर अमेरिका ने पाकिस्तान के साथ दीर्घकाल तक संबंध व सहयोग जारी रखने की मंशा जताई है। यह भी कहा कि लोकतांत्रिक पाकिस्तान अमेरिकी हितों के लिए महत्वपूर्ण है। लेफ्टिनेंट जनरल असीम मुनीर ने मंगलवार को औपचारिक रूप से पाकिस्तानी सेना के नए प्रमुख के रूप में कमान संभाल ली है। मुनीर के नए पाक जनरल बनने पर व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैराइन जीन-पियरे ने वॉशिंगटन में नियमित संवाददाता सम्मेलन में में उक्त बातें कहीं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव पियरे ने कहा कि अमेरिका पाकिस्तान के साथ दीर्घकालिक सहयोग को महत्व देता है। हम समृद्ध और लोकतांत्रिक पाकिस्तान को अमेरिकी हितों के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं। पाकिस्तान में नए जनरल व सत्ता परिवर्तन को लेकर एक सवाल के जवाब में पियरे ने कहा कि अमेरिका पाकिस्तान और क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए उसके साथ काम करते रहने का इच्छुक है।

आईएसआईएस का सरगना अबू हसन मारा गयाः 9 महीने पहले बना था संगठन का लीडर

दमिश्क। आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया का चीफ अबू हसन अल हाशिमी मारा गया है। इसी संगठन के प्रवक्ता ने उसकी मौत की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि दुश्मनों से लड़ाई के दौरान चीफ की मौत हो गई। 9 महीने पहले ही उसे संगठन का लीडर बनाया गया था। अबू हसन के मारे जाने के बाद संगठन के नए चीफ का भी ऐलान कर दिया गया है। अब आईएसआईएस का नया चीफ अबू अल-हुसैन अल-हुसैनी अल-कुरैशी होगा। आईएसआईएस प्रवक्ता ने चीफ की मौत की पुष्टि तो कर दी, लेकिन यह नहीं बताया कि उसकी मौत कैसे हुई किस संगठन या आर्मी से लड़ते वक्त वह मारा गया है इन सभी बातों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। फरवरी 2022 में अमेरिका ने आईएसआईएस के पुराने चीफ इब्राहिम अल हाशमी अल कुरैशी को मार गिराया था।

चीन के जिबूती प्लान से भारत को खतरा

अपने पहले विदेशी मिलिट्री बेस पर तैनात करेगा वॉरशिप-सबमरीन; अमेरिकी रिपोर्ट में इसकी पुष्टि

वॉशिंगटन/जिबूती सिटी।

चीन के जिबूती प्लान से भारत को खतरा हो सकता है। जिबूती में चीन अपने पहले विदेशी मिलिट्री बेस पर एयरक्राफ्ट कैरियर, बड़े वॉरशिप्स और सबमरींस को तैनात कर सकता है। अमेरिकी रक्षा विभाग की सालाना रिपोर्ट में यह बात कही गई है। यह रिपोर्ट यूएस कांग्रेस में पेश की गई है, जिसे रविवार यानी 27 नवंबर को जारी किया गया। अमेरिकी रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के इस कदम से हिंद महासागर क्षेत्र में भारतीय नौसेना के लिए गंभीर सुरक्षा चुनौतियां पैदा हो सकती हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक 590 मिलियन डॉलर की लागत यहां साल 2016 से ही कंस्ट्रक्शन जारी है। यह नेवल बेस बनाने के बाद चीन ने हिंद महासागर से लेकर साउथ चाइना सी तक अपनी ताकत का विस्तार कर रहा है। यह बेस स्ट्रैटेजिक तौर अहम बाब-अल-मंडेब स्ट्रैट के पास स्थित है। यह स्ट्रैट अदन की खाड़ी और लाल सागर को अलग करता है। जिबूती एक व्यस्ततम शिपिंग रूट के (स्वेज नहर) रास्ते में पड़ने वाला देश है।

अफ्रीका के बाकी पड़ोसी देशों के मुकाबले जिबूती के राजनीतिक हालात स्थिर हैं। नेवल बेस के जानकार एच आई सटन ने बताया था कि जिबूती बेस को स्पष्ट तौर पर सीधे हमले का सामना करने के लिए डिजाइन किया जा रहा है।

बेस पर शिप की तैनाती दिखी - चीन के जिबूती प्लान से जुड़ी तस्वीरें सामने आई हैं। मैक्सार की सैटेलाइट तस्वीरों में एक चीनी युझाओ क्लास (टाइप-071) लैंडिंग शिप दिखाई दी थी। इसे 320 मीटर लंबे डॉकयार्ड पर डॉक किया गया है। इस डॉकयार्ड पर हेलिकॉप्टर उतारने की भी सुविधा है। वाइस एडमिरल शेखर सिन्हा (रिटायर्ड) ने कहा था कि बेस पूरी तरह से ऑपरेशनल दिखाई दे रहा है। अभी और कंस्ट्रक्शन वर्क होने की संभावना है।

चीनी टाइप-071 लैंडिंग शिप का आकार काफी बड़ा है। यह अपने साथ कई टैंक, ट्रक और होवरक्राफ्ट ले जा सकता है। नेवी के जानकार सटन ने बताया कि चीनी फ्लीट में और भी ताकतवर जहाज शामिल हो रहे हैं। इनके आकार और क्षमता के आधार पर कहा जा सकता है कि इनका इस्तेमाल अहम रसद सप्लाई और ट्रांसपोर्ट मिशन के लिए किया जा रहा है।

जमीनी-हवाई हमलों से निपटने में सक्षम हैं युझाओ क्लास शिप - युझाओ क्लास के शिप्स को चीनी टास्क फोर्स के सबसे अहम वॉरशिप के तौर पर डिजाइन किया गया है। ये शिप जमीनी और हवाई हमलों से भी निपटने में सक्षम हैं। चीनी नेवी ने अलग-अलग चरणों में इस कैटेगरी के कुल 8 शिप्स को अपनी फ्लीट में कमीशन किया है। इस बेस पर एक और चीनी शिप 'चांगबाई शान' की मौजूदगी देखी गई है। यह एक बड़ा 25,000 टन का जहाज है, जिसे 800 सैनिकों और वाहनों, एयर-कुशन लैंडिंग क्राफ्ट और हेलिकॉप्टर ले जाने करने के लिए डिजाइन किया गया है। माना जा रहा है कि इसने इसी साल एक फ्रंटलाइन चीनी डिस्ट्रॉयर के साथ हिंद महासागर के पानी में प्रवेश किया।

चीनी कर्ज के तले दबा है जिबूती - जिबूती में पूरी चीनी नेवल बेस की तस्वीरें उस समय आई है, जब चीन ने श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह में 25,000 टन के सैटेलाइट और बैलिस्टिक मिसाइल ट्रैकिंग शिप युआन वांग 5 को डॉक किया है। जासूसी के खतरे को देखते हुए भारत ने इसे लेकर श्रीलंका के सामने विरोध दर्ज कराया था। श्रीलंका और जिबूती दोनों देशों में चीन की उपस्थिति लांग टर्म बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत दोनों देशों में उसके आर्थिक निवेश से जुड़ी हुई है। जिबूती भी चीन के कर्ज तले दबा हुआ है। यह कर्ज जिबूती की जीडीपी के 70प्रतिशत से ज्यादा है। वहीं, चीन ने 99 साल के जरिए श्रीलंका के पोर्ट पर कब्जा कर लिया है।

चीन की समुद्री प्रभाव बढ़ाने की रणनीति - इंडियन नेवी के पूर्व चीफ एडमिरल अरुण प्रकाश ने बताया कि भारत को चीन के समुद्री इरादों या क्षमताओं के बारे में कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। उन्हें अफ्रीकी देश में स्टैंडिंग पेट्रोल चालू किए 14 साल हो चुके हैं। शुरू में हमें संदेह था कि चीन इतनी दूर की बेस को कैसे ऑपरेट कर सकता है। लेकिन उन्होंने दिखाया है कि वे ऐसा कर सकते हैं। उन्होंने 6 से 9 महीनों तक शिप्स को स्टेशन पर तैनात रखा है।

अमेरिका के विदेश मंत्री ने कहा- कोविड प्रदर्शनकारियों के खिलाफ चीन की कार्रवाई कमजोरी का संकेत

वाशिंगटन ।

पिछले तीन सालों में कोविड के दौरान लाखों लोग लॉकडाउन से प्रभावित हुए हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बुधवार को प्रदर्शनकारियों के खिलाफ चीन की दमनकारी बताते हुए कहा कि लॉकडाउन कमजोरी का संकेत है। चीन को इस मुद्दे पर कड़े कदम उठाने चाहिए।

ब्लिंकन ने कहा कि चीन के लोग अपने मुद्दे को उठाने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन सरकार उन्हें रोकने के लिए बड़े पैमाने पर दमनकारी कार्रवाई कर रही है, यह ताकत का संकेत नहीं है, बल्कि यह कमजोरी का संकेत है। कोविड लॉकडाउन को लेकर चीन में विरोध के बारे में एक सवाल के जवाब में अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि उनकी स्थिति के बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता लेकिन मैं जो कह सकता हूं वह यह है कि सबसे पहले, शून्य -सीओवीआईडी नीति जो हमने चीन में देखी है वह कुछ ऐसा नहीं है जो हम करेंगे और हम यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं कि लोगों के पास सुरक्षित और प्रभावी टीके हैं, हमने परीक्षण किया है, कि हमारे पास उपचार है, और यह प्रभावी साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि चीन को एक ऐसा तरीका निकालना होगा जो स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के लिए जरूरती हो और कोविड से निपट सके।

बता दें कि, चीन की जीरो कोविड पॉलिसी लेकर चीन के लोग आंदोलनरत है। हाल ही में देशभर के कई हिस्सों में कम्युनिस्ट पार्टी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन देखने को मिले। इस बीच, प्रदर्शनों की जांच कर रही दंगारोधी पुलिस ने मंगलवार रात ग्वांगझू में उनसे भी पूछताछ की, जो सरकार विरोधी प्रदर्शनों में शामिल नहीं थे। इससे लोगों का गुस्सा और भड़का और पुलिस के साथ हाथापाई भी हुई। इसके बाद प्रशासन को बुधवार को शहर के कई इलाकों में प्रतिबंधों में ढील देने को मजबूर होना पड़ा है। वहीं, प्रदर्शनों की व्यापकता को देखते हुए शी जिनपिंग सरकार ने कई प्रमुख शहरों में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात कर दिया है। पूर्वी शहर शुझोऊ में टैंक तैनात किए जाने की खबर है। इसके अलावा, लोगों को मोबाइल और अन्य उपकरणों की जांच की जा रही है। प्रदर्शनों से जुड़े वीडियो डिलीट किए जा रहे हैं। इंटरनेट पर भी अंकुश लगाया गया है।

स्टेम सुपरस्टार बनीं तीन भारतवंशी, प्रौद्योगिकी इंजीनियरिंग व गणित के 60 वैज्ञानिकों में बनाई जगह

मेलबर्न।

भारतीय मूल की तीन महिलाओं को ऑस्ट्रेलिया की स्टेम (एसटीईएम) सुपरस्टार के तौर पर चुना गया है। उन्होंने 60 वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों, इंजीनियरों और गणितज्ञों में अपनी जगह बनाई है। नीलिमा कडियाला, डॉ. एना बाबूरमानी और डॉ. इंद्राणी मुखर्जी ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) के 60 शीर्ष वैज्ञानिकों की सूची में अपनी जगह बनाई है। श्रीलंकाई मूल की महिला वैज्ञानिकों को भी इस सम्मान के लिए चुना गया है। मीडिया रिपोर्ट में बुधवार को यह जानकारी दी गई। ऑस्ट्रेलिया के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एसटीए) ऐसी पहल है, जिसका उद्देश्य वैज्ञानिकों के बारे में समाज की लैंगिक धारणाओं को तोड़ना है। एसटीए 1,05,000 वैज्ञानिकों-प्रौद्योगिकी क्षेत्र से जुड़े लोगों का प्रतिनिधित्व करता है।नीलिमा कडियाला: चैलेंजर लिमिटेड में एक आईटी प्रोग्राम मैनेजर हैं। उन्हें वित्तीय सेवाओं, सरकार और एफएमसीजी सहित कई उद्योगों में 15 से अधिक वर्षों का अनुभव है। रिपोर्ट के मुताबिक, वह सूचना प्रणाली में मास्टर ऑफ बिजनेस के लिए 2003 में ऑस्ट्रेलिया चली गई थी। डॉ. एना बाबूरमानी: रक्षा विभाग विज्ञान और प्रौद्योगिकी समूह में एक वैज्ञानिक सलाहकार हैं।

यूएस में बढ़ती अंधाधुंध फायरिंग से मित्र देश चिंतितः ब्रिटेन समेत 10 देशों ने अपनों से कहा- अमेरिका अब पहले जैसा सुरक्षित नहीं

वॉशिंगटन।

अमेरिका दूसरे देशों में आतंकवाद और अराजकता की घटनाओं को लेकर समय-समय पर अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी करता आया है। इसमें यात्रा को लेकर अलग-अलग स्तर की सलाह दी जाती है। लेकिन उसके मित्र देश भी वहां लगातार हो रही शूटिंग की घटनाओं से चिंतित हैं। उनकी एडवाइजरी में यह चिंता साफ दिखाई देती है। एडवाइजरी में कहा जाता है कि अब अमेरिका पहले से अधिक हिंसक हो गया है। हालांकि पर्यटकों को निशाना नहीं बनाया जाता। लेकिन एहतियात रखने को कहा जाता है। एडवाइजरी जारी करने वाले देशों में अमेरिका के मित्र देश ऑस्ट्रेलिया, जापान, फ्रांस, कनाडा, ब्रिटेन, इजरायल समेत करीब 10 देश शामिल हैं।

शूटिंग की घटनाओं में फंसने पर बचने की तरकीब सिखा रहा जापान

ऑस्ट्रेलिया : अमेरिका जाने वालों को एक्टिव शूटर ड्रिल की सलाह दे रहा है। लोगों को बताया जाता है कि अमेरिका में हथियार रखने की छूट है। शूटिंग कहीं भी हो सकती है।

कनाडा : अपने लोगों से कहता है कि पर्यटक निशाने पर नहीं होते, पर गलत जगह पर फंस सकते हैं। अमेरिका-मैक्सिको सीमा कार से पार करते हुए ड्रग ट्रैफिकिंग, अपराधियों से बचें।

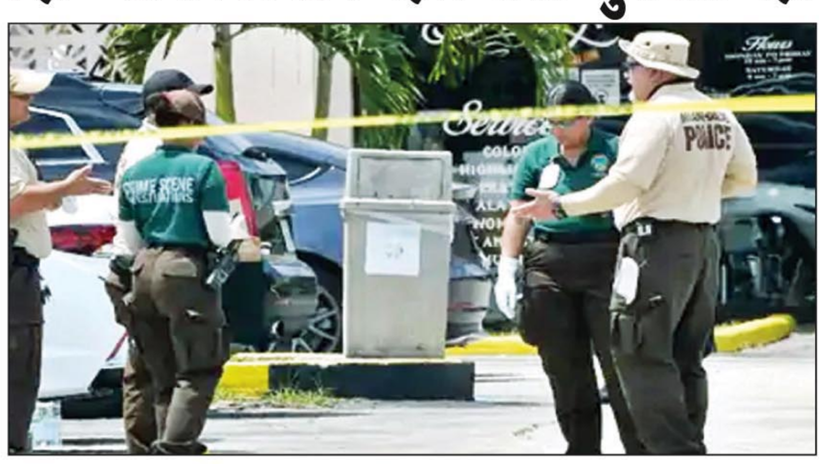

ब्रिटेन : शूटिंग के बारे में अपरिचित इलाकों में सावधान रहने, रात में अकेले जाने से बचने की सलाह।

जापान : गोलीबारी में फंसने पर बचने की तरकीबें बताई जाती हैं।

इजरायल : आतंकी वारदात को लेकर अलर्ट करता है। हालांकि यह सामान्य होती है।

न्यूजीलैंड : नागरिको से कहता है कि जिस इलाके में जाना है, वहां की पूरी जानकारी रखें।

फ्रांस : अमेरिका के शहरी इलाकों और कार से अगवा करने की घटनाओं को लेकर अमेरिकी जाने वाले अपने नागरिकों को आगाह करता है।

जर्मनी : नागरिकों से कहता है कि अमेरिका में गन का इस्तेमाल ज्यादा है। ऐसे में जमावड़ों और पुलिस की झड़पों से दूर रहें।

इमरान का फौज पर तंजः नए आर्मी चीफ को बधाई दी, कहा- ये मत भूलिए कि अवाम मालिक और आप सेवक हैं

इस्लामाबाद।

जनरल आसिम मुनीर पाकिस्तान के नए आर्मी चीफ बन गए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के विरोधी माने जाने वाले मुनीर सख्त मिजाज और करप्शन से नफरत करने वाले अफसर माने जाते हैं। बहरहाल, मुनीर के आर्मी चीफ बनने के बाद इमरान ने उन्हें बधाई तो दी, साथ ही तंज भी कस दिया। माना जा रहा है कि आने वाले वक्त में फौज और इमरान के रिश्ते ज्यादा तल्ख हो सकते हैं। इमरान ने कहा- फौज के नए सर्वरा (प्रमुख) को बधाई। आपके सामने कई मुश्किल चुनौतियां होंगी। यह भी याद रखें कि अवाम यानी जनता ही पाकिस्तान की असली मालिक है और आप उसके सेवक हैं।

बोले इमरान - मंगलवार को जनरल आसिम मुनीर ने नए आर्मी चीफ का चार्ज संभाला। उनके साथ जनरल साहिर शमशाद मिर्जा ने चीफ कमांडिंग ऑफिसर का चार्ज लिया। इमरान ने दोनों अफसरों को रस्मी तौर पर बधाई दी। सोशल मीडिया पर कहा- 8 महीने से मुल्क में फौज और अवाम के बीच तनाव चल रहा है। उम्मीद है नई मिलिट्री लीडरशिप भरोसे में आई कमी को दूर करेगी। खान ने पाकिस्तान के फाउंडर मोहम्मद अली जिन्ना के बयान का जिक्र करते हुए कहा- आपको (फौज) यह हमेशा याद रखना चाहिए कि इस मुल्क का अवाम ही असली मालिक है। आप उसके सेवक हैं। आप नेशनल पॉलिसी नहीं बना सकते। हम यानी आम लोग ही वो ताकत हैं जो मुद्दे तय करेंगे और आपकी यह जिम्मेदारी है कि आप इन्हें हल करने में हमारी मदद करेंगे।

अगस्त 2018 में इमरान प्रधानमंत्री बने। उन्हें हमेशा इलेक्टेड के बजाए सिलेक्टेड प्राइम मिनिस्टर कहा गया। इसकी वजह यह है कि खान को सत्ता तक लाने का श्रेय फौज और पूर्व आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा को दिया जाता है। इमरान जब प्रधानमंत्री बने तो उस वक्त आसिम मुनीर आईएसआई के चीफ थे। उन्होंने जब इमरान को यह बताया कि उनकी पत्नी बुशरा बीबी, उनके पूर्व शौहर और दोस्त फराह गोगी जबरदस्त करप्शन कर रहे हैं, तो खान ने बजाए एक्शन लेने के मुनीर को ही आईएसआई चीफ की पोस्ट से हटा दिया। खान ने अपने करीबी दोस्त और लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद को इस पद पर तैनात किया। खास बात यह है कि जैसे ही मुनीर को आर्मी चीफ बनाए जाने का ऐलान हुआ, वैसे ही हमीद ने इस्तीफा दे दिया। दरअसल, अलग-अलग जरियों से यह कोशिश कर रहे थे कि फैज हमीद को ही आर्मी चीफ बनाया जाए। हालांकि, उनकी इस मामले में नहीं चली और मुनीर को प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने आर्मी चीफ बना दिया।अब इमरान इसी बात की खीज निकाल रहे हैं कि उनके चहेते हमीद को आर्मी चीफ क्यों नहीं बनाया गया। यही वजह है कि उन्होंने नए आर्मी चीफ को बधाई तो दी, लेकिन इसके साथ तंज भी कस दिया।

रिटायरमेंट डेट से एक दिन पहले सोमवार को जनरल बाजवा ने राष्ट्रपति आरिफ अल्वी और प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से मुलाकात की थी। इसके बाद शरीफ ने कहा था- बाजवा साहब की वजह से ही हम एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट, कोरोना वायरस और बाढ़ जैसे मुश्किल हालात से निकल सके।

पुलिस और गैंगस्टरों के बीच मुठभेड़, दो गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिस)। पंजाब के अमृतसर में गुरुवार को दिन-दहाड़े पुलिस तथा गैंगस्टरों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि आरोपितों के साथी फरार होने में कामयाब हो गए। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने पूरे इलाके में सर्च आप्रेशन चलाया। पुलिस तथा गैंगस्टरों के बीच करीब आधे घंटे तक घनी आबादी वाले क्षेत्र में फायरिंग हुई। इस बीच आम जनता को किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। अमृतसर के पुलिस आयुक्त जसकरण सिंह ने बताया कि घटना छेहर्टा एरिया के तहत आते नारायणगढ़ में 40 फीट रोड पर हुई। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक कार में कुछ गैंगस्टर आ रहे हैं। इसके बाद पुलिस ने 40 फीट रोड पर नाका लगा दिया। जब नाके पर तैनात पुलिस ने एक इनोवा कार को रुकने का इशारा किया तो उसमें मौजूद गैंगस्टरों ने फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग के दौरान गैंगस्टर क्षेत्र की संकरी गलियों से होते हुए एक घर में घुस गए। घरों में मौजूद महिलाओं तथा बच्चों ने बाहर भागना शुरू कर दिया। आसपास के दुकानदारों ने दुकानें बंद कर दी। जिसके बाद आरोपित घर से बाहर निकले और भागने के लिए फायरिंग शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि गोलियां चलने से मौके पर अफरा-तफरी सी मच गई और पुलिसवालों ने किसी तरह जान बचाई। इसी का फायदा उठाकर गैंगस्टर गाड़ी में भाग निकले। इसके बाद पुलिस ने उनकी गाड़ी का पीछा करते हुए जवाबी फायरिंग की। खुद को घिरता देखकर गैंगस्टर पुलिस से बचने के लिए एक घर में घुस गए। इसके बाद पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया। सर्च ऑपरेशन चलाकर घर में घुसे दो गैंगस्टरों को पकड़ लिया गया। गिरफ्तार गैंगस्टरों के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। पुलिस आयुक्त के अनुसार आरोपित एक इनोवा कार में थे। आशंका जताई जा रहे है कि पकड़े गए आरोपितों के तीन से चार साथी फरार हुए हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

चुनाव में गोली चलाने वाले तीन आरोपी अरेस्ट

पलवल (हिस)। पंचायत चुनाव के दौरान मतदान केंद्र पर गोलियां चलाने और पथराव करने के मामले में स्पेशल डिटेक्टिव स्टाफ पलवल के द्वारा तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के द्वारा 96 नामजद सहित करीब 50 अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोपियों से तीन देशी कट्टा व अन्य सामान बरामद किया गया है। स्पेशल डिटेक्टिव स्टाफ पलवल प्रभारी सुरेश कुमार ने गुरूवार को जानकारी देते हुए बताया कि 25 नवंबर को पंचायत चुनावों के लिए मतदान चल रहा था गांव आली मेव में मतदान केंद्र पर गोलियां चलाई गई और पथराव किया गया जिसके चलते मतदान प्रभावित हुआ। जिला पुलिस कप्तान के दिशा निर्देश अनुसार इस मामले में 96 नामजद लोगों सहित 50 अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में डिटेक्टिव स्टाफ पलवल ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है और तीनों के पास से तीन देसी कट्टा वह डंडे बरामद किए हैं। आरोपियों को 27 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था जिसके बाद 3 दिन के रिमांड के बाद उन्हें अदालत पेश करके जेल भेज दिया गया है।

जम्मू-कश्मीर के लोग भाजपा की प्रॉक्सी सरकार से परेशान : डॉ. विकास

जम्मू। जम्मू और कश्मीर के लिए राज्य का दर्जा बहाल करना गरीब और असहाय जनता की पीड़ा को कम करने का एकमात्र तरीका है, जो आधिकारिक उदासीनता के कारण का अंत हैं। यह बात डॉ. विकास शर्मा समन्वयक जम्मू जिला (शहरी) और जोनल सचिव जेकेएनसी ने कही। डॉ. विकास शर्मा ने गांधी नगर में युवाओं से बातचीत करते हुए कहा कि जब से भाजपा ने सत्ता अपने हाथ में ली है, तब से अधिकांश युवा और आम जनता वर्तमान की युवा विरोधी नीतियों के कारण पूरी तरह से असंतुष्ट और हताशा की स्थिति में आ गई है। उन्होंने कहा कि बढ़ती बेरोजगारी एक ज्वलंत मुद्दा है क्योंकि वर्तमान शासन युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने में बुरी तरह विफल रहा है। उन्होंने कहा कि देश में और जम्मू-कश्मीर में भी बेरोजगारी चरम पर है, जिससे युवा अवसाद में हैं। शिक्षति युवाओं में बेरोजगारी के कारण निराशा आत्महत्या, अपराध और नशीली दवाओं की लत का कारण बन रही है। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि विभागीय दुकानों में शराब की बिक्री की अनुमति देकर सरकार जानबूझकर युवाओं को नशे की लत में डाल रही है। उन्होंने कहा मंदिरों के शहर को पहले ही शहर की शराब की दुकानों में बदल दिया गया है, क्योंकि पिछले डेढ़ साल के दौरान जम्मू शहर की हर गली में शराब की दुकानें खोली गई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार डिपार्टमेंटल स्टोर्स को बीयर और अन्य तैयार पेय बेचने की अनुमति देकर नियमों और विनियमों का उल्लंघन कर रही है। उन्होंने कहा कि आबादी वाले क्षेत्रों और धार्मिक स्थलों के पास शराब की दुकानें पहले से ही खोली जा चुकी हैं और वे विभागीय स्टोरों को बीयर और अन्य तैयार पेय बेचने की अनुमति नहीं देंगे। डॉ. विकास ने युवाओं से जम्मू-कश्मीर के युवाओं की सभी समस्याओं से निजात पाने के लिए डॉ. फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला के हाथ मजबूत करने को कहा। उन्होंने युवाओं से एकजुट होने और आने वाले विधानसभा चुनावों में नेकां को सत्ता में लाने का आग्रह किया।

माय टाउन माय प्राइड के तहत रोप स्किपिंग आयोजित

जम्मू। माय टाउन माय प्राइड के तहत युवा सर्विसेज एंड स्पोर्ट्स के और से आज बॉयज मॉडल मिडिल स्कूल बसोहली मई रोप स्किपिंग आयोजित किया गया। वार्ड नो 6 और 8 के बीच मुकाबला हुआ। इस प्रतियोगिता मै वार्ड नंबर 8 के बच्चों ने जित हासिल की। इस अवसर पर मुख्या अथिति के तोर पर बसोहली म्यूनिसिपल कमिटी के चेयरमैन सुमेश सपोलीअ मौजूद थे। खेल के सपोलीअ ने बच्चों के साथ बातचित भी की और कहा की खेल को अपनी निजी जिंदगी को अपनाना चाहिए। जोनल इंचार्ज तारा सिंह की अगुवाई मैं आयोजित प्रतियोगिता मे शारारिक शिक्षक नवीन चौधरी, दीपक चांग, सुशांत मिश्रा, समीक्षा पाठक, पूजा सेहोत्रा एवं स्कूल के शिशकों ने भी पूरा सहयोग दिया।

मोदी सरकार से हर व्यक्ति, हर समुदाय को फायदा : सुनील शर्मा

जम्मू/कुपवाड़ा। पूर्व मंत्री और जम्मू-कश्मीर भाजपा के महासचिव सुनील शर्मा ने कहा कि मोदी सरकार ने हर व्यक्ति, हर समुदाय को लाभ पहुंचाया है। सुनील शर्मा कश्मीर क्षेत्र के हंदवाड़ा, कुपवाड़ा में एक विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर भाजपा कुपवाड़ा प्रभारी अनवर खान, जिलाध्यक्ष रहमान लोन, शकीला सहित अन्य भी उपस्थित थे। विशाल रैली को संबोधित करते हुए सुनील शर्मा ने कहा कि कश्मीर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार को बढ़ता समर्थन इस बात का प्रमाण है कि कश्मीर के लोगों ने भाजपा के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के संकल्प पर भरोसा किया है। उन्होंने कहा कि लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कल्याणकारी नीतियों में अपना विश्वास दिखाया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की विभिन्न योजनाओं ने हर व्यक्ति को लाभान्वित किया है, चाहे वह किसी भी समुदाय का हो। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर, विशेष रूप से कश्मीर क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है, जिसे पहले के संसाधनों पर शासन करने वाले कुछ परिवारों द्वारा 70 वर्षो से राज्य को लूटा और शोषित किया गया था। मोदी सरकार ने समाज के सबसे उपेक्षित वर्ग को लाभ पहुंचाने के लिए विकास के हर क्षेत्र को छुआ है। सुनील शर्मा ने आगे कहा कि भाजपा जनता से संगठन द्वारा किए गए सभी वादों को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी और सभी के लिए विकास का माहौल बनाकर जमीनी स्तर पर विकास के युग की शुरुआत करेगी।

गोल्डी बराड़ को पकड़ने वाले को दो करोड़ देने की घोषणा

चंडीगढ़ (हिस)। पंजाब पुलिस की जांच को खारिज कर चुके गायक सिद्धू मूसेवाला के पिता ने गैंगस्टर गोल्डी बराड़ को पकड़वाने वाले को अपने निजी कोटे से दो करोड़ रुपए का इनाम देने का एलान किया है। सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह पंजाब पुलिस की जांच से असंतुष्ट चल रहे हैं। गुरुवार को अमृतसर में एक शादी समारोह में भाग लेने पहुंचे बलकौर सिंह ने उनका दुख साझा करने के लिए लोगों का धन्यवाद किया। बलकौर सिंह ने कहा कि पंजाब सरकार सिद्धू मूसेवाला से 2 करोड़ रुपए टैक्स वसूलती रही। मरने के बाद भी 2 करोड़ रुपए टैक्स सरकार को जा रहा है। सरकार को चाहिए कि उसके कातिल गोल्डी बराड़ को पकड़वाने वाले को 2 करोड़ रुपए देने की घोषणा करे।

मुक्तसर साहिब बीडीपीओ कार्यालय में लिखे खालिस्तानी नारे

चंडीगढ़ (हिस)। पंजाब के मुक्तसर साहिब स्थित बीडीपीओ कार्यालय परिसर में खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लिखे गए हैं। गुरुवार की सुबह कर्मचारी जब कार्यालय में आए तब उन्होंने यह नारे लिखे देखे और पुलिस को सूचित किया। घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर इन नारों को साफ किया। यह नारे दफ्तर के बाहर परिसर के अंदर एक कमरे के शटर पर तथा एक दीवार पर लिखे गए थे। खालिस्तान जिंदाबाद के अलावा किसानों की खुदकुशियों का बदला लेने की बात भी लिखी गई थी। थाना सदर पुलिस को नारे लिखे होने की जानकारी सुबह करीब आठ बजे मिली। इस पर पुलिस ने तुरंत पहुंचकर इन नारों पर कालिख पोती। ब्लाक पंचायत अधिकारी गुरमेज सिंह ने बताया कि वह करीब नौ बजे दफ्तर पहुंचे तो यहां पर पुलिस मौजूद थी। पुलिस ने उनसे भी पूछताछ की है, लेकिन उन्हें इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। क्योंकि यह नारे रात को ही अज्ञात व्यक्तियों द्वारा लिखे गए थे। इस बीच एसएफजे के गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक संदेश वायरल करके कहा कि यह नारे खालिस्तानी पक्षीय सिखों ने लिखे हैं। यह छापे लगाने वाले खालिस्तानी पक्षीय एक-47 भी उठा सकते हैं। समय बदलते देर नहीं लगती। पन्नू ने कहा कि पंजाब के किसानों को खुदकुशियां करने के लिए भगवंत मान की सरकार मजबूर कर रही है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए मिलकर काम करेंगे गुरुग्राम व मानव रचना विवि

गुरुग्राम (हिस)। गुरुग्राम विश्वविद्यालय और मानव रचना इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सहयोग विकसित करने के लिए हाथ मिलाया है। गुरुवार को कुलपति प्रो. दिनेश कुमार और चांसलर प्रशांत भल्ला की अध्यक्षता में गुरुग्राम विश्वविद्यालय और मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज फरीदाबाद के बीच एमओयू साइन किया गया। गुरुग्राम विवि की ओर से कुलपति प्रो. दिनेश कुमार एवं मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज की ओर से कुलपति डॉ. संजय श्रीवास्तव ने अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू के तहत दोनों पक्षों के शिक्षकों की भागीदारी के साथ पर्यावरण के मुद्दों और इसके अभिनव समाधानों के बारे में जागरुकता बढ़ाने, ज्ञान/नवीनतम विकास का प्रसार करने एवं अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संगोष्ठियों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं, समृद्ध व्याख्यान कार्यक्रमों का संयुक्त रूप से आयोजन किया जाएगा।

राजस्थान पुलिस के खिलाड़ी अर्जुन अवार्ड से सम्मानित

जयपुर (हिस)। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा शूटिंग एवं कबड्डी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राजस्थान पुलिस के खिलाड़ियों को राष्ट्रपति द्वारा नई दिल्ली में अर्जुन अवार्ड से सम्मानित किया गया। पुलिस महानिदेशक राजस्थान उमेश मिश्रा ने राजस्थान पुलिस के दोनों खिलाड़ियों को अर्जुन अवार्ड मिलने पर शुभकामनाएं प्रेषित की। राजस्थान पुलिस के मुख्य खेल अधिकारी जंगा श्रीनिवास राव ने बताया कि राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राजस्थान पुलिस शूटिंग टीम के खिलाडी पुलिस उप अधीक्षक (प्रशिक्षु) ओमप्रकाश मिठारवाल तथा राजस्थान पुलिस कबड्डी टीम की खिलाड़ी साक्षी कुमारी प्लाटून कमाण्डर (प्रशिक्षु) को खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

राहुल एनएसएफ का जिला महासचिव मनोनीत

जम्मू। संगठन को मजबूत करने के लिए राहुल ठाकुर को जम्मू जिला महासचिव एनएसएफ बनाया गया है, जो नेशनल सैकुलर फोरम (एनएसएफ) के सक्रिय कार्यकर्ता हैं। यह बात नेशनल सेक्युलर फोरम के जिला अध्यक्ष ने कही, जिन्होंने नव-निर्मित सचिव एनएसएफ को छात्रों के मुद्दों को उठाने और उन्हें हल करने के लिए प्रयास करने की सलाह दी ताकि छात्र बिरादरी के बीच विश्वास स्थापित किया जा सके। उन्होंने कहा कि एनएसएफ का मुख्य लक्ष्य और उद्देश्य छात्रों की समस्याओं का संज्ञान लेना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हल करना रहा है और यही कारण है कि छात्रों को एन।एस।एफ। मंच की छात्र-हितैषी नीतियों पर विश्वास है। विक्षय वशिष्ठ जम्मू जिलाध्यक्ष एनएसएफ ने छात्रों के विभिन्न मुद्दों और मांगों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर कुशासन के कारण बुरी तरह से पीड़ित है और युवाओं की शिकायतों को सुनने वाला कोई नहीं है।

यमुनानगर : तीसरी मंजिल से गिरी छात्रा, मौत

यमुनानगर (हिस)। यमुनानगर के गुरुनानक गर्ल्स कॉलेज में गुरुवार दोपहर को मानसी नाम की पास आउट एक पूर्व छात्रा कालेज की तीसरी मंजिल से गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गई। इस घटना से कालेज में हड़कंप मच गया। मानसी को निजी अस्पताल में लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। बताया जा रहा है कि मानसी यहां से अपनी पढ़ाई पूरी कर चुकी है और वह आज किस लिए कालेज में आई थी। इसकी जानकारी ली जा रही है। मानसी पेहवा के सोनसार की रहने वाली थी। सूचना मिलते ही यमुनानगर थाना प्रभारी कमलजीत अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जांच में जुट गए। थाना प्रभारी कमलजीत ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। मानसी ने इस कालेज से अपनी पढ़ाई पूरी कर चुकी थी। घटना स्थल पर उसका टूटा हुआ मोबाइल और बैग मिला है। इसकी सूचना मानसी के माता-पिता को दे दी गई है। यहां पहुंचने पर ही उनके बयान के आधार पर आगामी कार्यवाई की जाएगी।

मेगा जॉब फेयर में स्वीप स्टॉल पर पहुंचे हजारों युवा

बीकानेर(हिस)। मेगा जॉब फेयर के दौरान जिला निर्वाचन कार्यालय की स्वीप स्टॉल पर दूसरे दिन बड़ी संख्या में युवाओं ने शिरकत की। इन युवाओं को मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया गया। युवाओं को नए वोटर के पंजीयन, वोटर कार्ड को आधार से लिंक करने, मतदाता का नाम वोटर लिस्ट से हटाने आदि की प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender eventually to be drawn on F-2 form affixing Non-Refundable court fee stamps of Rs. 8.25 (Rupees Eight & Paise twenty Five) only and with a validity period 180 (one eight zero) days are invited from APWD (Building) Registered Contractor for the following works at details below and will be received in the office of the undersigned upto 14.00 hours on 12-12-2022 and same will be opened on same date and place at 14.30 hours.

Sl No	Name of work	Approx value of work	Time of comple-tion	Cost of bid documents IPO	Bid Security 1% for SC/ST/OBC	Bid Security 2% for GNL	Eligibility of contractor
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Repairing / Renovation for accommodation of CJM Addl. CUM Court, Ejlash, attached toilet, P.I Court and construction of under trial lock-up, attached toilet both male & female, verandah and locker (Malkhana) etc. in the District South Salmara, Mankachar, Hatsingimari.	Rs. 3,839,139.00	3 months	1000.00	38391.00	76783.00	Class I (A,B,C) & Class II (Under this Circle)
2	Renovation / extension of Server room attached with Asstt. Sessions Judge's Court with Court campus of District Judiciary in South Salmara Mankachar District.	Rs. 1,073,090.00	2 months	300.00	10731.00	21462.00	Class I (A,B,C) & Class II (Under this Circle) & Class-III

Note:- .

1. Details particulars and tender papers will be issued to the eligible contractor or their authorized person with attested signature in application form on presentation of the following documents with payment in current I.P.O duly pledged in favour of Executive Engineer, P.W.D. Goalpara Building Division, Goalpara from this office of the undersigned as mentioned above during the office hours from **08-12-2022 to 09-12-2022**
   (i) Upto date Registration Certificate (ii) GST Registration (iii) PAN CARD, (iv) Labour Licence (v) EPF registration etc.
2. If for any reason last date of receiving or issuing tender paper is a declared holiday / Bandh tender will be received and opened on next working days.
3. Amount shown is the Approx value of works.
4. Rate should be quoted as per Item Rate Bill of Quantity.
5. The undersigned will be sole authority for rejecting or accepting any or all tender without showing any reason and not bound to accept the lowest tender.
6. The short NIT will form part of the contact agreement.
7. Taxes /Cess etc. will be recovered from bill as per Govt. Circular.
8. Prospective bidders are suggested to visit the proposed work site & issue the same from the concerned Executive Engineer after visited the site before submission of bids.
9. Less qouted rate is not preferable.
10. Other details can be seen in the tender documents
11. Tenderer will have to deposit 2% (Two) P.C for General & 1% (One) P.C for SC/ST/OBC as earnest money in the from of NSC/KVP/T.D/F.D received from any Nationalized Bank pledge to the undersigned and furnish the same alongwith the tender paper.

Superintending Engineer, P.W.D.
Goalpara Building Circle.
Goalpara

-- Janasanyog /C/15201/22

जम्मू-कश्मीर में लगातार बढ़ रहा ठंड का प्रकोप

जम्मू (हिस)। जम्मू-कश्मीर में ठंड का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। वहीं कश्मीर घाटी में कुछ ही दिनों में चिल्ले कला शुरू हो जाएगा जिससे सर्दी और अधिक बढ़ जाएगी। घाटी में चिल्ले कला के दौरान पानी जमने लगता है। इसी बीच श्रीनगर में तापमान शून्य से नीचे 2.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम की अब तक की सबसे ठंडी दूसरी रात दर्ज की गई। मौसम विभाग के एक अधिकारी के अनुसार श्रीनगर में गुरूवार सुबह धुंध के साथ शुरू हुई। इसी बीच श्रीनगर में बीती रात शून्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस कम तापमान दर्ज किया गया था। काजीगुंड में बीती रात का तापमान शून्य से नीचे 1.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पहलगाम में गुरूवार को शून्य से नीचे 3.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि पिछली रात यह शून्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस नीचे था। कोकेरनाग में पिछली रात का तापमान शून्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस कम था। गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.0 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया जो पिछली रात की तरह ही था। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में तापमान सामान्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस अधिक था। कुपवाड़ा शहर में तापमान शून्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया जो पिछली रात शून्य से 2.5 डिग्री सेल्सियस नीचे था। जम्मू में पिछली रात के 10.0 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले न्यूनतम तापमान 9.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बनिहाल में न्यूनतम तापमान 1.2 डिग्री सेल्सियस, बटोटे में 4.7 डिग्री सेल्सियस, कटरा में 9.0 डिग्री सेल्सियस, भद्रवाह में 3.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लद्दाख में लेह में माइनस 7.0 डिग्री सेल्सियस, कारगिल में माइनस 11.3 डिग्री सेल्सियस और साइबेरिया के बाद दुनिया के दूसरे सबसे ठंडे स्थान द्रास में तापमान माइनस 10.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

ट्विटर को एप स्टोर से हटाना चाहता है एपल, आरोप लगाने वाले एलन मस्क दो दिन बाद ही पलटे, बताई गलतफहमी

कैलिफोर्निया।
आईफोन निर्माता कंपनी एपल और ट्विटर के बीच मतभेद सुलझ गया है। इस बात का दावा और किसी ने नहीं बल्कि खुद एलन मस्क ने किया है। एलन मस्क ने बुधवार को ट्वीट करते हुए लिखा कि एपल के सीईओ टिम कुक के साथ उन्होंने एक बैठक की जिसके बाद ऐप्पल इंक के एप स्टोर से ट्विटर को संभावित रूप से हटाए जाने के बारे में गलतफहमी दूर हो गई। मस्क ने कहा कि हमने जब इस बारे में टिम कुक से पूछा तो उन्होंने कहा कि यह महज एक गलतफहमी थी, उन्होंने ऐसा करने पर कभी विचार ही नहीं किया।

क्या था विवाद - बता दें कि सोमवार को, मस्क ने एपल पर अपने एप स्टोर से ट्विटर को ब्लॉक करने की धमकी देने का आरोप लगाया था, ट्वीट्स की एक श्रृंखला में यह भी कहा गया था कि एपल ने ट्विटर पर विज्ञापन देना भी बंद कर दिया था। उन्होंने बाद में एक अन्य ट्वीट में कुक के ट्विटर अकाउंट को टैग करते हुए पूछा, यहां क्या चल रहा है वहीं मस्क के नवीनतम ट्वीट पर टिप्पणी के अनुरोधों का एपल ने तुरंत जवाब नहीं दिया। मस्क के पहले के ट्वीट्स पर एपल ने सार्वजनिक रूप से प्रतिक्रिया नहीं दी है।

कंटेंट मॉडरेशन के नाम पर एपल बना रहा ट्विटर पर दबाव - एलन मस्क ने आरोप लगाते हुए कहा था कि कंटेंट मॉडरेशन की मांग पर एपल, ट्विटर पर दबाव डाल रहा है। एपल द्वारा की गई कार्रवाई आसामान्य नहीं है, क्योंकि बार-बार अन्य कंपनियों पर भी नियम थोपने की कोशिश की जा रही है। इसी के तहत उसने गैब और पार्लर जैसे ऐप्स को हटा दिया है। पार्लर को एपल द्वारा 2021 में एप द्वारा अपनी सामग्री और कंटेंट मॉडरेशन को अपडेट करने के बाद बहाल किया गया था। मस्क ने साझा किया एपल के हेडक्वार्टर का वीडियो

एपल हर चीज पर गुप्त रूप से 30 फीसदी टैक्स लगाता है - मस्क ने एक ट्वीट में एपल एप स्टोर से दूसरे एप को डाउनलोड करने पर ली जाने वाली फीस को लेकर भी आलोचना की है। मस्क ने लिखा है कि, क्या आप जानते हैं के एपल अपने एप स्टोर के माध्यम से खरीदी जाने वाली हर चीज पर गुप्त रूप से 30 फीसदी टैक्स लगाता है।

न्यूज ब्रीफ

एचएसबीसी ब्रिटेन में अपनी 114 शाखाएं करेगा बंद

नई दिल्ली। अग्रणी बैंकिंग समूह एचएसबीसी ने कहा है कि वह अप्रैल महीने से ब्रिटेन में और 114 शाखाओं को बंद कर देगी, क्योंकि क्योंकि कोविड महामारी के बाद से बैंक शाखाओं पर जाकर बैकिंग सेवाएं लेने वाले ग्राहकों की संख्या में काफी कमी आई है। बैंक ने कहा कि वह प्रभावित कर्मचारियों को फिर से नियुक्त करने की कोशिश करेगा लेकिन फिर भी करीब 100 लोगों की नौकरी चली जाएगी। बता दें कि विभिन्न बैंकों ने हाल के वर्षों में अपनी सैकड़ों शाखाओं को बंद कर दिया है क्योंकि अब अधिकतर लोग ऑनलाइन बैंकिंग का प्रयोग करते करते हैं और उनका बैंक आना-जाना कम हो गया है। ऐसे में अब ऋणदाता लागत में कटौती करने करने के प्रयासों के तहत शाखाओं को बंद करने का फैसला ले रहे हैं। एचएसबीसी ने कहा कि वह अपनी शेष 327 यूके शाखाओं को अपडेट करने और उनमें सुधार करने की प्रक्रिया में करोड़ों का निवेश करेगा। एचएसबीसी के यूके डिस्ट्रीब्यूशन के प्रबंध निदेशक जैकी उही के अनुसार लोग अपने बैंकिंग के तरीके को बदल रहे हैं और कई शाखाओं में ग्राहकों की संख्या अब तक के निचले स्तर पर है, इसके लौटने के भी कोई संकेत नहीं हैं। दूरस्थ रूप से बैंकिंग करना हम में से अधिकांश के लिए आदर्श बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिन शाखाओं को बंद करने का निर्णय लिया गया उनमें से एक को बंद करने का फैसला लेना कभी भी आसान नहीं था या इसे हल्के में नहीं लिया गया। यह अपने क्षेत्र की आखिरी शाखा थी।

कृषि-खाद्य स्टार्टअप में निवेश दोगुना बढ़कर 4.6 अरब डॉलर, ई-ग्रॉसरी अधिक रकम पाने वालों में शामिल

नई दिल्ली । वित्त वर्ष 2022 में कृषि और खाद्य क्षेत्र में प्रौद्योगिकी स्टार्टअप में निवेश पिछले वित्त वर्ष के दौरान दो गुना बढ़कर 4.6 अरब डॉलर हो गया। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इसमें सबसे ज्यादा रकम रेस्तरां और ई-किराने में आई है। एग्रीफूडटेक स्टार्टअप्स में यह निवेश 2021 की तुलना में 119 फीसदी अधिक है। इसी दौरान सौदों की संख्या भी 189 से बढ़कर 234 हो गई। रेस्टोरेंट मार्केटप्लेस और ई-ग्रॉसरी क्रमशः 1.9 अरब डॉलर और 1.4 अरब डॉलर की फंडिंग के साथ सबसे अधिक रकम पाने वालों में रहे हैं। एग्रीफूडटेक में कुल फंडिंग में रेस्टोरेंट मार्केटप्लेस और ई-ग्रॉसरी की ओर से जुटाई गई रकम की हिस्सेदारी 66 फीसदी है।

डिजिटल उधारी पर अत्यधिक ब्याज लेने और कर्ज वसूली मामले पर आरबीआई सख्त, लगाएगा लगाम

नई दिल्ली। डिजिटल उधारी देने वाले प्लेटफार्मों की तरफ से अत्यधिक ब्याज लेने और कर्ज वसूली के अनैतिक तौर-तरीकों से उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए आरबीआइ का संशोधित दिशानिर्देश गुरुवार से लागू हो जाएगा। आरबीआइ के नए मानकों के तहत कर्ज के वितरण और उसकी वसूली की समूची प्रक्रिया कर्जदार के बैंक खातों और विनियमित संस्थानों (बैंक और गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों) जैसी इकाइयों के बीच ही संचालित की जा सकती है। इस दौरान कर्ज देने वाले प्लेटफार्म के किसी भी खाते का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। आरबीआइ ने कहा, कर्ज देने की प्रक्रिया में उधार देने वाले प्लेटफार्म को देय किसी भी शुल्क एवं अधिभार का भुगतान सीधे बैंक और एनबीएफसी करेगा ना कि उधार लेने वाला। मालूम हो कि आनलाइन कर्ज देने वाले प्लेटफार्मों की तरफ से बहुत अधिक दर से ब्याज लेने और कर्ज की वसूली के लिए ग्राहकों के साथ खराब व्यवहार करने की कई शिकायतें मिलने के बाद आरबीआइ ने अगस्त में पहली बार दिशानिर्देश जारी किए थे। ये निर्देश नए कर्ज लेने वाले मौजूदा उपभोक्ताओं के साथ नए ग्राहकों के लिए भी लागू होंगे। एंड्रोमीडा लोन्स के कार्यकारी चेयरमैन वी स्वामीनाथन ने कहा कि कोरोना महामारी के बाद डिजिटल कर्ज लेने की दर बढ़ने से इस तरह की व्यवस्था लागू करनी वक्त की जरूरत हो गई थी। वहीं डिजिटैप के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी नागीन कोम्मू ने इसे ऋण परिवेश के लिए एक अहम घटना बताते हुए कहा कि इससे उधारी के अनैतिक तौर-तरीकों पर लगाम लगाने और निजी जानकारी की गोपनीयता को बनाए रखने में मदद मिलेगी।

तेल कंपनियों को फेस्टिव सीजन का मिला बम्पर फायदा

नवंबर माह में पेट्रोल-डीजल की बिक्री में डबल डिजिट का इजाफा

नई दिल्ली।
देश में नवंबर महीने में पेट्रोल और डीजल की बिक्री में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की गई है। कृषि क्षेत्र की बढ़ती मांग और त्योहारी सीजन पड़ने के कारण पेट्रोल-डीजल की मांग में यह बढ़ोतरी दर्ज की गई। नवंबर महीने में पेट्रोल की बिक्री 11.7 प्रतिशत बढ़कर 26.6 लाख टन हो गई जबकि पिछले साल इसी महीने में 23.8 लाख टन की खपत हुई थी। यह बिक्री कोविड से प्रभावित नवंबर 2020 की तुलना में 10.7 प्रतिशत अधिक और महामारी पूर्व नवंबर 2019 की तुलना में 16.2 प्रतिशत अधिक है।

अक्टूबर में त्योहारी सीजन के कारण पिछले महीने की तुलना में मांग में 1.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। देश में सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाले ईंधन डीजल की बिक्री पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 27.6 फीसदी बढ़कर नवंबर में 7.32 लाख टन हो गई। नवंबर 2020 की तुलना में डीजल की मांग में 17.4 प्रतिशत का इजाफा हुआ है, जबकि कोविड काल से पहले वर्ष 2019 के नवंबर महने की तुलना में इसमें 9.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। डीजल की मांग में सितंबर से हर महीने वृद्धि दिख रही है। अक्टूबर महीने के 6.25 मिलियन टन की तुलना में इसकी खपत 17.1 प्रतिशत बढ़ी है। पेट्रोल और डीजल की बिक्री जून महीने के बाद सबसे अधिक नवंबर महीने में हुई है।

घरेलू रसोई गैस की खपत की बात करें तो यह नवंबर में पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2.55 मिलियन टन पर पहुंच गया है। एलपीजी की खपत नवंबर 2020 की तुलना में 8.4 प्रतिशत जबकि नवंबर 2019 की तुलना में 13.3 प्रतिशत बढ़ी है। मासिक बढ़त की बात करें अक्टूबर महीने की 2.39 मिलियन टन की एलपीजी खपत की तुलना में नवंबर में 7.07 अंकों की बढ़त दर्ज की गई है।

एटीएफ हुआ सस्ता, 2.3 प्रतिशत कम किया गया भाव - पेट्रोलियम पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में नरमी को दर्शाते हुए गुरुवार को जेट ईंधन (एटीएफ) की कीमत में 2.3 प्रतिशत की कमी की गई है। लेकिन पेट्रोल और डीजल की दरें रिकॉर्ड आठवें महीने स्थिर बनी हुई हैं। सरकार के स्वामित्व वाले ईंधन खुदरा विक्रेताओं की मूल्य अधिसूचना के अनुसार, एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत राष्ट्रीय राजधानी में 2,775 रुपये प्रति किलोलीटर या 2.3 प्रतिशत घटकर 1,17,587.64 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई।

कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 4,900 रुपये प्रति टन घटा- अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दामों में गिरावट से सरकार ने बृहस्पतिवार को घरेलू कच्चे तेल पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स को 4,900 रुपये प्रति टन घटाने का फैसला किया है। वहीं डीजल पर लगने वाले निर्यात में भी 8 रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई है। यह शुक्रवार से लागू होगा। विंडफॉल टैक्स एक तय सीमा से ऊपर निर्माता को मिलने वाले कीमतों पर तय किया जाता है।

सरकार ने एक जुलाई 2022 से देश की ऑयल रिफानिंग और मार्केटिंग कंपनियों पर निर्यात से हो रहे बड़े फायदे के मद्देनजर विंडफॉल टैक्स लगाने का फैसला किया था। इसकी हर 15 दिनों पर समीक्षा की जाती है। सरकार के इस फैसले रिलायंस इंडस्ट्रीज को जबकि विडफॉल टैक्स घटने से ओएनजीसी और ऑयल इंडिया को फायदा होगा।

तेल कंपनियों ने अपडेट किए रेट, गैस सिलेंडर के दामों में दिखा उतार-चढ़ाव

नई दिल्ली।
पिछले कई महीनों से एलपीजी कमर्शियल सिलेंडर के दाम में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा था। अगर बीते तीन-चार महीनों की बात करें तो एलपीजी कमर्शियल सिलेंडर के दाम में सरकार लगातार कमी कर रही थी। लेकिन उम्मीद के उलट इस बार तेल कंपनियों ने गैस सिलेंडर के दाम नहीं बदले हैं। कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत को पहले जैसी ही है।

कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत अब दिल्ली में 1744 रुपये है। पिछले महीने कटौती के बाद 19 किलो के वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत अब दिल्ली में 1744 रुपये हो गई है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों से पता चलता है कि रसोई गैस के दाम में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में बिना सब्सिडी वाले 14.2 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1053.00 रुपये है।

दिल्ली सहित देश के चार महानगरों में गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर के कीमत पिछले महीने की तरह स्थिर हैं। कोलकाता में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 1079 रुपये, मुंबई में 1052.50 रुपये और चेन्नई में 1068.50 रुपये है। आईओसी के आंकड़ों से पता चलता है कि दिल्ली में बिना सब्सिडी वाले 14.2 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1053.00 रुपये है। कमर्शियल गैस सिलेंडर 1744 रुपये में मिल रहा है। कोलकाता में कमर्शियल सिलेंडर की कीमत पिछले महीने 1995.50 रुपये से 1846 रुपये कर दी गई थी। मुंबई में कमर्शियल सिलेंडर 1696 रुपये में मिलेगा। जबकि चेन्नई में एलपीजी सिलेंडर का दाम एक नवंबर को 2009.50 रुपये की जगह 1893 रुपये कर दिया गया था। आपको बता दें कि देश में ऑयल मार्केटिंग कंपनियां खुले बाजार की कीमतों पर घरेलू 14.2 किलोग्राम सिलेंडर बेचती हैं। केंद्र हर साल प्रधानमंत्री उवला योजना के लाभार्थियों को उनके बैंक खातों में सीधे लाभ हस्तांतरण के माध्यम से 12 सिलेंडरों के लिए सब्सिडी प्रदान करता है। कामर्शियल एलपीजी के सिलेंडर पिछले महीने सस्ते हुए थे।

जीएसटी संग्रह नवंबर महीने में 1.45 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली।
आर्थिक मोंचे पर सरकार के लिए अच्छी खबर है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह नवंबर महीने में सालाना आधार पर 11 फीसदी बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। हालांकि, पिछले साल की समान अवधि में जीएसटी संग्रह 1.31 लाख करोड़ रुपये के पार रहा था। जीएसटी संग्रह लगातार नौवें महीने 1.40 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रहा।

वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को जारी आंकड़ों में बताया कि नवंबर महीने में जीएसटी राजस्व संग्रह 1,45,867 करोड़ रुपये रहा जबकि पिछले साल की समान अवधि में जीएसटी संग्रह 1.31 लाख करोड़ रुपये के पार रहा था। नवंबर में जीएसटी संग्रह अक्टूबर महीने के मुकाबले करीब 4 फीसदी कम है जबकि पिछले साल की समान अवधि से 11 फीसदी ज्यादा है। अक्टूबर में जीएसटी संगह 1.52 लाख करोड़ रुपये रहा था।

मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक नवंबर महीने में सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 1,45,867 करोड़ रुपये रहा है। इसमें केंद्रीय जीएसटी 25,681 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी 32,651 करोड़ रुपये और एकीकृत जीएसटी की हिस्सेदारी 77,103 करोड़ रुपये (माल के आयात पर एकत्र 38,635 करोड़ रुपये सहित) के साथ सेस से प्राप्त 10,433 करोड़ रुपये और 817 करोड़ रुपये आयातित सामानों पर मिला उपकर भी शामिल है।

गो फर्स्ट के बेड़े में शामिल हुआ ए320निओ विमान, यात्रियों को मिलेंगी ज्यादा सुविधाएं

मुंबई।
घरेलू एयरलाइन गो फर्स्ट ने बुधवार को अपने अगली पीढ़ी के विमानों के बेड़े में 55वें एयरबस ए320निओ विमान को शामिल किया। गो फर्स्ट ने अपनी विस्तार योजना के तहत 144 एयरबस ए32निओ विमानों की डिलीवरी का पक्का ऑर्डर दिया है। इस विमान के जुड़ने के साथ ही एयरलाइन के बेड़े में साठ विमान शामिल हो गए हैं। इनमें 55ए32निओ और 5ए32सीईओ भी शामिल हैं। गो फर्स्ट को पहले गो एयर के नाम से जाना जाता था।

गो फर्स्ट की रणनीतिक विकास योजना के मुताबिक, इस विमान को शामिल करने से मौजूदा और नए मार्गों पर बढ़ती मांग में मदद मिलेगी। एयरलाइन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कौशिक खोना ने कहा, यह हमारे लिए एक खुशी का क्षण है, क्योंकि हम अपने बेड़े में 55वें विमान का स्वागत कर रहे हैं। यह एक मील का पत्थर है जो हमारे विकास को दिखाता है।

खोना ने कहा, गो फर्स्ट की टीम आज जहां खड़ी है, वहां तक पहुंचने के लिए बहुत मेहनत की है। हम यात्रियों को बेहतरीन फ्लाइट एक्सप्रीयंस देने के लिए प्रतबिद्ध हैं। एयरलाइन कंपनी ने कहा, गो फर्स्ट के पास वैश्विक स्तर पर सबसे लेटेस्ट विमानों का बेड़ा है। ए320निओ विमान सबसे हल्के विमान ए32सीईओ की तुलना में 17 फीसदी से 20 फीसदी फ्यूल एफिशिंट है। गो फर्स्ट को प्रैट एंड व्हिटन से जल्द ही सर्विस करने योग्य इंजनों की डिलीवरी करने की कन्फर्मेशन मिली है।

बदल जाएगी एशिया की सबसे बड़ी बस्ती धारावी : अडानी ग्रुप ने रिडेवलपमेंट के लिए जीती बोली

मुंबई।
मुंबई में मौजूद एशिया के सबसे बड़े स्लम धारावी को अडानी ग्रुप रिडेवलप करेगा। अडानी ग्रुप ने सबसे ज्यादा 5,069 करोड़ रुपए की बोली लगाकर इस प्रोजेक्ट को हासिल किया है। बोली लगाने में दूसरे नंबर पर डीएलएफ ग्रुप रहा जिसने 2,025 करोड़ रुपए की बोली लगाई, जबकि नमन ग्रुप की बोली रद्द कर दी गई। इस टेंडर में 8 ग्लोबल कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई थी लेकिन असल में सिर्फ तीन कंपनियों ने टेंडर जमा किए।

धारावी रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट लगभग दो दशकों से अटका हुआ है। धारावी को दुनिया की बड़ी बस्तियों में से एक माना जाता है। ये मुंबई में ऐसी जगह पर है जो रियल एस्टेट के सोने की तरह है। ये मुंबई के मध्य में बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स के करीब है। बांद्रा-कुर्ला को भारत की रिचेस्ट बिजनेस डिस्ट्रिक्ट माना जाता है। भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास की पेचीदा जटिलताओं के बीच, इसके रिडेवलपमेंट में बड़े पैमाने पर धन का निवेश होगा।

1 जनवरी 2000 से पहले के लोगों को फ्री में मकान - धारावी रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट 20 हजार करोड़ रुपए का है महाराष्ट्र सरकार का लक्ष्य अगले 17 साल में प्रोजेक्ट को पूरा करना और अगले सात साल में पूर्ण पुनर्वास करना है। इस प्रोजेक्ट के तहत, जो लोग 1 जनवरी 2000 से पहले से धारावी में रह रहे हैं उन्हें फ्री में पक्का मकान दिया जाएगा। जबकि, जो लोग 2000 से 2011 के बीच आकर यहां बसे हैं, उन्हें इसके लिए कीमत चुकानी होगी।

1882 में अंग्रेजों ने बसाया था - साल 2008 में स्लमडॉग मिलियनेयर फिल्म के रिलीज़ होने के बाद इस क्षेत्र को बहुत लोकप्रियता मिली। इस फिल्म ने कई अवॉर्ड जीते थे। इस इलाके को 1882 में अंग्रेजों ने बसाया था। मजदूरों को किफायती ठिकाना देने के मकसद से इसे बसाया गया था। धीरे-धीरे यहां लोग बढ़ने लगे और झुग्गी-बस्तियां बन गईं। यहां की जमीन सरकारी है, लेकिन लोगों ने झुग्गी-बस्ती बना ली है।

एक लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार - 2.8 वर्ग किमी में फैली झुग्गी बस्ती में चमड़े की चीजें, और मिट्टी के सजावटी बर्तन तैयार किए जाते हैं। यहां तैयार सामानों को देश-विदेशों में बेचा जाता है। इससे एक लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलता है। राज्य सरकार इस पूरे इलाके को बेहतर शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ गगनचुंबी इमारतों के ग्रुप में बदलना चाहती है। धारावी में 60 हजार परिवार और करीब 12 हजार कमर्शियल कॉम्प्लेक्स हैं। कुल करीब 10 लाख लोग रहते हैं।

प्रोजेक्ट को पहली बार 1999 में प्रस्तावित किया - 1999 में, भाजपा-शिवसेना सरकार ने पहली बार धारावी के पुनर्विकास का प्रस्ताव रखा था। इसके बाद, 2003-04 में महाराष्ट्र सरकार ने धारावी को एक इंटीग्रेटेड प्लान्ड टाउनशिप के रूप में पुनर्विकास करने का निर्णय लिया और इसके लिए एक कार्य योजना को मंजूरी दी गई और टेंडर निकाले गए। हालांकि 2011 में सरकार ने सभी निविदाओं को रद्द कर दिया और एक मास्टर प्लान तैयार किया।

2019 में अडाणी ग्रुप हारा बोली - 2018 में, भाजपा-शिवसेना सरकार ने धारावी के लिए एक स्पेशल पर्पज व्हीकल का गठन किया और इसे पुनर्विकास परियोजना के लिए नोटिफाई किया। बाद में ग्लोबल टेंडर आमंत्रित किए गए। जनवरी 2019 में दुबई स्थित इंफ्रास्ट्रक्चर फर्म सिकलिंक टेक्नोलॉजीज कॉरपोरेशन ने अडाणी ग्रुप को हराकर बोली जीती, लेकिन पुनर्विकास परियोजना में रेलवे की जमीन को शामिल करने के फैसले के बाद टेंडर नहीं दिया गया।

2020 में सरकार बदली और टेंडर कैंसिल - 2020 तक, महाराष्ट्र सरकार बदल गई थी, और उसी साल अक्टूबर में, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र विकास अघाडी सरकार ने टेंडर कैंसिल कर दिया और कहा कि जल्द ही नई निविदाएं मंगाई जाएंगी। सरकार ने आरोप लगाया था कि टेंडर कैंसिल करने के कारणों में से एक केंद्र की ओर से परियोजना के लिए महत्वपूर्ण रेलवे भूमि को ट्रांसफर करने में देरी थी।

एयरपोर्ट पर रेड कलर के सूट में नजर आई कैटरीना

-सादगी भरा वीडियो सोशल मीडिया पर हो रहा वायरल

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ एयरपोर्ट पर रेड कलर के सूट में नजर आईं। सूट में उनकी सादगी भरे अंदाज वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। खास बात यह है कि जो सूट उन्होंने कैरी किया था उसकी कीमत करीब 30 हजार थी। कैटरीना कैफ हाल ही फिल्म फोन भूत में नजर आई थीं। हालांकि फिल्म इतनी सफल नहीं हो सकी लेकिन उनके अंदाज को लोगों ने पसंद किया था।

एयरपोर्ट पर जाने के दौरान उनका जो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है उसमें वे रेड कलर के सूट में नजर आ रही हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार अनिता डोंगरे ब्रांड के इस सूट की आधिकारिक साइट पर कीमत 29900 रुपये बताई गई है। सोशल मीडिया पर कैटरीना के इस सिम्पल लुक वाले वीडियो को सभी पसंद कर रहे हैं। लोगों को उनकी सादगी इम्प्रेस कर रही है और वे उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं। एक फैन ने लिखा बहुत ही सुंदर। वहीं एक फैन को उन्हें देखकर गाना याद आ गया ह्यगोरे गोरे मुखड़े पर काला काला चश्मा।

एक ने लिखा इनकी सादगी दीवाना बनाती है। दूसरी तरफ एक फैन को तो यह भी लग रहा था कि कैट कहीं प्रेग्नेंट तो नहीं? कैटरीना के आने वाले प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वे आने वाले दिनों में सलमान खान के साथ फिल्म टाइगर 3 में नजर आएंगी। इसके अलावा वे साउथ स्टार विजय सेतुपति के साथ फिल्म मैरी क्रिसमस में भी काम कर रही हैं। यह फिल्म अगले साल रिलीज होगी। वहीं वे फिल्म जी ले जरा का भी हिस्सा हैं। बता दें कि कैटरीना कैफ की खूबसूरती का हर कोई दीवाना है। वे जो भी स्टाइल कैरी करती हैं उन पर वह फबता है। ना सिर्फ वेस्टर्न आउटफिट में बल्कि वे इंडियन आउटफिट में भी लुभाती हैं।

जान्हवी कपूर ने हाथ में थामा बल्ला तो ये आए कमेंट

-अपकमिंग मूवी मिस्टर एंड मिसेज माही से जुड़ी हुई है तस्वीर

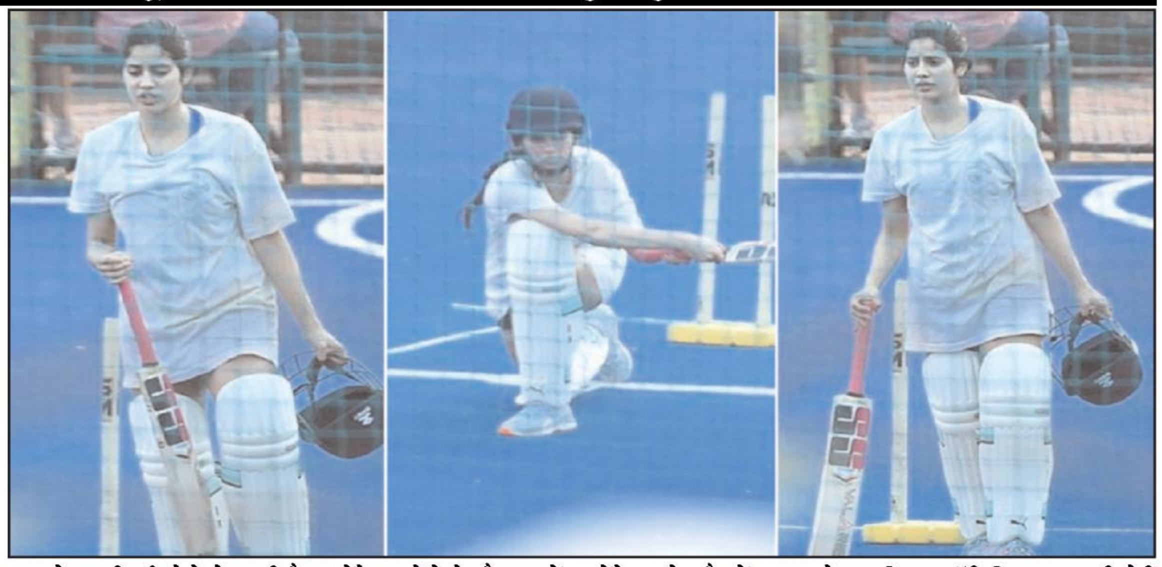

मुंबई (ईएमएस)। बोनी कपूर और श्रीदेवी की बिटिया जान्हवी कपूर की एक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है जिसमें वे अपने हाथ में बल्ला थाम हुए मैदान में है। ये तस्वीर उनकी अपकमिंग मूवी मिस्टर एंड मिसेज माही से जुड़ी हुई है। एक्ट्रेस मैदान पर प्रैक्टिस करती नजर आ रही हैं। जान्हवी के इस पोस्ट पर यूजर्स अजब-गजब तरह के रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने तो विराट से भी सॉरी बोला। आइये जानते हैं क्यों !जान्हवी कपूर ने धड़क (2018) मूवी से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसके बाद वो कई फिल्मों में नजर आईं जैसे- गुंजन सक्सेना घोस्ट डायरीज रूही गुड लक जैरी और मिली। चुनिंदा फिल्मों में काम करके ही जान्हवी ने ऑडियंस का दिल जीता है। अब उनके काम में पहले से ज्यादा निखार भी आ गया है। अब वो स्पोर्ट्स मूवी मिस्टर एंड मिसेज माही की तैयारियों में जुट गई हैं। इस फिल्म में राजकुमार राव भी है। दोनों पहले रूही में साथ काम कर चुके हैं।मिस्टर एंड मिसेज माही मूवी से जान्हवी कपूर ने अपनी नई फोटो शेयर की है। उन्होंने हाथ में ग्लव्स पहनकर बल्ला थामा है। कंधे पर ढेर बैंडेज लगा हुआ है। शायद उनके हाथों में दर्द हो रहा है लेकिन वो पूरी तल्लीनता से अपने काम में जुटी हुई हैं। इस फोटो के कैप्शन में उन्होंने बल्ले और गेंद के साथ #मारंड मिस्ट्रेस माही लिखा है। जान्हवी की ये फोटो देखने के बाद यूजर्स के अलग-अलग तरह के रिएक्शन सामने आ रहे हैं। एक फैन ने जान्हवी की तारीफ करते हुए लिखा सॉरी विराट जान्हवी मेरी फेवरेट क्रिकेटर है। एक और फैन ने कॉमेंट किया अब तक की बेस्ट क्रिकेटर। इस मूवी के अलावा जान्हवी कपूर के पास बवाल मूवी भी है।

द कश्मीर फाइल्स का एक भी दृश्य या संवाद झूठा निकले हो तो फिल्म बनाना छोड़ दूंगा : विवेक अग्निहोत्री

मुंबई (ईएमएस)। इजराइली फिल्म मेकर नदाव लैपिड द्वारा द कश्मीर फाइल्स को प्रोपेगंडा फिल्म करार देने के बाद से देश में एक बार फिर द कश्मीर फाइल्स चर्चा में है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर इस वर्ष 350 करोड़ का कारोबार करते हुए न सिर्फ दर्शकों को अपितु सिनेमा से जुड़े व्यक्तियों को भी हैरान कर दिया था। विवाद में घिरी इस फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने एक खुला चैलेंज दिया है। उन्होंने कहा कि कश्मीर फाइल्स का एक डायलॉग या एक भी सीन झूठा निकला तो मैं फिल्में बनाना छोड़ दूंगा। दरअसल इजराइली फिल्म मेकर नदाव लैपिड ने फिल्म फेस्टिवल के दौरान इस फिल्म को वल्गर और प्रोपेगेंडा फिल्म बताया था। इसके बाद से फिल्म को लेकर विवाद शुरू हो गया है। लैपिड ने यह बयान गोवा में 53वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के समापन समारोह में दिया। कश्मीर फाइल्स के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने फिल्म को झूठा बताने वाले लोगों पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि 700 लोगों के व्यक्तिगत साक्षात्कार के बाद यह फिल्म बनी है। क्या वे 700 लोग जिनके मां-बाप भाई-बहनों को सरेआम काट दिया गया गैंग रेप किया गया दो टुकड़ों में बांट दिया गया क्या वो सब लोग प्रोपेगैंडा और अश्लील बातें कर रहे थे? जो पूरी तरह से हिन्दू लैंड हुआ करता था आज वहां हिन्दू नहीं रहते हैं। उस भूमि पर आज भी चुन-चुनकर हिंदुओं को मारा जाता है। क्या यह प्रोपेगैंडा और अश्लील बात है? यासीन मलिक अपने जुल्मों को कबूलकर जेल में सड़ रहा है क्या यह प्रोपेगैंडा और अश्लील बात है? इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में कश्मीर फाइल्स पर कंट्रोवर्सी के बाद विवेक अग्निहोत्री ने यह वीडियो जारी किया।

विवेक अग्निहोत्री ने कहा दोस्तो यह बार-बार सवाल उठता है कि कश्मीर फाइल्स एक प्रोपेगैंडा फिल्म है। मतलब वहां कभी हिंदुओं का जिनोसाइड हुआ ही नहीं। तो आज मैं इन बुद्धिजीवियों और अर्बन नक्सल को चैलेंज करता हूं। इजराइल से आए महान फिल्ममेकर को भी चैलेंज करता हूं कि कश्मीर फाइल्स का एक डायलॉग एक शॉट या एक इवेंट कोई प्रूव कर दे कि ये पूरी तरह से सत्य नहीं है तो मैं फिल्में बनाना छोड़ दूंगा। अनुपम खेर ने भी एक वीडियो जारी किया है। उन्होंने कहा कि कश्मीर फाइल्स का सच कुछ लोगों के गले में कांटे की तरह अटक गया है। वो न उसे निगल पा रहे है न उगल। इस सच को झूठा साबित करने के लिए उनकी आत्मा (जो मर चुकी है) बुरी तरह से छटपटा रही है। पर हमारी ये फिल्म अब एक आंदोलन है फिल्म नहीं। लैपिड ने कहा था कि द कश्मीर फाइल्स फिल्म देखकर हम सभी डिस्टर्ब और हैरान थे। यह फिल्म हमें अश्लील और प्रोपेगेंडा बेस्ड लगी। इतने प्रतिष्ठित फिल्म समारोह के लिए ये फिल्म उचित नहीं है। मैं आप लोगों के साथ अपनी फीलिंग को खुले तौर पर इसीलिए शेयर कर सकता हूं क्योंकि इस समारोह की आत्मा ही यही है कि हम यहां आलोचनाओं को स्वीकार करते हैं और उस पर चर्चा करते हैं।

अभा परियोजना के साथ वापस आ रहे राम चरण

टॉलीवुड के मशहूर स्टार राम चरण एक और अखिल भारतीय परियोजना के साथ वापस आ रहे हैं। हाल ही में घोषित की गई अनटाइटल्ड फिल्म का निर्देशन बुच्ची बाबू सना करेंगे। खुलासा सुपरस्टार रामचरण ने किया। सूत्रों के अनुसार युवा निर्देशक ने एक शक्तिशाली स्क्रिप्ट तैयार की है जिसमें इसे अखिल भारतीय मनोरंजन बनाने के लिए सार्वभौमिक अपील है। अग्रणी प्रोडक्शन हाउस मिथ्री मूवी मेकर्स द्वारा प्रस्तुत फिल्म को वृद्धि सिनेमाज और सुकुमार राइटिंग्स के बैनर तले बड़े बजट के साथ बड़े पैमाने पर बनाया जाएगा जो पुष्पा के निर्देशक सुकुमार की कंपनी है। 2007 में पुरी जगन्नाथ की चिरुता के साथ अपनी शुरूआत करने के बाद से यह आगामी फिल्म राम चरण की 16वीं फिल्म होगी। अभी वह शंकर द्वारा निर्देशित अपनी 15वीं फिल्म के साथ व्यस्त हैं।

राम चरण टॉलीवुड मेगा स्टार चिरंजीवी के बेटे हैं। आगामी फिल्म के निमार्ता अभी भी अन्य कलाकारों और क्रू के नामों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं। मालूम हो कि सुपर स्टार रामचरण एस.एस. राजामौली की मल्टी-स्टारर आरआरआर की वजह से आज घर-घर में फेमस हो गए हैं।

अभिनेताओं के लिए फिटनेस बनाए रखना महत्वपूर्ण

-छोट परदे की मशहूर अभिनेत्री युक्ति कपूर ने कहा

मुंबई (ईएमएस)। छोट परदे की मशहूर अभिनेत्री युक्ति कपूर का कहना है कि अभिनेताओं के लिए अपनी फिटनेस बनाए रखना महत्वपूर्ण है जो उनके समग्र स्वास्थ्य में मदद करता है। युक्ति कपूर लोकप्रिय सिटकॉम मैडम सर में एसएचओ करिश्मा सिंह की भूमिका के लिए पहचानी जाती है। अपनी दिनचर्या को लेकर एक्ट्रेस का कहना है कि वही अपने दिन की शुरूआत एक गिलास मेथी के पानी से करती है। इसके बाद वह 10 मिनट तक प्लैंक के साथ शुरूआत करती हैं और उसके बाद 10-12 मिनट योगाभ्यास करती हैं। उन्होंने साझा किया फिटनेस मेरे जीवन में एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। दूसरी ओर एक पेशे के रूप में अभिनय करने के लिए लंबे समय तक बिना रुके शूटिंग करने की आवश्यकता होती है जिसमें कोई स्पष्ट विचार नहीं होता है कि दिन में कब फ्री टाइम मिलेगा। उन दिनों के दौरान जब मैं मैं सेट पर हूं और मुझे सूचित किया गया है कि शॉट सेट होने के लिए कुछ समय है मैं उस समय का उपयोग एक आरामदायक योग सत्र के लिए करना चाहती हूं। उन्होंने आगे कहा ऐसे प्रभावी योग आसन हैं जो न केवल आपको आराम करने में मदद करते हैं बल्कि आपके शरीर को भी लाभ पहुंचाते हैं। मैं सेट पर 15-20 मिनट के लिए ध्यान करना भी सुनिश्चित करती हूं जिससे मुझे अपनी शांति और आंतरिक शांति वापस पाने में मदद मिलती है। यह है शूटिंग के लंबे दिनों के दौरान यह मी टाइम मुझे अपने शरीर को रिचार्ज करने और बाकी दिनों को सकारात्मक रूप से जारी रखने की अनुमति देता है। मालूम हो कि युक्ति बालिका वधू सिया के राम लाल इश्क अग्निपेरा जैसे श का हिस्सा रह चुकी हैं।

लॉस्ट डिजिटल माध्यम पर प्रीमियर के लिए तैयार

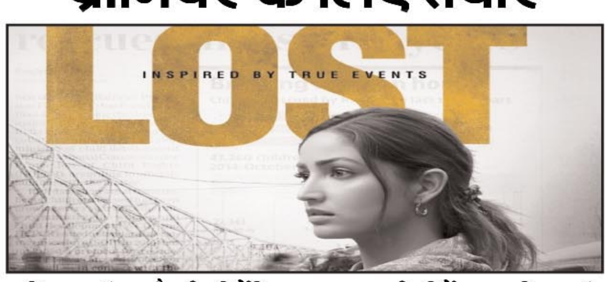

अनिरुद्ध रॉय चौधरी निर्देशित लॉस्ट डिजिटल माध्यम पर प्रीमियर के लिए तैयार है। इस फिल्म में यामी गौतम मुख्य भूमिका निभा रही हैं ने लॉस्ट के बारे में बात की। इस फिल्म को 53वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इस बारे में अभिनेत्री का कहना है लॉस्ट मेरे लिए एक विशेष अनुभव था और मैं यह देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही थी कि दर्शक कैसी प्रतिक्रिया देने वाले हैं। मैं रिलीज का बिल्कुल इंतजार नहीं कर सकती। निर्देशक अनिरुद्ध रॉय चौधरी जिन्हें अमिताभ बच्चन और तापसी पन्नू स्टारर पिंक के लिए जाना जाता है ने भी अपनी फिल्म के बारे में बात की जो उनके जीवन में देखी गई कई घटनाओं से प्रेरित है। आईएफएफआई में फिल्म को मिली प्रतिक्रिया से वह काफी खुश हैं। उन्होंने कहा अपनी मेहनत के फल को प्यार करते हुए देखना हमेशा एक जादुई क्षण होता है। आईएफएफआई में स्क्रीनिंग वास्तव में मेरे लिए एक अनुभव था।

ब्रीद: इनटू द शैडोज सीजन 2 फिर चर्चा में

दो साल बाद ब्रीद: इनटू द शैडोज सीजन 2 एक बार फिर चर्चा में है। प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई इस मनोवैज्ञानिक क्राइम थ्रिलर ने अब तक 8.9/10 की प्रभावशाली आईएमडीबी रेटिंग हासिल की है। यह फिल्म ने अपने पहले सीजन में दर्शकों को बांधे रखने में कामयाबी हासिल की थी। सीजन 2 डबल एक्शन सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर है जो आकर्षक कहानी और कलाकारों की टुकड़ी के प्रदर्शन के साथ छाया हुआ है। सीजन 2 में अधिकांश कलाकार अपने पात्रों के बारे में मुखर रहे हैं; अब दक्षिण भारतीय बहुभाषी स्टार निथ्या मेनन जो आभा सभरवाल के रूप में अपनी भूमिका को दोहराती हैं ने फ्रैंचाइजी की दूसरी किस्त पर अपने विचार साझा किए। मेनन ने कहादुनिया भर के दर्शकों ने अपार प्यार और प्रशंसा की बौछार की लेकिन जब हम इसे पूरी तरह से सोख रहे थे तो सीक्वल को और भी बेहतर बनाने का दबाव कुछ ऐसा था जिस पर हमारा पूरा ध्यान था क्योंकि अच्छे कंटेंट के साथ बड़ी जिम्मेदारी आती है।मेनन ने कहा सबसे पहले मैं ब्रीद फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनने और सेट पर बेहद प्रतिभाशाली लोगों के साथ काम करने के लिए खुद को भाग्यशाली महसूस करती हूं।

पोन्नियिन सेल्वन: 1 ने तोडे सारे रिकार्ड

पोन्नियिन सेल्वन: 1 ने सारे बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। फिल्म ओटीटी पर भी उपलब्ध है लेकिन फिल्म कमाई में रजनीकांत-स्टारर 2.0 से पीछे है। यह अब तक की सबसे बड़ी तमिल फिल्मों में से एक है। इसने कमल हासन फहद फासिल विजय सेतुपति और सूर्या-स्टारर विक्रम को प्रभावी ढंग से पछाड़ दिया है जो इस साल की शुरूआत में रिलीज हुई थी। कॉलीवुड से अब तक की दूसरी सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म है 2.0 के पीछे जिसने भारत में 508 करोड़ रुपये और 2018 में दुनिया भर में 665 करोड़ रुपये एकत्र किए। यदि कोई केवल तमिल भाषी सर्किट से व्यवसाय पर विचार करे तो पीएस: 1 अब तक का सबसे बड़ा है जिसने 2.0 और विक्रम (जिसने 372 करोड़ रुपये कमाए) दोनों को पीछे छोड़ दिया है। यह तमिलनाडु में सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म के रूप में उभरी है और राज्य में अब तक 200 करोड़ रुपये को पार करने वाली पहली फिल्म भी है जिसने 222 करोड़ रुपये से थोड़ी कम कमाई की है।

सूडोकु नवताल- 6269

★★★★☆ मध्यम

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6268 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7016

रा	क	ल	ड्री	म	बि	हा	र	सी	ल	ज
र	ज	ल	दे	क्रां	हि	ड	इं	म	ट	वा
त	स	स्था	ल	र्म	मा	रा	रा	हा	ख	द
म	ज	ज	न	पु	च	रा	प	रा	ली	ब
म	ध्य	दो	ग	ल्ता	ल	क	तू	ष्ट्र	झ	उ
स	क	प्र	प	ह	प्र	र्ना	ना	ता	घ	त्त
गु	अ	स	दे	या	दे	ट	श	ज	ला	र
पे	ज	दा	ई	श	श	क	फ	रा	श	प्र
स	बा	रा	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	दे
त्ता	पा	ला	त	शो	पं	जा	ब	ल	स्त्री	श
ह	रा	जी	व	गां	धी	उ	ड़ी	सा	म	त

शब्दजाल में 10 राज्यों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

राजस्थान, मध्यप्रदेश,उत्तर प्रदेश,बिहार, गुजरात,महाराष्ट्र, उड़ीसा, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश,पंजाब

शब्दजाल - 7015 का हल

ता	ल	र	बु	दा	प	र	तू	ग	झ	न
ज	अ	ल	ध	आ	प्लू	टो	ब	त	शा	र
अं	इ	नु	दि	ल	दा	ल	ढा	र	ला	ई
श	म	अ	प	बे	र	क	फ	ह	र्ष	ल
स	नि	श	र	व	के	तु	इ	ग	वी	ट
री	रं	ल	च	व	लि	र्त	रा	ती	प	गु
जो	गा	ल	प	गा	प	म	हू	कौ	या	रू
चं	बा	शु	क्र	त	क	छ	प्रे	ग	श	थ
द्र	स	मि	व	व	न	ज	न	शा	जू	द
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
थो	औ	प	ग	र	मं	ग	ल	दु	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5969

1	5			2		6
	30	7	31		34	
6	3		4		7	1
	37	6	33	6	29	
7	5			1		4
	30		32	7	34	
4	2	1		3	5	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5968 का हल

6	5	4	3	2	7	1
2	34	7	30	4	28	2
7	2	1	6	3	5	4
3	31	6	32	6	33	5
4	5	3	6	1	2	7
5	28	5	33	7	38	3
1	3	2	4	5	7	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

शरत कमल खेल रत्न बनने वाले दूसरे टेबल टेनिस खिलाड़ी, लक्ष्य-निकहत समेत 25 को अर्जुन अवॉर्ड

नई दिल्ली।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खिलाड़ियों और कोच को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार से सम्मानित किया। अर्जुन अवॉर्ड के लिए 25 खिलाड़ी चुने गए थे। सात कोच द्रोणाचार्य अवॉर्ड से और चार खिलाड़ी ध्यानचंद अवॉर्ड से सम्मानित किए गए। टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल अंचता को खेल रत्न पुरस्कार के लिए चुना गया था। राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में खिलाड़ियों और कोच को सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति ने स्टार शटलर लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय को अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया। यह दोनों इस साल थॉमस कप जीतकर इतिहास रचना वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे। वहीं, लक्ष्य ने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुष एकल में स्वर्ण पदक जीता था। अर्जुन अवॉर्ड के लिए सम्मानित किए गए अधिकतर खिलाड़ी राष्ट्रमंडल खेल 2022 में भारत के लिए पदक लेकर आए थे। लक्ष्य के अलावा महिला मुक्केबाज निकहत जरीन और पहलवान अंशु मलिक भी शामिल हैं। भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद को भी अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया है। इस साल क्रिकेट के किसी खिलाड़ी अर्जुन अवॉर्ड के लिए नहीं चुना गया है।

अर्जुन पुरस्कार - भारत में सबसे पुराना राष्ट्रीय खेल पुरस्कार अर्जुन पुरस्कार है। वर्ष 1961 में इसकी शुरुआत हुई थी। खेल में अपनी उत्कृष्टता के लिए खेल हस्तियों को समर्पित यह पुरस्कार खेल रत्न के बाद दूसरा सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है। यह पुरस्कार बेहतरीन प्रदर्शन, लीडरशिप क्वालिटी, खेल भावना और अनुशासन के लिए दिया जाता है।

शरत कमल को खेल रत्न पुरस्कार - मेजर ध्यानचंद खेल पुरस्कार हासिल करने वाले शरत कमल अचंता कई सालों से टेबल टेनिस में भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। इस साल राष्ट्रमंडल खेलों में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। अचंता शरत कमल ने इस साल राष्ट्रमंडल खेलों में तीन स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किया था। शरत के नाम राष्ट्रमंडल खेलों में कुल सात स्वर्ण, तीन रजत और तीन कांस्य पदक हैं। एशियाई खेलों और एशियन चैंपियनशिप में उन्होंने दो-दो कांस्य जीत हैं। शरत कमल खेल रत्न पाने वाले दूसरे टेबल टेनिस खिलाड़ी हैं। उनसे पहले मनिका बत्रा को यह पुरस्कार दिया जा चुका है। यह पुरस्कार खेल-कूद में आजीवन उपलब्धि के लिए वर्ष 2002 में शुरू किया गया सर्वोच्च पुरस्कार है। यह पुरस्कार महान भारतीय हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के नाम पर है।

द्रोणाचार्य अवॉर्ड - वर्ष 1985 में शुरू हुआ द्रोणाचार्य पुरस्कार प्रतिष्ठित प्रशिक्षकों को दिया जाता है, जिनके द्वारा तैयार किए गए खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में देश का मान बढ़ाते हैं और मेडल जीतकर लाते हैं। इस पुरस्कार से खिलाड़ियों के कोच को सम्मानित किया जाता है। देश को कॉमनवेल्थ खेलों में बॉक्सिंग का पहला स्वर्ण पदक दिलाने वाले बॉक्सर मोहम्मद अली कमर को द्रोणाचार्य अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

न्यूज ब्रीफ

भारत ने नंबर वन ऑस्ट्रेलिया से राष्ट्रमंडल खेलों का बदला लिया, तीसरे मैच में 4-3 से हराया

एडिलेड। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने आखिरी मिनट में गोल दाग वर्ल्ड नंबर वन हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया को तीसरे टेस्ट में 4-3 से हरा दिया। यह टीम इंडिया की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले 13 मैचों में पहली जीत रही। इसके साथ ही टीम ने ऑस्ट्रेलिया से बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में हार का बदला भी ले लिया। ऑस्ट्रेलिया ने कॉमनवेल्थ गेम्स के फाइनल में भारत को 7-0 से हराया था। इस जीत के साथ ही भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की हॉकी सीरीज का रोमांच अभी भी जिंदा है। फिलहाल तीन मैचों के बाद ऑस्ट्रेलिया 2-1 से आगे है। भारत को पहले मैच में 4-5 और दूसरे मैच में 4-7 से हार का सामना करना पड़ा था। सीरीज का चौथा मैच शनिवार को खेला जाएगा। वहीं, सीरीज का आखिरी मैच रविवार को खेला जाएगा। भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 12वें मिनट, अभिषेक ने 47वें मिनट, शमशेर सिंह ने 57वें और आकाशदीप सिंह ने 60वें मिनट में गोल दागे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की ओर से जैक वेल्स ने 25वें मिनट, कप्तान अरान जैलेस्की ने 32वें मिनट और नाथन ईफ्रॉम्स ने 59वें मिनट में गोल दागे। भारत ने पहले ही क्वार्टर में बढ़त हासिल कर ली। हरमनप्रीत ने गोल दाग भारत को 1-0 से आगे कर दिया था। इसके बाद दूसरे क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया ने बराबरी की। दूसरे क्वार्टर का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया था। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही ऑस्ट्रेलिया ने काउंटर अटैक किया और उसके कप्तान ने गोल दागा। ऑस्ट्रेलियाई टीम 2-1 की बढ़त हासिल कर चुकी थी और तीसरे क्वार्टर के खत्म होने तक स्कोर 2-1 से ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में रहा।

दक्षिण कोरिया के खिलाफ क्रिस्टियानो रोनाल्डो के खेलने पर संशय, पुर्तगाल के अभ्यास सत्र से रहे

दोहा । पुर्तगाल की टीम ने कतर में चल रहे फुटबॉल विश्व कप के नॉकआउट राउंड में अपनी जगह बनाने ली है। अब उसे अपने अंतिम ग्रुप मैच में दो दिसंबर को दक्षिण कोरिया के खिलाफ खेलना है। उस मैच में कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो के खेलने पर संशय है। उन्होंने अपनी टीम के साथियों के अभ्यास सत्र में भाग नहीं लिया। वह इस विश्व कप के दो मैचों में एक गोल कर चुके हैं। रोनाल्डो के अभ्यास नहीं करने पड़ने पर पुर्तगाल फुटबॉल महासंघ ने कहा कि वह खास तरह से रिकवरी में लगे हैं। रोनाल्डो ने घाना के खिलाफ टीम के पहले मैच में पेनल्टी पर गोल किया था। पुर्तगाल ने अपने दूसरे मैच में उरुग्वे को 2-0 से हराकर अंतिम-16 के लिए क्वालीफाई किया। इसमें रोनाल्डो ने एक गोल का दावा किया था, लेकिन गेंद ने उन्हें नहीं छुआ था। गोल उनके साथी ब्रुनो फर्नांडिस के नाम पर दर्ज हुआ। शुक्रवार को दक्षिण कोरिया के खिलाफ एक अंक उन्हें शीर्ष स्थान पर रख सकता है। अगर घाना अगर मैच तीन गोल के अंतर से जीत लेता है तो पुर्तगाली टीम दूसरे स्थान पर रह सकती है। पुर्तगाल के प्रशिक्षण सत्र में 21 वर्षीय स्ट्राइकर गोंजालो रामोस अभ्यास कर रहे थे। वह रोनाल्डो की अनुपस्थिति में खेल सकते हैं।

हार का जश्न मना रहे ईरानी को गोली मारीः दावा- सुरक्षा बलों ने माथे पर शूट किया, अमेरिका ने 1-0 से हराया था

तेहरान। ईरानी सुरक्षा बलों ने कतर में चल रहे फुटबॉल वर्ल्ड कप में ईरान की हार सेलिब्रेट कर रहे एक शख्स को गोली मार दी। मारे गए युवक का नाम मेहरान समक बताया जा रहा है। ओस्लो के ईरानी मानवाधिकार ग्रुप ने दावा किया है कि अमेरिका की जीत के बाद 27 साल के समक बंदर अंजाली में अपनी गाड़ी का हॉर्न बजाकर सेलिब्रेटकर रहे थे, तभी सुरक्षा बलों ने उनके माथे पर गोली मारी दी। मंगलवार रात वर्ल्ड कप के ग्रुप-बी के मुकाबले में अमेरिका ने ईरान को 1-0 से हरा दिया। इस हार के साथ ही ईरानी टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। इसके बाद उत्तरी ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनकारी सार्वजनिक तौर पर देश की फुटबॉल टीम के वर्ल्ड कप से बाहर होने का जश्न मना रहे थे। कुछ शहरों के वीडियो में तो भीड़ को सड़कों पर नाचते-गाते भी देखा गया है। क्योंकि, बहुत से ईरानी नागरिकों का मानना है कि ये टीम इस्लामिक गणराज्य ईरान का प्रतिनिधित्व कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान की सरकारी मीडिया नेशनल फुटबॉल टीम पर गैरजरूरी दबाव बनाने के लिए देश के अंदर और बाहर मौजूद विरोधी ताकतों को जिम्मेदार बता रही है।

अर्जेंटीना ने पोलैंड को 2-0 से हराया

दोनों टीमें अंतिम-16 में पहुंचीं, सऊदी अरब-मैक्सिको बाहर

दोहा।

फीफा विश्व कप 2022 के ग्रुप सी से अर्जेंटीना और पोलैंड की टीम अंतिम-16 में पहुंच चुकी हैं। अर्जेंटीना ने अपने आखिरी ग्रुप मैच में पोलैंड को 2-0 से हराया और अपने ग्रुप की अंक तालिका में टॉप पर रहकर अगले दौर में जगह बनाई। वहीं, पोलैंड की टीम को इस विश्व कप में पहली हार मिली। इस हार के बावजूद पोलैंड की टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रही और अंतिम 16 में पहुंच गई। इस ग्रुप से सऊदी अरब और मैक्सिको की टीम का सफर ग्रुप स्टेज में ही खत्म हो गया।

अर्जेंटीना और पोलैंड के मैच में मैक एलिस्टर और जूलियन अल्वारेज ने एक-एक गोल दागा। इस मुकाबले में अर्जेंटीना की टीम ने हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया। अर्जेंटीना ने ग्रुप-स्टेज में दो जीत और एक हार के साथ कुल छह अंक हासिल किए और अंक तालिका में शीर्ष पर रहा। वहीं, पोलैंड और मैक्सिको के पास चार-चार अंक थे, लेकिन पोलैंड का गोल डिफरेंस बेहतर था और यह टीम अगले दौर में पहुंची।

अर्जेंटीना ने इस मैच में आक्रामक शुरुआत की। मैच का पहला कार्नर भी हासिल किया, लेकिन पोलैंड की टीम ने इस पर गोल नहीं होने दिया। इसके बाद मेसी ने शुरुआती 10 मिनट में गोल करने के कई प्रयास किए, लेकिन गोलकीपर ने दो बार बेहतरीन बचाव कर गोल नहीं होने दिया। इसके बाद भी अर्जेंटीना की टीम लगातार आक्रामक तरीके से खेलती रही, लेकिन गोल नहीं कर सकी।

मैच के 35वें मिनट में मेसी ने जूलियन अल्वारेज के क्रॉस पर हेडर के जरिए गोल करने की कोशिश की, लेकिन गेंद गोल पोस्ट से बाहर चली गई। बाद में पाया गया कि इस दौरान मेसी का शरीर विपक्षी खिलाड़ी के संपर्क में था और अर्जेंटीना को पेनल्टी मिली। हालांकि, पेनल्टी पर भी गोल नहीं कर सके। पहले हाफ में दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर पाईं, लेकिन अर्जेंटीना ने काफी आक्रामक खेल दिखाया और पोलैंड ने बेहतरीन बचाव किया।

दूसरे हाफ शुरू होते ही ब्राइटन मैक एलिस्टर ने अर्जेंटीना के लिए गोल दाग दिया। यह उनका पहला अंतरराष्ट्रीय गोल था। यहां से अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त मिल गई और इस टीम के अगले दौर में जाने की संभावना मजबूत हो गई। 67वें मिनट में, अल्वारेज ने विश्व कप में अपना पहला गोल करके अर्जेंटीना की बढ़त को दोगुना कर दिया। फर्नांडीज ने शानदार पास करते हुए अल्वारेज के लिए मौका बनाया और वह इस बार नहीं चुके।

पौलैंड की टीम गोल करना तो दूर गेंद को अपने कब्जे में लेने के लिए संघर्ष करते रहे। हालांकि, मेसी गोल करने के हर प्रयास में असफल रहे।

जीत के बावजूद मैक्सिको बाहर

मैक्सिको की टीम ने सऊदी अरब के खिलाफ अपना आखिरी मैच जीता, लेकिन इसके बावजूद यह टीम अगले दौर में नहीं पहुंच सकी। अपने आखिरी मैच में मैक्सिको ने सऊदी अरब को 2-1 के अंतर से हराया। अगर यह अंतर 2-0 होता तो मैक्सिको की टीम फाइनल में होती, लेकिन सऊदी अरब ने गोल कर मैक्सिको को भी विश्व कप से बाहर कर दिया।

इस मैच का पहला गोल हेनरी मार्टिन ने किया। उन्होंने मैच के 47वें मिनट में मैक्सिको को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद 52वें मिनट में लुईस चावेज ने गोल कर अपनी टीम को 2-0 से आगे कर दिया। सऊदी अरब के लिए एकमात्र गोल दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में आया। सलेम अल्डावसारी ने गोल कर अपनी टीम की हार का अंतर कम किया और उनके गोल की वजह से ही मैक्सिको की टीम विश्व कप से बाहर हो गई।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- क्या जल्लीकट्टू को किसी रूप में अनुमति दी जा सकती है

नई दिल्ली।

बैलों को वश में करने के खेल जल्लीकट्टू को अनुमति देने वाले तमिलनाडु के कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मौलिक प्रश्न यह है कि इस खेल को किसी भी प्रारूप में अनुमति दी जा सकती है या नहीं, जिसे कई लोग पशुओं के साथ क्रूरता मानते हैं। मालूम हो कि इस खेल का आयोजन राज्य में पोंगल पर्व पर किया जाता है।

होगी बहस

कई याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकीलों ने जस्टिस केएम जोसेफ की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ से कहा कि पशुओं के प्रति क्रूरता की किसी भी गतिविधि को मंजूरी की अनुमति नहीं दी जा सकती। इस दौरान पीठ ने कहा, तमिलनाडु सरकार का कहना है कि ये बैल प्रशिक्षित होते हैं और उनके साथ बेहद प्रेम का व्यवहार किया जाता है।

तमिलनाडु सरकार ने दी थी अनुमति

शीर्ष अदालत ने अपने 2014 के फैसले में कहा था कि सांडों को 'जल्लीकट्टू' कार्यक्रमों या बैलगाड़ी दौड़ में शामिल होने वाले जानवरों के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है और देश भर में इन उद्देश्यों के लिए उनके इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। तमिलनाडु सरकार ने पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 में संशोधन किया था और अपने यहां 'जल्लीकट्टू' की अनुमति दी थी।

जानवर के प्रति है क्रूरता

न्यायमूर्ति रस्तोगी ने कहा कि समस्या यह है कि नियम किसी भी रूप में हो सकते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कभी मेल नहीं खाती। उन्होंने कहा, 'सवाल सिर्फ इतना है कि हम जमीनी हकीकत का संज्ञान नहीं ले सकते, क्योंकि यह योजना से मेल नहीं खाती। हमें योजना की पड़ताल करनी है, न कि जमीनी हकीकत का नहीं।' कुछ याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने कहा कि दिखावटी परिवर्तन के बावजूद सांड को सभी बेहतरीन सुरक्षा उपायों के साथ लड़ने के लिए मजबूर करना अब भी जानवर के प्रति क्रूरता है।

सीबीएसई नॉर्थ जोन-2 रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता का दूसरा दिन, टूर्नामेंट में 2500 खिलाड़ी हुए शामिल

नई दिल्ली।

साउथ प्वाइंट पब्लिक स्कूल में आयोजित सीबीएसई नार्थ जोन-दो रोलर स्केटिंग टूर्नामेंट के दूसरे दिन लड़के और लड़कियों के विभिन्न वर्गों के मुकाबले कराए गए। खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के लड़कों के अंडर-12 के क्वार्डस में मानव मंगल मोहाली के धैर्य और लड़कियों के वर्ग में डीपीएस अमृतसर के इशमनजोत कौर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्कूल के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

2500 खिलाड़ियों ने लिया भाग

प्रतियोगिता में हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़, जम्मू एवं कश्मीर के स्कूलों के करीब 2500 खिलाड़ियों ने भाग लिया। दूसरे दिन अंडर-8 से अंडर-19 आयु वर्ग के मुकाबले कराए गए। मोहाली, चंडीगढ़, सोनीपत, कुरुक्षेत्र, अंबाला, लुधियाना, अमृतसर, जालंधर, गुरुग्राम, फरीदाबाद, जम्मू, फतेहगढ़, पानीपत व हिसार की टीमों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खत्री ने कहा कि टूर्नामेंट में बृहस्पतिवार को फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। टूर्नामेंट में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है। इस अवसर पर ग्रुप के वाइस चेयरमैन रोहित खत्री, मुख्य कार्यकारी अधिकारी भावना कालरा, डा. ममता सचदेवा सहित अन्य मौजूद रहे।

खेलों को बढ़ावा देने पर हरियाणा सरकार का जोर

सरकार राज्य में खेल-कूद को हमेशा प्राथमिकता देती है। बीते दिनों ही सरकार की ओर से 1330 अनुसूचित जाति के अंतर्गत आने वाले खिलाड़ियों के लिए चार करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति जारी की गई थी। इसे लेकर विभाग की तरफ से कागजी प्रक्रिया पूरी करने काम किया जाना है, जिसके बाद खिलाड़ियों के खाते में राशि भेज दी जाएगी।

साई के वरिष्ठ हैंडबॉल कोच देव राज को अरुण ट्रस्ट ने सेवानिवृत्ति पर किया सम्मानित

जम्मू।

अरुण शर्मा स्पोर्ट्स एंड सोशल वेलफेयर ट्रस्ट ने एमए स्टेडियम में भारतीय खेल प्राधिकरण, (साई) के मुख्य हैंडबॉल कोच देव राज को राष्ट्रीय खेल निकाय से उनकी सेवानिवृत्ति पर सम्मानित किया। अरुण स्पोर्ट्स ट्रस्ट के बैनर तले जम्मू-कश्मीर के वरिष्ठ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय हैंडबॉल खिलाड़ियों ने एसएआई एसटीसी जम्मू के कार्यालय का दौरा किया। जहां से देव राज सेवानिवृत्त हुए थे।

अन्य लोगों में साई और एसटीसी स्पोर्ट्स काउंसिल के अधिकारी और कोच मौजूद थे।देव राज ने जम्मू-कश्मीर से कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इसलिए वह इस तरह के सम्मान और प्रशंसा के पात्र हैं। अरुण स्पोर्ट्स ट्रस्ट के सदस्य ट्रस्टी और हैंडबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के कार्यकारी सदस्य आशुतोष शर्मा ने कहा कि वह हैंडबॉल कोच के रूप में अपने करियर के दौरान अपनी सेवाओं के लिए समर्पित रहे हैं। इससे पहले एसटीसी जम्मू के उप निदेशकए नदीम अहमद डार ने सेवानिवृत्त मुख्य कोच की प्रशंसा की और अपने कोच के लिए दिखाए गए प्यार और स्नेह के लिए अरुण स्पोर्ट्स ट्रस्ट के कदम की सराहना की।अन्य लोगों में जेकेएससी के संभागीय खेल अधिकारी, अशोक सिंह जेकेएससी के प्रबंधक एसपी सिंह और सतीश गुप्ता, साई बास्केटबॉल कोच, अमन शर्मा, सेवानिवृत्त साई क्रिकेट कोच, वरिंदर शर्मा, सेवानिवृत्त साई हैंडबॉल कोच, सुदेश कुमार, प्रमुख हैंडबॉल खिलाड़ी, करतार डोगरा, चंदन सिंह चौहान, बचन डोगरा, आशीष शर्मा, कपिल सगोत्रा, संजीव शर्मा, गौरव शर्मा, रोहित बदन, संजय मन्हास और अनिल डोगरा आदि शामिल थे।

देश पर भारी टी-20 लीग

दुनिया के आधे क्रिकेटर लीग खेलने के लिए नेशनल कॉन्ट्रैक्ट छोड़ने को तैयार- सर्वे

नई दिल्ली।

दुनियाभर में एक के बाद एक शुरू हो रहीं फ्रेंचाइजी बेस्ड टी-20 लीग का असर खिलाड़ियों पर बढ़ता जा रहा है। इंटरनेशनल क्रिकेटर्स की संस्था एफआईसीए ने अपने ताजा सर्वे में कहा कि 49प्रतिशत खिलाड़ी टी-20 लीग के लिए अपने देश के क्रिकेट बोर्ड का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट छोड़ने को तैयार हैं। एफआईसीए ने 11 देशों के 400 से ज्यादा खिलाड़ियों का सर्वे किया। इस सर्वे में और भी कई हैरान करने वाली बातें सामने आई हैं। सबके बारे में एक-एक कर जानते हैं।

49प्रतिशत के लिए देश से ऊपर टी-20 लीग - 49प्रतिशत क्रिकेटर्स ने कहा- वे आईपीएल, बीबीएल जैसी फ्रेंचाइजी लीग खेलने के लिए देश का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट भी रिजेक्ट कर सकते हैं। अगर उन्हें इन लीग में अपने देश से ज्यादा पैसा मिले तो वे लीग खेलेना ही पसंद करेंगे। पिछले दिनों न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से अपना नाम वापस ले लिया, जिसके चलते उन्हें भारत के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं बनाया गया। बोल्ट के साथी खिलाड़ी मार्टिन गप्टिल को खराब फॉर्म के चलते चुना नहीं गया। जिसके बाद वह विदेशी लीग खेलने चले गए। इस मानसिकता का असर अन्य स्टार खिलाड़ियों पर दिखा है। इससे कभी खिलाड़ियों को तो कभी उनके देश को नुकसान उठाना पड़ा है।

स्टोक्स ने वनडे, मोईन ने टेस्ट छोड़ा - 79प्रतिशत क्रिकेटर्स ने कहा- साल में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने की भी एक लिमिट होनी चाहिए। पिछले कुछ सालों से बहुत ज्यादा क्रिकेट खेला जा रहा है। क्रिकेट का वर्कलोड मैनेज करने के लिए इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने वनडे से रिटायरमेंट ले लिया। उन्हीं के साथी खिलाड़ी मोईन अली ने भी 2021 में टेस्ट खेलना छोड़ दिया। स्टोक्स ने कहा था- तीनों फॉर्मेट खेलना उनके लिए अब पॉसिबल नहीं है। बहुत ज्यादा क्रिकेट से उनकी बॉडी ने जवाब देना शुरू कर दिया है। वहीं, मोईन ने कहा था- वनडे क्रिकेट धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है। उन्हें डर है कि कुछ ही सालों में ये फॉर्मेट खत्म न हो जाए।

आंद्रे रसेल वर्ल्ड कप टीम से बाहर हुए - 2 बार का टी-20 वर्ल्ड कप चैंपियन वेस्टइंडीज पिछले टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-12 स्टेज में क्वालिफाई नहीं कर सका था। वजह सामने आई कि वेस्टइंडीज ने अपनी टीम में ग्लोबल टी-20 स्टार आंद्रे रसेल और सुनील नरेन जैसे खिलाड़ियों को शामिल नहीं किया था। बोर्ड का कहना था कि ये खिलाड़ी विदेशी लीग खेलने के लिए देश को प्राथमिकता नहीं देते। इसीलिए उन्हें नेशनल टीम में नहीं चुना गया।

क्रिकेट परमानेंट करियर नहीं हो सकता- करीब दो तिहाई (69प्रतिशत) क्रिकेटर्स को उनके देश 12 महीने का ही सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट देते हैं। उन्हें डर है कि अगर फॉर्म नहीं रहा तो उनका कॉन्ट्रेक्ट नहीं बढ़ेगा और उन्हें पैसे भी नहीं मिलेंगे। ऐसे में वह क्रिकेट को परमानेंट करियर के रूप में चुनने से घबराते हैं। वहीं, करीब आधे (46प्रतिशत) क्रिकेटर्स बोले कि उनके देश का क्रिकेट बोर्ड उनके साथ प्रोफेशनल व्यवहार नहीं करता।

अब सर्वे कुछ पॉजिटिव बातें- वनडे वर्ल्ड कप सबसे बड़ा टूर्नामेंट, टेस्ट अब भी बेस्ट - सर्वे के अनुसार, 54प्रतिशत क्रिकेटर्स का मानना है कि 50 ओवर का वनडे वर्ल्ड कप अब भी क्रिकेट का सबसे बड़ा टूर्नामेंट है। इसी तरह, 2018/19 के सर्वे में 84प्रतिशत क्रिकेटर्स ने वनडे वर्ल्ड कप को सबसे बड़ा टूर्नामेंट बताया था। इन क्रिकेटर्स ने टी-20 वर्ल्ड कप, चैंपियंस ट्रॉफी, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप जैसे टूर्नामेंट के ऊपर वनडे वर्ल्ड कप को रखा है। 74प्रतिशत खिलाड़ियों ने टेस्ट को क्रिकेट का सबसे बेहतर फॉर्मेट बताया। उन्होंने 5 दिवसीय गेम को 20 और 50 ओवर के गेम से ऊपर रखा। हालांकि, 2018/19 के सर्वे में 82प्रतिशत खिलाड़ियों ने टेस्ट को बेस्ट फॉर्मेट बताया था। ऐसे में टेस्ट क्रिकेट की लोकप्रियता भी घटती नजर आ रही है। लेकिन, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप आने के बाद इसकी लोकप्रियता बढ़ने के आसार है।

नस्लभेद आज भी झेलते हैं खिलाड़ी - 14प्रतिशत क्रिकेटर्स ने अपने करियर में कभी न कभी रंग या जाति की वजह से भेदभाव झेला। वहीं, 13प्रतिशत खिलाड़ियों को अपने क्रिकेटिंग करियर में बोर्ड और लीग मालिकों से धमकियां मिली हैं। यानी, उन्हें बेहतर परफॉर्म नहीं करने के बाद टीम से बाहर निकालने के लिए डराया गया।

पुडुचेरी : अब देश में ही पाएं विदेश घूमने का मज़ा

हर कोई विदेश घूमना चाहता है, लेकिन पैसे ना होने की वजह से लोगों का यह सपना कभी पूरा नहीं हो पाता। पर आपको निराश होने की कोई आवश्यकता नहीं है। आप भारत में रहकर ही विदेश की जगहों का आनंद उठा सकते हैं और आपके ज्यादा पैसे भी खर्च नहीं होंगे। अब आप सोच रहे होंगे कि हम मजाक कर रहे हैं, लेकिन यह बात एकदम सच है। दिल्ली से 2400 किलोमीटर दूर पुडूचेरी की कुछ ऐसी ही खासियत है।

पुडुचेरी भारत के सुंदरतम शहरों में से एक है। यहां पर आप बिना पासपोर्ट-वीजा के घूम सकते हैं और कहा जाता है कि यहां घूमना फ्रांस में घूमने जैसा ही लगता है। पुडुचेरी एक शांत जगह हैं यहां आपको हर जगह शांति मिलेगी। यह शहर समुद्र के किनारे बसा हुआ है। इस शहर को बेहतर टाउन प्लानिंग के तहत बसाया गया है। यहां पर फ्रांसीसियों के लिए व्हाइट टाउन नाम की कॉलोनी बनाई गई है। पुडुचेरी आने वाले पर्यटकों के लिए ये पूरी कॉलोनी ही एक टूरिस्ट डेस्टीनेशन है।

यदि आप यहां जाना चाहते हैं तो चेन्नई से 135 किलोमीटर दूरी पर पुडुचेरी का एयरपोर्ट है। इस पूरे शहर के कोने-कोने में फ्रांसीसी संस्कृति, कला और आर्किटेक्चर की छाप दिखती है। इस शहर में कई महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। यहां पर प्रॉमिनाड बीच पर भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा लगी है। इसीलिए प्रॉमिनाड बीच को गांधी बीच के नाम से भी जाना जाता है। पुडुचेरी घूमने के लिए आप बाइक या स्कूटी भी किराए पर ले सकते हैं। यहां हेलमेट लगाने का नियम नहीं है। लिहाजा बिना हेलमेट लगाए आसपास के नजारों का भरपूर लुत्फ उठा सकते हैं। 1673 में जब फ्रांसीसियों ने यहां कदम रखा तो पुडुचेरी एक फिशिंग विलेज हुआ करता था। भारत से व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए फ्रांसीसियों ने यहां पोर्ट बनवाया।

तलवे पर मेंहदी लगाना है लेटेस्ट ट्रेंड

मेंहदी लगाना, सोलह श्रृंगार में से एक है। हाथ और पैर में मेंहदी लगते तो आपने कई बार देखा होगा, हो सकता है आपको मेंहदी का शौक हो तो आपने खुद भी कई बार मेंहदी लगवाई हो लेकिन आजकल तलवे में मेंहदी लगाने का ट्रेंड है।

आज कल कई मेंहदी डिजाइनर खासतौर पर तलवों में ही मेंहदी लगाने का काम कर रहे हैं। युवाओं में यह ट्रेंड खासा लोकप्रिय हो रहा है। तलवे में लगने वाली मेंहदी, हाथ में लगने वाली मेंहदी की तुलना में थोड़ी मोटी होती है।

लाउंज पर लेटकर, बेंच पर क्रॉस लेग बैठकर या सीधे लेटकर आप मेंहदी लगवा सकते हैं। ऐसे में अगर आप भी यह लेटेस्ट ट्रेंड आजमाना चाहती हैं तो अपनी पसंद की कोई डिजाइन चुन लीजिए और पहुंच जाइए मेंहदी डिजाइनर के पास और फिर सबको दिखाइए अपने खूबसूरत पैर...

हर पुरुष को पता होने चाहिए ये

फैशन मंत्र

> अमूमन फैशन को महिलाओं से जोड़कर ही देखा जाता है लेकिन ऐसा सोचना सही नहीं है। जिस तरह महिलाओं का फैशन है, ठीक उसी तरह पुरुषों का भी फैशन है। ज्यादातर पुरुष इस ओर ध्यान ही नहीं देते हैं और सिर्फ पैंट-शर्ट को एक सेट फॉर्मेट में पहनकर बाहर निकल जाते हैं लेकिन छोटी-छोटी बातें ध्यान में रखकर आप भी पहले से कहीं अधिक आकर्षक नजर आ सकते हैं...

1. फिटिंग की शर्ट पहनें लेकिन उसे खरीदने से पहले ट्राई जरूर करें। कहीं ऐसा न हो कि वह टाइट फिट हो और जब आप उसे पहनकर बैठें तो वह ऊपर उठ जाए।

2. अगर आप जैकेट पहनते हैं तो आपको इसे पहनने का सही तरीका पता होना चाहिए। जैकेट की टॉप बटन कुछ समय बंद होनी चाहिए। मिडिल बटन हमेशा बंद होने चाहिए और सबसे नीचे के बटन को कभी भी बंद नहीं करना चाहिए।

3. अगर आप शर्ट की बांह को फोल्ड करते हैं तो आपको इसे फोल्ड करने का सही तरीका पता होना चाहिए। शर्ट को कफ़ के आकार में ही फोल्ड करना चाहिए।

4. अगर आप सूट खरीद रहे हैं तो रेडिमेड लेने से बेहतर होगा कि आप टेलर से सिलवाएं। इससे फिटिंग अच्छी आएगी।

5. जूते हमेशा अच्छी क्वालिटी के और सही शेप के ही खरीदें।

6. अगर आपने सूट पहन रखा है तो बैठते समय कोट के सारे बटन्स खोलकर ही बैठें।

7. बहुत से लोग बेल्ट को मोड़कर रख देते हैं लेकिन इससे बेल्ट पर निशान आ जाएंगे। उन्हें हमेशा लटकाकर रखें।

8. टाई न तो छोटी हो और न ही बड़ी। टाई को हमेशा बेल्ट के बकल से टच करते हुए बांधें।

इन उपायों से जल्दी नजर नहीं आएंगे बढ़ती उम्र के लक्षण

बढ़ती उम्र में चेहरे पर झुर्रियां पड़ने लगती हैं। ऐसे में बहुत से लोग जवान दिखने की चाहत में कई ऐसे उपाय करने लगते हैं जिनका कोई ठोस आधार तक नहीं। ऑरिफ्लेम इंडिया की सौंदर्य एवं मेकअप विशेषज्ञ आकृति कोचर ने बढ़ती उम्र के लक्षणों को रोकने से जुड़े मिथकों के बारे में ये जानकारियां दी हैं :-

■ बढ़ती उम्र के लक्षणों से जुड़ी एक धारणा यह है कि रोजाना ग्रीन जूस के सेवन से खून साफ होता है और चेहरे पर चमक आती है। यह बात सच है लेकिन यह जरूरी नहीं कि सिर्फ एक उपाय से आपके चेहरे पर चमक आ जाए। इसके लिए अपनी दिनचर्या में क्लीजिंग, टोनिंग और मॉइश्चिराइजिंग को शामिल करना पड़ेगा। बाहर जाने पर सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। व्यायाम और संतुलित आहार का सेवन करें। बढ़ती उम्र के असर को रोकने के लिए आपको अपनी जीवनशैली से जुड़े हर पहलू पर ध्यान देना होगा।

■ निखरी त्वचा के लिए खूब पानी पीना चाहिए क्योंकि इससे त्वचा में नमी बरकरार रहती है और शरीर से हानिकारक विषाक्त पदार्थ भी निकल जाते हैं।

■ आम धारणा है कि मॉइश्चराइजर के इस्तेमाल से झुर्रियां दूर हो जाती हैं। यह आपकी त्वचा को नमी प्रदान करता है और पोषित त्वचा लंबे समय तक निखरी रहती है लेकिन झुर्रियां दूर करने के लिए सही डे और नाइट क्रीम का ही इस्तेमाल करना चाहिए।

■ त्वचा का रंग काला पड़ जाना और रूखापन झुर्रियां पड़ने का पहला संकेत होते हैं। वैसे, 30 की उम्र के बाद ही झुर्रियां पड़ती हैं, लेकिन सही देखभाल और सही जीवनशैली के अभाव में और तनावपूर्ण जीवन से यह कम उम्र में नजर आ सकती हैं, इसलिए स्वास्थ्य पर खास ध्यान दें।

■ कुछ लोग एंटी-एजिंग को जीन से जोड़ते हैं, लेकिन सच तो यह है कि अगर आपके दादा-दादी, माता-पिता स्वस्थ जीवनशैली को अपनाते हैं और आप नहीं अपनाते हैं तो आपकी रंगत समय से पहले ही ढल जाएगी। जलवायु, प्रदूषण, तनाव, त्वचा की देखभाल और जीवनशैली भी आपकी त्वचा पर असर डालती हैं।

■ यह जरूरी नहीं कि महंगे उत्पाद के इस्तेमाल से आपकी त्वचा खिल जाए इसलिए सोच-समझकर ही किसी भी सौंदर्य उत्पाद का प्रयोग करें।

■ मुस्कुराना या त्योरी चढ़ाकर रखना एक प्रकार का व्यायाम ही है। धूम्रपान करने से, त्वचा में नमी की कमी से, तनाव लेने जैसे कारणों से भी झुर्रियां पड़ती हैं।

■ आपकी पूरी दिनचर्या, जीवनशैली का आपके शरीर और त्वचा पर काफी असर पड़ता है इसलिए खुश रहें और संतुलित व स्वस्थ आहार लें।

मुंह के छालों से हैं परेशान तो बर्फ का इस तरह करें इस्तेमाल

मुंह में छाले होने की वजह से काफी तकलीफ का सामना करना पड़ता है। ऐसे में खाने में मिर्च बहुत लगती है और ये दर्द भी करता है। पीरिड्स, हार्मोन का संतुलन बिगड़ना, पेट साफ ना होना आदि की वजह से मुंह में छाले हो जाते हैं। अगर आपको आए-दिन इस तकलीफ का सामना करना पड़ता है तो ये नुस्खे आपके लिए जरूर मददगार हो सकते हैं।

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा से छालों को ठीक किया जा सकता है लेकिन इसे लगाते समय सावधानी बरतने की जरूरत होती है क्योंकि इससे जलन होती है। बेकिंग सोडा का इस्तेमाल करने के लिए इसे पानी में मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। अब इस पेस्ट को छालों पर लगाएं। इससे छालों से राहत मिलेगी।

सूखा धनिया

सूखा धनिया छालों को दूर करने का आयुर्वेदिक तरीका है। इसके लिए एक चम्मच धनिये को पानी में उबाल लें और ठंडा होने पर इससे कुल्ला करें। दिन में तीन से चार बार ऐसा करने से आराम मिलता है।

बर्फ

छाले हो जाने पर यह काफी दर्द करते हैं और कभी-कभी इसकी वजह से सूजन भी आ जाती है। छालों पर बर्फ लगाने से वह ठीक हो जाते हैं। साथ ही दर्द और सूजन दूर करने में भी ये कारगर है।

एलोवेरा

छालों पर एलोवेरा लगाने से राहत मिलती है। प्रभावित हिस्सों पर इसे लगाएं। इससे छालों में होने वाले दर्द से भी निजात मिलती है।

तलाक लेते समय इन 3 गलतियों को करने से बचें

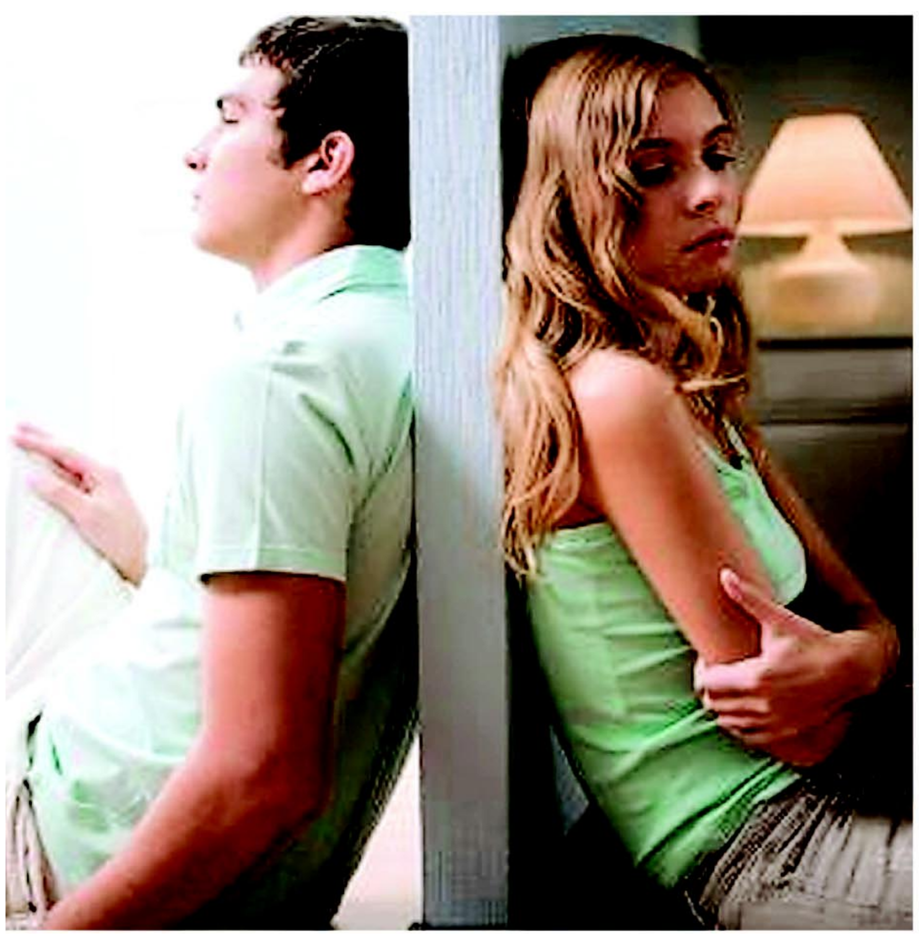

> अगर आप दोनों ने हर कोशिश करने के बाद यह फैसला लिया है तो इसका सम्मान कीजिए। तलाक ले लेने का मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि आप दोनों अब एक-दूसरे के दुश्मन हो गए हैं। तलाक के बाद भी आप दोनों अच्छे दोस्त बनकर रह सकते हैं लेकिन उसके लिए जरूरी है कि आप दोनों चीजों को समझदारी से लें।

अमूमन तलाक लेने के दौरान कुछ ऐसी गलतियां हो जाती हैं जिसकी वजह से आने वाले समय में रिश्ते हमेशा के लिए खराब हो जाते हैं। ऐसे में इन गलतियों को करने से बचें ताकि भविष्य में आप कम से कम एक-दूसरे के अच्छे दोस्त बनकर रहें...

1. साझा खर्चों का निपटारा

शादी खत्म होने के बाद एक लंबे समय तक कई तरह की आर्थिक मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। हर चीज पर दोबारा से निवेश करना होता है और जो चीजें पहले निवेश के तहत ली गई थीं वे अचानक से बोझ बन जाती हैं। ऐसे में समझदारी यही होगी कि अगर आप दोनों ने साथ रहते हुए अगर कोई लोन लिया था तो उसे संयुक्त रूप से ही चुकाएं भी। या फिर इसका कोई दूसरा समाधान निकालें। जब यह सारी चीजें सुलझ जाएं, उसके बाद ही चीजों को नए सिरे से समेटना शुरू करें।

2. चीजें और कस्टडी को हथियार न बनाएं

अगर अलग होने का फैसला आप दोनों का है तो ऐसा करना आपको शोभा नहीं देता। पैसों के लिए और कस्टडी के लिए दूसरी पार्टी को परेशान करना या फिर इन चीजों का हथियार की तरह इस्तेमाल करना सही नहीं है। ऐसा करने से चीजें सिर्फ बिगड़ेंगी ही, जिसके बाद आप उस शख्स से कभी नजरें भी नहीं मिला पाएंगे।

3. दोस्तों को इसमें शामिल न करें

जिन दोस्तों ने आप दोनों को बतौर कपल देखा है और आपके साथ खुशियों के पल साझा किए हैं, उन्हें इस मामले में शामिल न करें। न ही उनसे किसी एक का पक्ष लेने को कहें। उनके लिए आप दोनों ही एक बराबर हैं, ऐसे में उन्हें इस स्थिति में डालकर आप उन्हें असहज ही कर देंगे।

सनस्क्रीन प्रयोग करना बेहतर विकल्प है लेकिन याद रखें कि सनस्क्रीन आपके स्किन टाइप के अनुसार हो।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**